जबलपुर
रविवार, 13 जुलाई 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष–3
वर्ष : 20 अंक : 74
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3 .00 *

मौसम
अधि. 28
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

लाडली बहनों को मिला तोहफा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को 1543.16 करोड़ रुपए अंतरित किए

- *30 लाख बहनों को उज्ज्वला योजना की सब्सिडी के रूप में मिले 46.34 करोड़ रुपए*
- *सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 56.74 लाख हितग्राहियों को मिले 340 करोड़ रुपए*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 26 वीं किश्त के रूप में 1543.16 करोड़ रुपए की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री ने 30 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 46.34 करोड़ रुपए सब्सिडी राशि तथा 56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए की राशि भी उनके बैंक खातों में अंतरित की।

उज्जैन के कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन सीएम ने किए ऐलान

मत्स्य पालन को उद्योगों की तरह मिलेंगी सुविधाएं... 92 करोड़ के 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमिपूजन

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मछली पालन भी एक उद्योग है, इसे भी अन्य उद्योगों की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन भी किया। डॉ यादव शनिवार को उज्जैन स्थित कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को कर रहे थे।

- अब मछली पालन में निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा
- सीएम ने 22.65 करोड़ की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमिपूजन किया, आईस बॉक्स लगी 430 मोटर साइकिलें बांटी

मत्स्य पालन के लिए अनुदान देगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब मछली पालन में निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार मस्त्य पालन के लिए मछुआरों को अनुदान देगी। राज्य सरकार ने प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाया है, जिसका लाभ मछुआरों को भी मिल रहा है। पिछली सरकार में प्रदेश की सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई होती थी, यह रकबा हमारी सरकार में बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भारत में 48 प्रतिशत सस्ती हुई एक्स की सदस्यता

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने भारत में खाताधारकों के लिए सदस्यता शुल्क में 48 प्रतिशत तक की कटौती की है। सोशल मीडिया फर्म ने मोबाइल ऐप के लिए प्रीमियम अकाउंट सब्सक्रिप्शन शुल्क में लगभग 48 प्रतिशत की कटौती कर इसे 470 रुपए कर दिया है, जो पहले मासिक आधार पर 900 रुपए लिया जाता था।

राजा हत्याकांड के 2 सह-आरोपियों को दी जमानत

शिलॉन्ग। इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में कोर्ट ने दो सह-आरोपियों लोकेंद्र सिंह तोमर और

बलबीर अहिरवार को जमानत दे दी है। दोनों की न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट डीकेके मिहसिल्ल की अदालत ने बुधवार को दोनों को जमानत दी। सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई।

बस ने ऑटो को मारी टक्कर, दो की मौत

उज्जैन। इंदौर की ओर जा रही एक बस ने ओवरटेक करने के चक्कर में त्रिवेणी पुल पर एक ऑटो को

जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के कारण इंदौर रोड पर लगभग 5 किमी लंबा जाम लग गया, जिससे एंबुलेंस को भी घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करना पड़ी। बस उज्जैन से इंदौर की ओर जा रही थी।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 15 पेज की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

अनुत्तरित सवाल: फ्लाइट के दोनों इंजनों का फ्यूल किसने बंद किया था, जिससे हादसा...!

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अहमदाबाद प्लेन हादसे के एक महीने बाद शुरुआती जांच रिपोर्ट आ गई है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने शनिवार को 15 पेज की रिपोर्ट सार्वजनिक की। प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह हादसा विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हुआ था। टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए। इस दौरान कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। इसके बाद अनुत्तरित सवाल उठा कि आखिर फ्लाइट के दोनों इंजनों का फ्यूल किसने बंद किया था, जिसकी वजह से हादसा हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। 15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली।

12 जून को एयर इंडिया की फ्लाइट टेकऑफ के कुछ ही देर बाद क्रैश हो गई थी। इसमें 270 लोगों की हुई थी मौत

रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं

प्लेन क्रैश रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही दोनों इंजन बंद हो गए
- कॉकपिट की रिकॉर्डिंग में एक पायलट ने पूछा, तुमने इंजन क्यों बंद किया? दूसरे ने कहा, मैंने नहीं किया
- इंजन को फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इंजन 1 थोड़ा ठीक हुआ, लेकिन इंजन 2 चालू नहीं हो सका
- प्लेन सिर्फ 32 सेकंड तक हवा में रहा। फिर रनवे से 0.9 नॉटिकल मील दूर एक हॉस्टल से टकराकर गिर गया
- ईंधन की जांच में सब साफ निकला, कोई खराबी या गंदगी नहीं मिली
- टेकऑफ के समय फ्लैप और लैंडिंग गियर सही स्थिति में थे

ये अंतिम रिपोर्ट नहीं, शुरुआती रिपोर्ट है: मंत्री नायडू

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने इस रिपोर्ट पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये एक शुरुआती जांच रिपोर्ट है और एएआईबी की अंतिम रिपोर्ट आने तक कोई भी आधिकारिक निष्कर्ष नहीं निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट फिलहाल प्रारंभिक स्तर की है और मंत्रालय इसमें सामने आई बातों का विश्लेषण कर रहा है। नायडू ने कहा कि एएआईबी एक स्वतंत्र संस्था है और हम उन्हें हर संभव सहयोग दे रहे हैं।

रिपोर्ट की अमेरिका ने की तारीफ

दूसरी ओर रिपोर्ट पर अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर पीटर गोएल्ज ने एएआईबी की तारीफ़ की है। उन्होंने कहा, भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सराहना की जानी चाहिए कि उसने इतनी विस्तृत प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की है।

जांच में कर रहे सहयोग: एयर इंडिया

एयर इंडिया ने रिपोर्ट पर बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा है कि वह 'हादसे में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है' और जांच कर रहीं एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। बयान में रिपोर्ट के किसी विशेष विवरण पर टिप्पणी नहीं की गई है। हम इस दुखद समय में शोक में डूबे हैं और हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम शनिवार को एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की ओर से जारी शुरुआती रिपोर्ट को प्राप्त करने की पुष्टि करते हैं। हादसे के बाद एअर इंडिया की मूल कंपनी टाटा संस ने मृतकों के परिजनों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की। जबकि एअर इंडिया ने 25 लाख का अंतरिम मुआवजा देना शुरू कर दिया है।

देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र, बोले- अब बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है । उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'। युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे।

रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान- पीएम

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर फिर टॉप

भोपाल को मिलेगा दूसरा स्थान 17 जुलाई को दिल्ली में सम्मान

दिल्ली से भोपाल महापौर और निगम आयुक्त को मिला आमंत्रण

भोपाल। स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 की रैंकिंग की घोषणा 17 जुलाई को दिल्ली में की जाएगी। जिसके लिए केटगरी जारी कर दी गई है। टॉप टेन में प्रदेश का इंदौर इस बार भी अव्वल है। जबकि भोपाल ने सातवें स्थान से छलांग लगाकर दूसरे पायदान पर जगह बना ली है। दिल्ली से भोपाल महापौर और नगर निगम कमिश्नर को प्रेसिडेंट अवार्ड के लिए आमंत्रण भी मिल गया है। राजधानी में हुई ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की से शहर की सुंदरता में चार चांद लगे हैं।

आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटना

व्यापारी परिवार से 20 लाख के गहने की लूट, महिलाओं को किया घायल

पंक्चर टायर को बदलने के लिए रोकी थी कार तभी पांच लुटेरों ने बोला हमला

खरगोन। व्यापारी परिवार के साथ आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर मारपीट कर 20 लाख रुपए के गहनों की लूट हो गई। व्यापारी ने पुलिस को बताया कि आधा मिनट का समय मिल जाता तो वह बच जाते। दरअसल उन्होंने पंक्चर टायर को बदल लिया था और कार में बैठने ही वाले थे। लुटेरों ने व्यवसायी की मां के कान से जेवर खींचने के दौरान उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। यह घटना खरगोन और धार सीमा पर स्थित गुजरी बाईपास पर हुई।

मुनादी कराकर ग्रामीणों को अलर्ट किया

झुंड से बिछड़े हाथी को आया गुस्सा आधा दर्जन घरों को किया तहसनहस

दहशत में ग्रामीण, वन विभाग को सूचना दी

शहडोल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे इलाके में एक गुस्साए हाथी ने पूरी रात जमकर उत्पात मचाया। हाथी अपने झुंड से बिछड़ने से नाराज था। अपने साथियों के तलाश में रिहाशी इलाके में आ गया और जो भी घर सामने दिखाई दिया उसमें तोड़फोड़ कर दी। करीब आधा दर्जन घरों के किसी के दरवाजे उखाड़ दिए तो किसी के कबेलुओं को तहसनहस कर दिया। हाथी के उत्पात से दहशत में आए ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर उसकी निगरानी में जुट गई है। वन विभाग के मुताबिक जंगली हाथियों की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी। हाथियों की निगरानी में टीम लगी रही।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान से दुखद खबर

घायल मादा चीता नाभा की इलाज के दौरान मौत

'हड्डियों में फ्रेक्चर के साथ गंभीर चोटें थीं'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कूनो राष्ट्रीय उद्यान से दुखद खबर यह आई है। यहां नामीबिया से लाई गई आठ वर्षीय मादा चीता नाभा की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। कूनो प्रबंधन के अनुसार, मादा चीता एक सप्ताह पहले अपने सॉफ्ट रिलीज बोमा में शिकार के प्रयास के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसके बाद उसका लगातार इलाज चल रहा था। शनिवार को कूनो प्रशासन ने मादा चीता के मरने की पुष्टि कर दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नाभा को बाईं ओर अल्ना और फिबुला हड्डियों में फ्रैक्चर के साथ कई अन्य गंभीर चोटें आई थीं।

यूके, जर्मनी और जापान की तरह तलाशेंगे निवेश की संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज से 19 जुलाई तक रहेंगे दुबई और स्पेन की यात्रा पर

- *इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कॉउंसिल के साथ होगी बैठक*

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 से 19 जुलाई को दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेंगे। यहां वे यूके, जर्मनी और जापान की तरह दुबई और स्पेन से निवेश की अपार संभावनाएं तलाशेंगे। यह दौरा मध्यप्रदेश की वैश्विक निवेश रणनीति में महत्वपूर्ण कदम होगा। डॉ. यादव में निवेश को लेकर इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कॉउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख बैठक प्रस्तावित है, जहां मध्यप्रदेश की औद्योगिक तैयारियों और निवेश नीति को लेकर प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

पर्यटन और हेरिटेज हॉस्पिटैलिटी सेक्टर पर फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई के बाद 16 से 19 जुलाई तक स्पेन के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे बार्सिलोना में स्पेन की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनियों और ग्रीन मोबिलिटी टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे निवेशकों के साथ महत्वपूर्ण संवाद करेंगे। बार्सिलोना में होने वाली बैठकों में टेक्सटाइल, गारमेंट और डिजाइन सेक्टर की अग्रणी कंपनियों से भी चर्चा की जाएगी, जिससे मध्यप्रदेश में पीएम मित्र पार्क, टेक्सटाइल ओडीओपी और वर्धमान सहित टेक्सटाइल क्लस्टर को और गति दी जा सके।

निवेश पर रणनीतिक संवादों की रहेगी प्रमुखता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इन निवेश यात्राओं की खास बात है कि निवेश पर रणनीतिक संवादों की प्रमुखता रहेगी। उनका उद्देश्य निवेश के ज़रिए न केवल प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है, बल्कि युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ना भी है। यह निवेश यात्राएं मध्यप्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक आत्मनिर्भरता का रोडमैप बनती जा रही हैं।

प्रदेश में अब आफत बनी बारिश, रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिरी... भरा पानी

एक दर्जन गांवों से संपर्क टूटा

शहडोल में बाणसागर डैम के 7 गेट खोले गए, नदी में फंसे 6 लोगों को बचाया, सिलवानी-उदयपुरा स्टेट हाईवे पर 8 फीट पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

प्रदेश में भारी बारिश से नदी-नालों में उफान की वजह से कई मार्ग बंद हो गए हैं। शहडोल में दोपहर करीब 12 बजे बाणसागर डैम के 2 गेट खोल दिए गए। इसके बाद एक एक कर सात गेट खोले गए। डैम का जलस्तर 339.13 मीटर तक पहुंच गया है। गेट खोलने के 24 घंटे पहले नर्मदा नदी के किनारे के रहवासी इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था। ब्यौहारी क्षेत्र में शुक्रवार शाम को नदी में आए उफान से एक परिवार के घर के चारों तरफ पानी भर गया।

एसडीआरएफ की टीम ने चार घंटे की मशक्कत के बाद राम सुमन कुशवाहा के परिवार के 6 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला।

शहडोल में मकान गिरने से एक पुजारी की मौत
छतरपुर में पांच लोग बाढ़ में फंसे

बाणसागर डैम

दतिया में तीन बच्चियां डूबीं

जिले के इंदरगढ़ में निर्माणाधीन तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। चार बच्चियां खेलते-खेलते तालाब के किनारे पहुंचीं और नहाने के दौरान गहराई में चली ईं। इसमें तीन की मौत हो गई और एक को बचा लिया गया।

रायसेन में कई मार्ग बंद

रायसेन जिले में शुक्रवार रात से लगातार बारिश हो रही है। जिससे बीना नदी उफान पर आ गई है।

लगातार बारिश से सिलवानी स्टेट हाईवे-44 भी प्रभावित हुआ है।

सिलवानी-उदयपुरा मार्ग पर स्थित तेंदोनी नदी पर करीब 8 फीट पानी आ गया है, जिससे इस मार्ग पर यातायात बंद कर दिया गया है। बीना नदी के उफान पर आने से खजूरिया, महुना गूजर, माला, चंदोरिया, मानपुर, बेरखड़ी, विनायकपुर, बर्री कला, हरदौट सहित एक दर्जन गावों के रपटों पर पानी आ गया है।

चैरिटी के नाम पर अरबों की संपत्ति पर किया कब्जा, दान दो, टिकट लो का खेल चला

नेशनल हेराल्ड मामला

प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट सामने आने पर सियासत गरमाई

कोई चैरिटेबल काम जमीन पर नहीं दिखा, चंदा देने वाले पा गए टिकट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी कीरिपोर्ट ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। इसमें चौंकाने वाला दावा किया गया है कि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड जिस पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी का सीधा नियंत्रण है के जरिए सिर्फ चैरिटी के नाम पर अरबों की संपत्ति पर कब्जा किया गया। रिपोर्ट में संभावित राजनीतिक लाभ के बदले दिया गया चंदा करार दिया गया है।

ईडी का दावा- यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के जरिए बड़ी रकम वसूली

शनिवार को दिल्ली की अदालत में दायर दस्तावेजों में ईडी ने साफ तौर पर कहा कि यंग इंडियन को 'नॉन-प्रॉफिट' कंपनी दिखाया गया, लेकिन उसका वास्तविक काम एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियों को हथियाना था। ईडी ने दावा किया कि कोई भी चैरिटेबल काम जमीन पर नहीं हुआ और चंदा देने वालों को कांग्रेस में टिकट देना 'सिस्टमेटिक पैटर्न' जैसा लग रहा है।

जीरो निवेश: 2,000 करोड़ की मिल्कियत बनी

ईडी ने बताया है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के सभी शेयर सिर्फ 50 लाख रुपए में यंग इंडियन कंपनी को ट्रांसफर कर दिए गए। हैरानी की बात ये है कि ये 50 लाख रुपए भी यंग इंडियन ने खुद नहीं दिए, बल्कि ये रकम कोलकाता की एक कंपनी डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड ने दी थी। कंपनी ने बतौर लोन दिया। इसके बदले यंग इंडियन को एजेएल सभी संपत्तियां जिनमें दिल्ली, मुंबई, भोपाल और पटना जैसे शहरों में प्राइम लोकेशन की बिल्डिंग्स शामिल हैं का पूरा नियंत्रण मिल गया।

यंग इंडियन केवल नाम की संस्था, मकसद संपत्ति हथियाना

ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में अदालत को बताया कि यंग इंडियन को चैरिटी के नाम पर स्थापित किया गया था, लेकिन कभी कोई चैरिटेबल कार्य हुआ ही नहीं.। कोर्ट में एएसजी राजू ने कहा कि यंग इंडियन ने बिना एक भी रुपया निवेश किए एजेएल की करीब 2000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया। ईडी के अनुसार यह पूरी योजना एजेएल की संपत्तियों को हड़पने की साजिश थी और उसी के तहत यंग इंडियन का गठन किया गया था।

एजेएल को 50 लाख में खरीदा रकम 'डोटेक्स' कंपनी से मिली

ईडी ने यह भी दावा किया कि एजेएल को 50 लाख में खरीदा गया, जो रकम 'डोटेक्स' नामक कंपनी से मिली थी। यानी न तो यंग इंडियन ने खुद पैसा लगाया और न ही किसी चैरिटेबल काम की शुरुआत की।यंग इंडियन के जरिए राजनीतिक लाभ बांटे गए और जिन लोगों ने संस्था को दान दिया उन्हें चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिए गए। यह दिखावे की चैरिटी था।

सोनिया और राहुल का सीधा संबंध

ईडी ने इस डील को प्रत्यक्ष राजनीतिक नेतृत्व द्वारा नियंत्रित धोखाधड़ी बताया है। यंग इंडियन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस निदेशक रहे।

कांग्रेस ने खारिज किया दावा

पूरे ट्रांजैक्शन में एक पैसा भी कहीं स्थानांतरित नहीं हुआ

कांग्रेस की ओर से सीनियर नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि इस पूरे ट्रांजैक्शन में एक पैसा भी कहीं स्थानांतरित नहीं हुआ है।

खबर संक्षेप

प्रेमी-प्रेमिका ने ट्रेन से कटकर दी जान

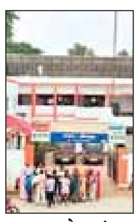

मिर्जापुर। जिले के जिगना थाना क्षेत्र के चडेरु चौकठा के पास डाउन लाइन रेल पटरी पर शुक्रवार की रात प्रेमी-प्रेमिका ने आत्महत्या कर लिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। प्रयागराज जनपद के मांडा थाना क्षेत्र के महेवाकला गांव निवासी शुभम सोनकर इसी थाना क्षेत्र के चकडीहा गांव निवासी अंजली देवी आपस में प्रेम करते थे।

पुरानी दिल्ली के सदर बाजार में भीषण आग

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के सदर बाजार में एक दुकान में भीषण आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार आग पर काबू पाने के लिए 10 से अधिक दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। आग की वजह और नुकसान का आकलन अभी नहीं हो सका है और कोई हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि लोगों को बाहर निकाला गया।

कांगड़ा में युवती से छेड़छाड़, 6 अरेस्ट

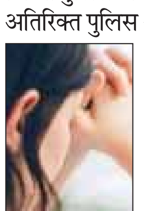

कांगड़ा। कांगड़ा की सुरक्षा का जिम्मा पुलिस अधीक्षक व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दोनों महिला अधिकारियों के कंधो पर पर है। लेकिन जिले की महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। कुछ असामाजिक तत्वों ने कांगड़ा बस अड्डे पर शुक्रवार रात युवती से छेड़छाड़ की और उसके बाद सरेआम अश्लील हरकतें की। पुलिस ने 6 सिरफिरों को गिरफ्तार किया है।

खाई में गिरी स्कूली बस सभी 15 छात्र सुरक्षित

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में शनिवार को समूर गांव के पास मुख्य सड़क पर एक बड़ा हादसा टल गया। एक स्कूल बस, जिसमें करीब 15 छात्र सवार थे, सड़क पर बने पुलिया के धंसने से खाई में जा गिरी। सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालकर अन्य वाहनों से उनके घर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में किसी भी बच्चे को चोट नहीं आई।

4 मंजिला इमारत गिरी 2 की मौत व 8 घायल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढहने से 2लोगों की मौत हो गई और एक वर्षीय बच्चे समेत 8लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मलबे में अब भी कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। इमारत के मालिक और उनकी पत्नी को मलबे से बाहर निकाला गया लेकिन उनकी मौत हो गई थी।

गृहमंत्री शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा के कार्यालय का किया उद्घाटन

एलडीएफ-यूडीएफ ने राज्य को बनाया राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए 'सुरक्षित' पनाहगाह

मजबूत दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत बनाना असंभव

एजेंसी ▸▸ तिरुवनंतपुरम

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में भाजपा की प्रदेश समिति के नए कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में एनडीए केरल में सरकार बनाने के लिए 2026 का केरल विधानसभा चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई अन्य राज्यों की तरह भाजपा तमिलनाडु में भी सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि अगर जनता केरल में बदलाव चाहती है तो एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) या यूडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) के बजाय बदलाव लाने के लिए राजग और भाजपा को वोट दें। शाह ने केरल में अपने विरोधियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि एलडीएफ, यूडीएफ सरकारों ने केरल को राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए पनाहगाह बना दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना विकसित भारत बनाना संभव नहीं है। केरल में भाजपा का मुख्यमंत्री बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण पार्टी कार्यालय को विकसित केरल का केंद्र बनाना है।

केरल सरकार पर जमकर साधा निशाना

'विकसित केरलम' मिशन का 'लोगो' 'मोटो' जारी किया

केरल में पार्टी के नए प्रदेश कमेटी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद शाह ने पुथरीकंदम मैदान में वार्ड स्तरीय नेतृत्व बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करने से पहले पार्टी के 'विकसित केरलम' मिशन का 'लोगो' और 'मोटो' भी जारी किया।

'मरारजी भवन' में पुष्पांजलि भी दी

शाह ने इस वर्ष होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले भाजपा की प्रदेश कमेटी के नए कार्यालय 'मरारजी भवन' का उद्घाटन किया। शाह ने भाजपा की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष केजी मरार की आवक्ष कांस्य प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

गृहमंत्री शाह का सीएम विजयन पर हमला

एलडीएफ सरकार भ्रष्ट, विकास के नाम पर यहां हो रहे घोटाले दर घोटाले

शाह ने सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केरल की एलडीएफ सरकार भ्रष्ट है। राज्य में खूब घोटाले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) और यूटडीएफ (यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) का ट्रैक रिकॉर्ड भ्रष्ट सरकार का रहा है। एलडीएफ ने विस्फोटक घोटाला, सहकारी बैंक घोटाला, एआई कैमरा घोटाला, लाइफ मिशन घोटाला, पीपीई किट घोटाला और भारत का सबसे बड़ा सोना तस्करी घोटाला किया।

यहां के विकास के लिए पीएम मोदी ने दिए 3 मंत्र

उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियां हैं, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक समारोहों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है।

'विकसित केरलम' से बनेगा विकसित भारत' का रास्ता

शाह ने कहा कि भाजपा के लिए सरकार में मुख्यमंत्री रखने से ज्यादा महत्वपूर्ण यह सुनिश्चित करना है कि यहां उसका राज्य कार्यालय विकसित केरलम का केंद्र बने। विकसित भारत' का रास्ता 'विकसित केरलम' से होकर ही जाता है। अब से भाजपा का मूल उद्देश्य विकसित केरलम होगा।

देश 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त होगा

शाह ने कहा कि भारत 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। आतंकवाद का जवाब पीएम मोदी और भाजपा के अलावा कोई नहीं दे सकता। हमने उरी हमले का जवाब सर्जिकल स्ट्राइक से, पुलवामा हमलों का जवाब एयर स्ट्राइक से, ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुस के मारा से दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने केरल के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा जारी धनराशि से कई गुना ज़्यादा धनराशि जारी की है। मैं भाजपा मुख्यालय के माध्यम से इसके बारे में हर विवरण सार्वजनिक रूप से जारी करूंगा।

केरल में स्कूल व्यवस्था पर उठे सवाल

एक समुदाय के लिए स्कूल का समय नहीं बदला जाएगा

राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी ने कहा

एजेंसी ▸▸ तिरुवनंतपुरम

केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को दोहराया कि किसी खास समुदाय के लिए स्कूल का समय नहीं बदला जा सकता क्योंकि सरकार को लाखों छात्रों के हितों का ध्यान रखना होता है। शिवनकुट्टी ने यह भी कहा कि स्कूल का समय 30 मिनट बढ़ाने का फैसला केरल हाईकोर्ट के निर्देशों के आधार पर लिया गया है और इसलिए, इससे आहत कोई भी व्यक्ति कानूनी उपाय अपना सकता है। उनकी यह प्रतिक्रिया कुछ मुस्लिम संगठनों द्वारा स्कूल के समय में बदलाव के बढ़ते विरोध के मद्देनजर आई है, जिनमें समस्त केरल जेम-इय्यातुल उलमा भी शामिल है, जो सुन्नी विद्वानों का एक प्रमुख संगठन है। मंत्री ने यह भी कहा कि मदरसा शिक्षा पर सरकार की ओर से कोई प्रतिबंध नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट किया कि उनके लिए स्कूल के समय में कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

सुन्नी विद्वान संघ बदवाल की मांग

संशोधन के पहले विचार विमर्श करना चाहिए

समस्त केरल जेम-इय्याथुल उलमा ने शनिवार को कहा कि स्कूल के संशोधित समय को लागू करने से पहले विचार-विमर्श किए जाने की आवश्यकता है। समस्त केरल जेम-इय्याथुल उलमा, केरल के सुन्नी मुसलमानों के बीच एक प्रमुख धार्मिक संगठन है और इसे आमतौर पर 'समस्ता'भी कहा जाता है। इसके सैयद जिफरी मुथुकोया थंगल ने कोझिकोड में पत्रकारों से कहा कि इस मुद्दे पर सरकार का प्रतिनिधित्व करने वालों की प्रतिक्रिया 'विनम्र होनी चाहिए न कि अड़ियल'। उन्होंने जवाब में दिया कि शिवनकुट्टी ने कहा है कि किसी विशेष समुदाय के लिए स्कूल के समय में बदलाव नहीं किया जा सकता। इस बीच थंगल ने कहा कि समस्ता ने सीएम पिनराई विजयन के समक्ष लिखित रूप में अपनी चिंताएं बताई थी।

हमारे समुदाय के मत से जीत रहे चुनाव

उन्होंने कहा कि यह एक बड़े समुदाय की जरूरत है। यही समुदाय चुनाव में मत देते हैं। सरकार को इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। थंगल ने यह भी सवाल उठाया कि क्या मदरसा कक्षाएं सोने के समय आयोजित की जाएंगी और कहा कि दिन में केवल 24 घंटे होते हैं। इस बीच, शिवनकुट्टी ने दोहराया कि केरल उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार स्कूल का समय 30 मिनट बढ़ा दिया गया है, दिन के पहले भाग में 15 मिनट और दूसरे भाग में 15 मिनट।

राधिका मर्डर में ताऊ का खुलासा

भाई, कन्या वध हो गया! मुझे फांसी दिलवाओ, हिरासत में

एजेंसी ▸▸ गुरुग्राम

यहां राधिका यादव हत्याकांड में गिरफ्तार पिता दीपक यादव से पुलिस हिरासत में पूछताछ की गई। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गुरुवार सुबह की इस खौफनाक वारदात के बाद से राधिका के परिवार सहित पूरा देश स्तब्ध है। इस वारदात के तुरंत बाद क्राइम सीन पर पहुंचे दीपक के बड़े भाई (राधिका के ताऊ) विजय यादव ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। यादव ने बताया कि जब उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी, तो वह दौड़कर ऊपर गए। वहां दीपक बैठा था, रोते हुए बोला -भाई, कन्या वध हो गया। विजय ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और उन्हें चेतावनी भी दी कि दीपक किसी भी पल खुद को नुकसान पहुंचा सकता है। दीपक ने अनुरोध किया है कि ऐसी चार्जशीट तैयार की जाए कि उसे फांसी मिले। मुझे डर था कि वो खुद को गोली नाम मार ले। इसमें प्रेम प्रसंग सामने आ रहा है।

सुकमा में 'नियद नेल्ला नार' का असर

एक करोड़ से ज्यादा के इनामी 23 नक्सलियों ने किया सरेंडर

एजेंसी ▸▸ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में 23 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने घुटने टेक दिए और आत्मसमर्पण किया। इन पर एक करोड़ से ज्यादा का इनाम था। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर क्षेत्र में बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। सरेंडर करने वाले 23 नक्सलियों में नौ महिला नक्सली शामिल थीं। नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति, 'नियद नेल्ला नार'(आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर और अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार पुलिस के बढ़ते प्रभाव से सरेंडर करने का फैसला किया। इन नक्सलियों पर कुल 1.18 करोड़ का इनाम था। सरेंडर करने वाले में लोकेश,रमेश, कवासी मासा, प्रवीण, नुप्पो गंगी , पुनेम देवे, परस्की पांडे ,माड़वी जोगा, नुप्पो लच्छु , पोड़ियाम सुखराम और दूधी भीमा शामिल हैं।

फ्लाइट में थे पिता, फर्स्ट ऑफिसर थी बेटी

टेक ऑफ से पहले का वीडियो वायरल

चेन्नई। गौरी धवलीकर ने विमान में सवार यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनके पिता इसी विमान में यात्रा कर रहे हैं। टेक ऑफ से पहले गौरी ने अपने पिता दीपक धवलीकर का आभार व्यक्त किया। गौरी ने कहा कि 'शुक्रिया! आपने मुझे अपने सपनों को साकार करने की शक्ति दी, आपने मुझे यह दुनिया दी। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी के अध्यक्ष और गोवा के पूर्व मंत्री दीपक धवलीकर की बेटी गौरी धवलीकर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दीपक चेन्नई से गोवा जा रहे थे, जिस इंडिगो में धवलीकर यात्रा कर रहे थे, उसकी फर्स्ट ऑफिसर उनकी बेटी थीं।

सीजेआई ने नालसार विधि विवि के दीक्षांत समारोह में कहा

भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

सीजेआई बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है। गवई ने कहा कि यह अनूठी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें अक्सर दशकों तक चलने वाले मुकदमे भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस गवई हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका प्रणाली की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। सीजेआई गवई ने कहा कि हालांकि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि हमारी न्याय प्रणाली में सुधार की सख्त जरूरत है, फिर भी मैं आशावादी हूं कि मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे।

सीजेआई गवई बोले- मैं आशावादी हूं मेरे साथी नागरिक चुनौतियों का सामना करेंगे

आने वाली पीढ़ी पर विश्वास जताया

सीजेआई ने भारतीय न्यायिक प्रणाली के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में आने वाली पीढ़ी पर विश्वास जताया और उन्हें अपने परिवारों पर आर्थिक बोझ डालने के बजाय छात्रवृत्ति पर विदेश में आगे की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दीक्षांत समारोह में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी,सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और तेलंगाना हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल ने भाग लिया।

कई मुकदमों पर काफी देरी देखी गई: उन्होंने कहा कि मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहां विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है। हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं समस्याओं को सुलझाने में मदद कर सकती हैं।

शक्तिशाली नहीं, ईमानदार को मेंटॉर बनाएं : उन्होंने पास होने वाले छात्रों से आग्रह किया कि वे ऐसे मार्गदर्शक चुनें जिनमें शक्ति नहीं, बल्कि ईमानदारी हो।

यह पेशा अकेलापन देने वाला

सीजेआई गवई ने कानूनी पेशे से जुड़ी मानसिक चुनौतियों, अकेलेपन और संरचनात्मक असमानताओं को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि यह पेशा अक्सर अकेलापन देने वाला और भावनात्मक रूप से थका देने वाला हो सकता है। काम के घंटे लंबे होते हैं। अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं। आप केवल सफल होने का नहीं, बल्कि सफल दिखने का भी दबाव महसूस करेंगे। कई लोग अपनी परेशानियां छिपाते हैं। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि ऐसा न करें।

कोलकाता में फिर रेप, मामले ने पकड़ा तूल

आईआईएम के बॉयज हॉस्टल में लड़की के साथ रेप, अरेस्ट

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आरोप लगा है एक सेकंड ईयर की लड़की के साथ बॉयज हॉस्टल में रेप किया गया। पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार भी किया है। पीड़िता ने बताया है कि काउंसलिंग सेशन के नाम पर उसे बॉयज हॉस्टल में बुलाया गया था। उसे कुछ चीज खाने की दी गई और पीने के लिए ड्रिंक भी मिली।वह बेहोश हो गई और जब होश में आई तो उसने खुद को हॉस्टल में पाया और उसे पता चला कि उसके साथ रेप हुआ है। आरोपी ने धमकी दी थी।

बेटी के साथ कुछ नहीं हुआ: पिता

इस मामले में पीड़िता के पिता ने कहा कि मेरी बेटी के साथ रेप या टॉर्चर जैसा कुछ नहीं हुआ। रात करीब 9:34 बजे उन्हें बेटी का कॉल आया था। लड़की ने बताया कि वह कार से गिर गई थी और कुछ देर तक बेहोश रही। उसने अपनी लोकेशन साझा नहीं की।

इसरो के मानव अंतरिक्ष मिशन की तैयारियां तेज, सिस्टम अलग-अलग चरणों और इंसान को सुरक्षित ले जाने की जरूरतों पर खरा उतरा

गगनयान की उड़ान के लिए इंजन तैयार, मिशन एबॉर्ट परीक्षण सफल

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरू

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि उसने गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके साथ ही इस सिस्टम के सभी जरूरी परीक्षण भी पूरे कर लिए गए हैं। शुक्रवार को इस सिस्टम का 350 सेकंड (करीब 6 मिनट) तक एक बड़ा परीक्षण किया गया। इसका मकसद यह देखना था कि अगर उड़ान के दौरान कोई गड़बड़ी हो जाए और मिशन को बीच में रोकना पड़े (जिसे 'मिशन एबॉर्ट' कहा जाता है), तो यह सिस्टम सही तरीके से काम करता है या नहीं।

यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के दौरान दिशा को नियंत्रित करना, जरूरत पड़ने पर रॉकेट की गति को धीमा करना और अगर कोई गड़बड़ी हो जाए तो मिशन को बीच में रोककर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाना है

प्रोपल्शन सिस्टम में दो इंजन लगे हुए

इस सिस्टम में दो खास तरह के इंजन काम करते हैं - लिक्विड एपोजी मोटर (एलएएम) रॉकेट को उसकी सही कक्षा में लाने और फिर धीरे-धीरे नीचे लाने में मदद करते हैं। रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम (आरसीएस) रॉकेट की दिशा को बहुत सटीक तरीके से नियंत्रित करता है। इसरो ने बताया कि एसएमपीएस को अच्छे से परखने के लिए एक मॉडल तैयार किया गया, जिसे सिस्टम डेमोंस्ट्रेशन मॉडल (एसडीएम) कहा जाता है। इस मॉडल में वह सभी हिस्से शामिल थे जो असली सिस्टम में भी होंगे - जैसे ईंधन टैंक से ईंधन भेजने वाला सिस्टम, हीलियम गैस का दबाव बनाए रखने वाला सिस्टम, उड़ान में काम करने वाले छोटे-छोटे इंजन (थ्रस्टर)।

4 घंटे तक चले परीक्षण

इस मॉडल पर इसरो ने 25 बार अलग-अलग तरह के परीक्षण किए - कुछ सामान्य हालातों में और कुछ मुश्किल हालातों में। ये सारे परीक्षण टेस्ट मिलाकर कुल 14,331 सेकंड (करीब 4 घंटे) तक चले। इनका मकसद यह देखना था कि यह सिस्टम गगनयान मिशन के अलग-अलग चरणों और इंसान को सुरक्षित ले जाने की जरूरतों पर खरा उतरता है या नहीं।

दो तरह के ईंधन से चलाया

प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन सामान्य रहा

इसरो ने कहा कि हॉट परीक्षण के दौरान प्रोपल्शन सिस्टम का प्रदर्शन पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। गगनयान के सर्विस मॉड्यूल में एक खास सिस्टम लगाया गया है जो दो तरह के ईंधन से चलता है। यह सिस्टम उस हिस्से को मदद करता है जो इंसानों को लेकर अंतरिक्ष में जाएगा। इसका काम रॉकेट को सही कक्षा (ऑर्बिट) में पहुंचाना, उड़ान के दौरान दिशा को नियंत्रित करना है।

कल लौटेंगे शुभांशु शुक्ला व अन्य यात्री

एक्सिओम स्पेस ने घोषणा की है कि उनकी मिशन की टीम 14 जुलाई 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे से पहले अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन से अलग होगी। इस मिशन में शामिल भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भी पृथ्वी पर वापस लौटेंगे, जो भारत के लिए गर्व का क्षण है। घर वापसी से पहले मिशन के सदस्यों ने पार्टी की। ऐपेटाइजर के लिए, सदस्यों ने रीहाइड्रेटेड श्रिम्प कॉकटेल और क्रैकर्स बनाए। मुख्य भोजन में चिकन और बीफ़ फजीटा शामिल थे। मीठी ब्रेड, कंडेंस्ड मिल्क और अखरोट से बने स्वादिष्ट केक के साथ रात का समापन किया।

खबर संक्षेप

मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म की फ्रांस में जांच शुरू

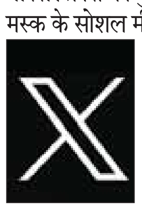

पेरिस। फ्रांस की पुलिस ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। यह जांच डाटा से कथित छेड़छाड़ और धोखाधड़ी के आरोप में की जा रही है। पेरिस अभियोजक कार्यालय ने शुक्रवार को जांच शुरू करने की घोषणा की। कार्यालय ने बताया कि इस जांच को एक खास शाखा- फ्रांसीसी जेंडरमेरी कर रही है। जांच स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम के कामकाज के साथ संगठित छेड़छाड़ और स्वचालित डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम से संगठित धोखाधड़ी करके डाटा चोरी करने को लेकर की जा रही है।

जनता बैंक घोटाला में पूर्व चेयरमैन गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की सबसे बड़ी वाणिज्यिक बैंक जनता बैंक के पूर्व चेयरमैन और मशहूर अर्थशास्त्री अबुल बरकत को ढाका पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात गिरफ्तार कर लिया। उन पर लगभग 297 करोड़ टका (करीब 24.4 मिलियन डॉलर) के कर्ज घोटाले में शामिल होने का आरोप है। यह मामला एंटी करप्शन कमीशन ने 20 फरवरी को दर्ज किया था, जिसमें बरकत सहित 23 लोगों को नामजद किया गया है। उन्होंने और पूर्व बांग्लादेश बैंक

अगले हफ्ते चीन के आधिकारिक दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री एस. जयशंकर

संबंधों को सामान्य बनाने के साथ दुर्लभ धातुओं की रोक पर होगी चर्चा

एससीओ के विदेश मंत्रियों की परिषद की 15 जुलाई की बैठक में लेंगे भाग

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 2020 के सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों के अत्यधिक तनावपूर्ण होने के बाद, जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा होगी। पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और एनएसए अजीत डोभाल भी चीन की यात्रा पर जा चुके हैं। जयशंकर की यात्रा को दोनों देशों के बीच सामान्य संबंध बहाल करने की दिशा में एक और कदम माना जा रहा है

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अगले सप्ताह तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने यहां शनिवार को यह जानकारी दी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि एससीओ के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक 15 जुलाई को तियानजिन में होगी।

बयान में कहा गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर, एससीओ के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्री और संगठन के स्थायी निकायों के प्रमुख बैठक में भाग लेंगे।

मंत्री विभिन्न क्षेत्रों में एससीओ सहयोग और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एससीओ बैठक में भाग लेने के अलावा जयशंकर चीन की आधिकारिक यात्रा पर भी रहेंगे।

विभिन्न क्षेत्रों में एससीओ देश आपसी सहयोग सहित कई मुद्दों पर करेंगे चर्चा

फाइल फोटो

वर्तमान में चीन एससीओ का अध्यक्ष

चीन वर्तमान में एससीओ का अध्यक्ष है और इसी हैसियत से वह इस समूह की बैठकों की मेजबानी कर रहा है। चीनी रक्षा मंत्री जनरल डोंग जुन के साथ अपनी वार्ता के दौरान सिंह ने 26 जून को प्रस्ताव दिया था कि भारत और चीन को एक रोडमैप के तहत जटिल मुद्दों को हल करना चाहिए, जिसमें सीमाओं पर तनाव कम करने और सीमांकन के लिए मौजूदा तंत्र को फिर से सुचारु करने के लिए कदम उठाना शामिल हैं।

एससीओ में 10 सदस्य देश शामिल

एससीओ में 10 सदस्य देश चीन, रूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं। जयशंकर की चीन यात्रा के दौरान, भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया, ऑटोमोबाइल सहित कई उत्पादों के निर्माण के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर चीनी रोक और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

वांग भी इसी माह आएंगे

ऐसा माना जा रहा है कि वांग इस महीने सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधि (एसआर) स्तरीय वार्ता के तहत एनएसए डोभाल के साथ बातचीत के एक नए दौर के लिए भारत भी आ सकते हैं। वांग और डोभाल दोनों ही सीमा तंत्र के नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। दोनों देशों ने 3,488 किलोमीटर लंबे जटिल सीमा विवाद को सुलझाने के लिए विशेष प्रतिनिधि तंत्र के तहत 23 दौर की वार्ता की है, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। रक्षा मंत्री सिंह पिछले महीने एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी शहर चिंगदाओ गए थे।

चीनी विदेश मंत्री से भी मिलेंगे

जयशंकर 13 जुलाई को बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मिलेंगे। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 के सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों के अत्यधिक तनावपूर्ण होने के बाद, जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा होगी। उनसे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल भी चीन की यात्रा पर जा चुके हैं। जयशंकर की यात्रा को दोनों देशों के बीच सामान्य संबंध बहाल करने की दिशा में एक और कदम माना जा रहा है।

भारत-इंडोनेशिया सैन्य वार्ता संपन्न

क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए दोहराई प्रतिबद्धता

एजेंसी ▶▶ बाली

भारत और इंडोनेशिया के बीच बाली में सैन्य स्तर की 11वीं वार्ता संपन्न हुई। यह 8 से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित हुई थी। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मजबूत साझेदारी पर जोर दिया। भारतीय सेना के जनसंपर्क निदेशालय ने बताया कि दोनों देशों की सेनाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यासों, मनोवैज्ञानिक अभियानों और जंगल व पहाड़ों में युद्ध प्रशिक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की।

इस साल की शुरुआत में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो ने भारत का दौरा किया था और 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इस दौरान रक्षा सहयोग के क्षेत्र में कई अहम फैसले लिए गए थे।

रक्षा उद्योग में बढ़ाएंगे सहयोग

रक्षा सहयोग में भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्त जैसी द्विवार्षिक गतिविधियां, सैन्य अभ्यास 'गरुड़ शक्ति', नौसेना अभ्यास 'समुद्र शक्ति' और 'मिलन', 'कोमोडो', 'तरंग शक्ति', 'सुपर गरुड़ शील्ड' जैसे बहुपक्षीय अभ्यास शामिल हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो ने भारत के साथ घरेलू रक्षा निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में सहयोग की इच्छा भी जताई थी। भारत ने इंडोनेशिया के रक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में सहायता देने के लिए अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने पर सहमति जताई थी। दोनों देशों ने रक्षा उद्योग में सहयोग को बढ़ाने के लिए संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) का उपयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने की भी बात हुई, ताकि समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कई उच्च स्तरीय मुलाकातें हुई

हाल के महीनों में भारत-इंडोनेशिया के बीच कई उच्च स्तरीय मुलाकातें हुई हैं। मलेशिया में आयोजित आसियान के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत के विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो से भेंट की थी। ब्रिक्स में शामिल होने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का स्वागत किया। जून में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन में इंडोनेशिया के चुनाव आयोग के प्रमुख से मुलाकत की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने भी इंडोनेशिया में कई अहम बैठकें कीं, जिनमें वहां के उप विदेश मंत्री से मुलाकात शामिल थी।

मराठों की समृद्ध विरासत को दुनिया ने सराहा

यूनेस्को की सूची में शामिल हुए 'मराठा मिलिट्री लैंडस्केप्स' किले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति (डब्ल्यूएचसी) ने पेरिस में आयोजित अपने 47वें सत्र में शुक्रवार को भारत के 12 किलों को प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया, जो मराठा शासकों द्वारा परिकल्पित असाधारण किलेबंदी और सैन्य प्रणाली का प्रतिनिधित्व करते हैं। मराठा शासकों के किले और दुर्ग के समूह को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की चुनौतियों से निपटने में कई पन्नों के दस्तावेज, एक कॉफी-टेबल बुक और उत्साही अभियान ने अहम भूमिका निभाई।

20 देशों के सामने रखा पक्ष

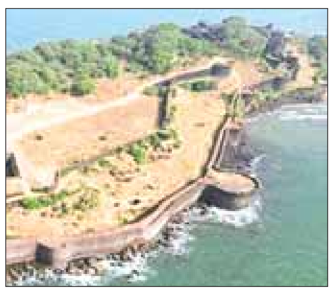

शर्मा ने बताया कि पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल परिषद (आईसीओएमओएस) पहले नहीं चाहती थी कि इसे सूची में शामिल किया जाए। हमने 20 देशों के सदस्यों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में, उन्हें इसकी तकनीकी बातें समझाईं। हमने अपना पक्ष रखा और हम मामला जीत गए।

12 किले एवं दुर्ग को यह दर्जा दिया गया

मराठा शासकों के 12 किले एवं दुर्ग को यह दर्जा दिया गया, जिनमें महाराष्ट्र में साल्हेर किला, शिवनेरी किला, लोहगढ़, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, स्वर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजय दुर्ग और सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु में जिंजी किला शामिल हैं जो 17वीं और 19वीं शताब्दी के बीच के हैं।

म्यांमार में बौद्ध मठ पर बमबारी

4 बच्चों समेत 23 की मौत, 30 घायल, 10 की हालात गंभीर

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

म्यांमार के सागाइंग कस्बे के लिन ता लू गांव स्थित एक बौद्ध मठ पर गुरुवार की रात जमकर हवाई हमले किए गए। मठ परिसर में शरण लिए 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक इमारत पर रात 1 बजे बम गिराया गया, जहां 4 बच्चों समेत 23 लोग मारे गए। क्षेत्र में लड़ाई से बचने के लिए आसपास के गांवों के 150 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी। म्यांमार की स्वतंत्र डेमोक्रेटिक

वॉयस ऑफ बर्मा ने बताया, मृतक संख्या 30 तक हो सकती है। सेना ने घटना पर टिप्पणी नहीं की है। दरअसल, फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और गृह युद्ध शुरू होने के बाद से म्यांमार उथल-पुथल में है।

मेक्सिको और यूरोपीय संघ पर फूटा यूएस राष्ट्रपति ट्रंप का टैरिफ बम

30 प्रतिशत टैक्स लगाने का किया ऐलान, 1 अगस्त से हो जाएगा लागू

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मेक्सिको और यूरोपीय संघ पर अपना टैरिफ बम फोड़ दिया है। ट्रंप ने मेक्सिको और यूरोपीय संघ के लिए नए टैरिफ को लेकर पत्र जारी किया है। उन्होंने घोषणा की है कि अगले महीने की शुरुआत से यानी 1 अगस्त से मेक्सिको और यूरोपीय संघ से इंपोर्ट होने वाले सभी सामानों पर अमेरिका में 30 प्रतिशत टैरिफ लागू किया जाएगा जो अन्य सभी सेक्टोरल टैरिफ से अलग होगा।

मेक्सिको ने पर्याप्त मदद नहीं की

डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको के राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्डो को भेजे गए पत्र में लिखा कि मेक्सिको ने अमेरिका में अवैध प्रवासियों और 'फेंटेनाइल' के प्रवाह को रोकने में मदद की है। हालांकि, मेक्सिको ने उत्तरी अमेरिका को 'नार्को-तस्करी के मैदान' में बदलने से रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। ट्रंप ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन को भेजे पत्र में लिखा कि जो सामान उच्च दरों पर बचने के लिए ट्रांसशिप की जाएगी, उन पर उतना ही उच्च टैरिफ लागू किया जाएगा।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर लगाया बैन

अमेरिका ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, रक्षा मंत्री आल्वारो लोपेज मिएरा और गृह मंत्री लाजारो अल्वारेज कासास पर मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप में प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने इन नेताओं की वीजा तक पहुंच भी सीमित कर दी है। यह कदम जुलाई 2021 में हुए क्यूबा के बड़े विरोध प्रदर्शनों की वर्षगांठ पर उठाया गया है।

कपिल शर्मा को खालिस्तानी आतंकी पन्नू की धमकी

कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं खून की कमाई हिन्दुस्तान ले जाओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर फायरिंग के मामले में कनाडा पुलिस जांच कर रही है। शुरुआती जांच में खालिस्तानी समर्थक के शामिल होने की आशंका जताई गई है। इस बीच खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने धमकी भरा वीडियो जारी किया है। पन्नू ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं है। अपनी खून की कमाई वापस हिन्दुस्तान ले जाओ। उसने कपिल शर्मा पर हिन्दुत्व विचारधारा फैलाने का आरोप लगाया। पन्नू ने कहा कि कनाडा इस तरह की सोच को अपने देश में बढ़ने नहीं देगा। उसने पूछा कि क्या कैपस कैफे कॉमेडी का अड्डा है या हिन्दुत्व फैलाने की साजिश का हिस्सा? बता दें, कपिल शर्मा ने 4 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में अपना कैफे खोला था।

- कपिल पर हिन्दुत्व विचारधारा फैलाने का आरोप

एनसीए, सीबीआई और एफबीआई का संयुक्त अभियान

वायरस या हैकिंग ठीक करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट का कर्मचारी बताते थे

नोएडा के फ्रॉड कॉल सेंटर से ठगी करने के मामले में दो गिरफ्तार

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट ने दी थी संदिग्ध गतिविधि की सूचना, ब्रिटेन की जांच एजेंसी ने सीबीआई के प्रयासों की सराहना की

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) ने भारत की केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) और अमेरिका की एफबीआई (एफबीआई) के साथ मिलकर नोएडा में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। इस कॉल सेंटर से ब्रिटेन और अमेरिका के लोगों को निशाना बनाकर लाखों पाउंड की ठगी की गई थी। इस अंतरराष्ट्रीय जांच की शुरुआत पिछले साल हुई थी जब माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका में अपने तकनीकी विशेषज्ञों के जरिए एक संदिग्ध गतिविधि की जानकारी दी। यह जानकारी अमेरिका में मौजूद एनसीए के इंटरनेशनल ऑफिसर्स को मिली, जिन्होंने इसे ब्रिटेन की एक्शन फ्रॉड रिपोर्ट्स से मिलाया। इसके बाद सीबीआई, एनसीए और एफबीआई के बीच आपसी सूचनाओं का आदान-प्रदान हुआ, जिससे जांच को आगे बढ़ाया गया।

100 से अधिक लोगों को धोखा दिया

सीबीआई की त्वरित कार्रवाई के बाद दो लोगों को नोएडा से गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि इस गैंग ने ब्रिटेन में 100 से अधिक लोगों को धोखा दिया था। उनसे कहा गया कि उनके कंप्यूटर में वायरस या हैकिंग हो गई है, जिसे ठीक करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारी उनसे शुल्क मांगते थे। असल में ये लोग माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े नहीं थे बल्कि ठग थे।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग से मिली सफलता

एनसीए के डिप्टी डायरेक्टर निक शार्प ने कहा कि यह सफलता इस बात को साबित करती है कि जब दुनिया की एजेंसियां और निजी कंपनियां मिलकर काम करती हैं, तो हम कहीं भी बैठे अपराधियों तक पहुंच सकते हैं। वहीं माइक्रोसॉफ्ट के डिजिटल क्राइम्स यूनिट के कानूनी सलाहकार स्टीवन मसादा ने कहा कि तकनीकी फ्रॉड को रोकने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्रों का मिलकर काम करना जरूरी है। तभी हम ऐसे रैकेट को खत्म कर सकते हैं। इस मामले में ब्रिटेन के फ्रॉड मामलों के मंत्री लॉर्ड डेविड हैंसन ने कहा, फ्रॉड एक वैश्विक समस्या है।

ब्रिटेन में 3.9 लाख पाउंड की ठगी

केवल ब्रिटेन में इस गिरोह ने अब तक करीब 3.9 लाख पाउंड (लगभग 4 करोड़ रुपए) की ठगी की है। ठगों ने फर्जी स्क्रीन पॉप-अप और कॉल्स के जरिए लोगों को डराया और फिर उनसे पैसे वसूले। ठगों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए स्पूफ्ड कॉल्स, इंटरनेट टेलीफोन (वीओआईपी), और कई देशों के सर्वरों का इस्तेमाल किया।

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- SIP पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रेच्युटी

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रेच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 2.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोटः यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%
- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वारली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

काम की बात कोई भी कर्ज लेने से पहले ब्याज दर, शुल्क, शर्तें और इससे जुड़ी शर्तों का पता करें, ताकि बाद में आपको कोई नुकसान नहीं उठाना पड़े

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

पेमेंट एप से पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। ये ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

लोन लेने की प्रक्रिया और सुविधा गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना बेहद आसान है। यह ऐप कई बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ साझेदारी करता है, जैसे कि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और अन्य एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां)।

यह करना होगा यूजर को

यूजर को गूगल पे ऐप पर लोन सेक्शन में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से लोन राशि और अवधि चुननी होती है। आमतौर पर, लोन की मंजूरी कुछ ही मिनटों में मिल जाती है, बशर्ते आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा हो और डॉक्यूमेंट्स पूरे हों। अभी गूगल पे 10,000 रुपये से लेकर 8 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन ऑफर करता है, जिसकी ब्याज दरें 10.99% से शुरू होकर 36% तक जा सकती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल है, यानी आपको बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लोन की राशि सीधे आपके बैंक खाते में ट्रांसफर हो जाती है, जो इसे तेज और सुविधाजनक बनाता है।

गूगल पे से लोन के नुकसान व जोखिम

हालांकि गूगल पे के जरिए लोन लेना आसान है, लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा जोखिम है ऊंची ब्याज दरें। न्यूज वेबसाइट मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई एनबीएफसी जो गूगल पे के साथ साझेदारी करते हैं, वे अन्य बैंकों की तुलना में ज्यादा ब्याज वसूलते हैं, खासकर अगर आपका क्रेडिट स्कोर कम है। इसके अलावा, लोन की अवधि छोटी होने पर मासिक किस्त (ईएमआई) ज्यादा हो सकती है, जो आपके मासिक बजट पर दबाव डाल सकती है।

गूगल पे एक प्लेफार्म

एक और बात ध्यान देने वाली है कि गूगल पे खुद लोन नहीं देता, बल्कि वह एक प्लेटफॉर्म है जो आपको लेंडर्स से जोड़ता है। इसलिए, लोन के नियम और शर्तें उस वित्तीय संस्थान पर निर्भर करती हैं, जिसके साथ आप लोन ले रहे हैं। अगर आप नियम और शर्तें ठीक से नहीं पढ़ते, तो बाद में परेशानी हो सकती है।

छिपी हुई लागत और सावधानियां

गूगल पे के जरिए लोन लेते समय कुछ छिपी लागतें भी हो सकती हैं, जिन्हें अक्सर लोग अनदेखा कर देते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोन ऑफर में प्रोसेसिंग फीस, समय से पहले भुगतान का शुल्क (प्री-पेमेंट चार्ज), और देर से भुगतान की पेनल्टी शामिल हो सकती है।

क्या है गूगल पे

गूगल पे एक डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो गूगल द्वारा विकसित किया गया है। यह उपयोगकर्ताओं को अपने मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

पेमेंट एप की विशेषताएं

- डिजिटल पेमेंट : गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- मोबाइल पेमेंट : गूगल पे मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके पेमेंट करने की अनुमति देता है।
- कॉन्टैक्टलेस पेमेंट : गूगल पे कॉन्टैक्टलेस पेमेंट की अनुमति देता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने मोबाइल डिवाइस को पेमेंट टर्मिनल के पास रखकर पेमेंट कर सकते हैं।
- सुरक्षा : गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं, जैसे कि टोकनाइजेशन और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।

पेमेंट एप के लाभ

- सुविधाः गूगल पे उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की सुविधा प्रदान करता है।
- सुरक्षाः गूगल पे में कई सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उपयोगकर्ताओं के वित्तीय डेटा को सुरक्षित रखती हैं।
- गतिः गूगल पे पेमेंट प्रक्रिया को तेज और आसान बनाता है।
- व्यापक स्वीकृतिः गूगल पे को कई ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट्स द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- गूगल पे एक सुविधाजनक और सुरक्षित डिजिटल पेमेंट प्लेटफ़ॉर्म है जो उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पेमेंट करने की अनुमति देता है।

सरफराज व अजहर के कमरों से बरामद हुए अवैध हथियार, संपत्तियों और स्कूल से जुड़े दस्तावेजों से खुल सकते हैं कई राज

घर से दो पिस्टल, तीन कारतूस और संदिग्ध दस्तावेज जब्त

डिमांड पर मिली रिमांड में कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रही पुलिस

हरिभूमि, जबलपुर।

अपराध जगत का चर्चित नाम अब्दुल रज्जाक उर्फ पहलवान के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज होती जा रही है। सिवनी जिले के पेंच से पकड़े गए गैंग के चार प्रमुख सदस्यों बेटा सरफराज, भाई मोहम्मद महमूद, भतीजा अजहर और गुर्गा सज्जाद की निशानदेही पर शनिवार को ओमती पुलिस ने नया मोहल्ला रिपटा स्थित रज्जाक के घर में दबिश दी। घर पर छापेमारी के दौरान बेटे सरफराज और अजहर के कमरों से दो पिस्टल और तीन कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा घर से कई संपत्तियों के दस्तावेज, संदिग्ध अभिलेख, और आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी सामग्री भी पुलिस के हाथ लगी है।

ताला तोड़कर हुई सर्चिंग

जब पुलिस दल आरोपियों को लेकर घर पहुंचा, तो वहां ताला बंद मिला। पंचनामा बनाकर ताला तुड़वाया गया और फिर घर की गहन तलाशी शुरू हुई। पूरे ऑपरेशन में किसी भी तरह की जानकारी पहले से लीक न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

स्कूल के लिए ईओडब्ल्यू से संपर्क

तलाशी में खजरी खिरिया स्थित एक निजी स्कूल से जुड़े फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं, जिसकी मान्यता पूर्व में निरस्त की जा चुकी है। स्कूल संचालन से जुड़े मामलों में भी एफआईआर दर्ज है। पुलिस अब इन दस्तावेजों को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंपकर जांच को आगे बढ़ा सकती है। पुलिस को उम्मीद है कि रज्जाक गैंग की आर्थिक और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े कई और राज जल्द उजागर होंगे।

अब रडार में गुर्गो समेत पनाहगार

सिवनी से गिरफ्तार हुए भाई-भतीजे और गुर्गे और जबलपुर से दबोचा गया बेटा सरफराज ने अब तक कहां-कहां फरारी काटी डिमांड पर मिली रिमांड में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान आरोपियों को किन-किन लोगों ने मदद की उन पनाहगारों की सूची भी बनाई जा रही है। वहीं रज्जाक गैंग के लिए कार्य करने वाले गुर्गे शहर छोड़कर भाग गए है। पुलिस उनकी भी तलाश में छापेमारी कर रही है।

मर्सिडीज लेकर भागा था अब्बास

वहीं सिवनी रेड के दौरान निकाह में शामिल होने के लिए रज्जाक का रिश्तेदार अब्बास भी था। लेकिन उसको पुलिस कार्रवाई की भनक पहले ही लग गई थी इसलिए वह अपनी मर्सिडीज लेकर वहां से फरार हो गया। निकाह में शामिल हुए सूत्रों के मुताबिक अब्बास जिस कार में भागा वह सफेद रंग की थी और उसमें करीब डेढ़ करोड़ रुपये भी रखे थे।

दूध के धंधे से बना गैंगस्टर

दूध के धंधे से अपराध की दुनिया का बेताज बादशाह बना अब्दुल रज्जाक उर्फ पहलवान 1959 में नरसिंहपुर के करेली से जबलपुर आया था। शुरुआत दूध बेचने से हुई, लेकिन जल्द ही रज्जाक ने टोल टैक्स के ठेके लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक संपर्क बनाए। यहीं से उसका जुड़ाव संगठित अपराध से हुआ। धीरे-धीरे वह रंगदारी, अपहरण, हत्या के प्रयास, डकैती, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी जैसे संगीन अपराधों में लिप्त हो गया। रज्जाक पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। रज्जाक का गिरोह पारिवारिक मॉडल पर चलता है, जिसमें उसका बेटा सरफराज और सरताज, भाई मोहम्मद महमूद, भतीजा अजहर और गुर्गा मोहम्मद सज्जाद जैसे विश्वसनीय लोग शामिल हैं। ये लोग जबलपुर, कटनी और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों में सक्रिय रहे। फिलहाल रज्जाक भोपाल की जेल में बंद है, लेकिन उसका गैंग अब भी परिवार और गुर्गों के माध्यम से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा हैं।

रिमांड में पूछताछ जारी है

आरोपियों की निशानदेही पर उनके घरों की सर्चिंग की गई है। जिसमें दो पिस्टल, तीन कारतूस समेत कुछ अहम दस्तावेज हाथ लगे है। जिनकी तस्दीक कराई जा रही है। रिमांड में पूछताछ जारी है जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

-संपत उपाध्याय, एसपी

सिहोरा पुलिस ने 11 सिलेंडर, रिफिलिंग मशीन और बैटरी की जब्त

घरेलू गैस सिलेंडर से कर रहा आटो में रिफिलिंग

हरिभूमि, जबलपुर।

सिहोरा थाना क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रूप से ऑटो में रिफिलिंग करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 11 घरेलू गैस सिलेंडर, गैस रिफिलिंग मशीन, पाइप, रेगुलेटर और बैटरी जब्त की गई है। टीआई विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गौरी तिराहा स्थित जनता गैरिज में दबिश दी गई, जहां आरोपी 28 वर्षीय शैफ अली उर्फ गोलू निवासी वार्ड क्रमांक 4, आजाद चौक, सिहोरा को अवैध गैस रिफिलिंग करते पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 287 बीएनएस एवं 3/7 ईसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में एसआई केपी पांडे, प्रधान आरक्षक मुकेश राजपूत, आरक्षक विक्रम पटेल, अवधेश कुशवाह और राजेश यादव की उल्लेखनीय भूमिका रही।

ट्रक की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत कंदराखेड़ा भारत पेट्रोल पंप के सामने एक ट्रक से एक बाईक टकरा गई, जिससे बाईक में सवार एक युवक की मौत हो गई वहीं दूसरा घायल है। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार परियट निवासी 22 वर्षीय मनीष वंशकार उर्फ भूरा गत दिवस अपने दोस्त परियट बरा मोहल्ला निवासी 25 वर्षीय अभिषेक कुशवाहा के साथ बाईक क्रमांक एमपी 20 केजे 2560 से अपने घर जा रहे थे। बाईक अभिषेक चला रहा था। रात लगभग 9.30 बजे कंदराखेड़ा भारत पेट्रोलपंप के सामने पहुंचे तभी ट्रक क्रमांक यूपी 64 टी 6340 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये दाहिने तरफ मोड़ा, जिससे अभिषेक की मोटर सायकल ट्रक से टकरा गयी और दोनों बाईक सहित नीचे गिर गए जिससे दोनों के सिर में चोटें आ गई। 108 एम्बुलेंस से अभिषेक कुशवाहा को उपचार हेतु सीएचसी पनागर लेकर आये जहां डाक्टर ने चैक कर अभिषेक कुशवाहा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(1), 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अपैक्स बैंक प्रत्येक अभ्यर्थी के अंकों का खुलासा करे : हाई कोर्ट

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश राज्य सहकारी बैंक मार्यादित, भोपाल यानि अपैक्स बैंक को निर्देश दिया है कि लिखित परीक्षा में शामिल प्रत्येक अभ्यर्थी के अंकों का खुलासा करें, चाहे उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया गया हो या नहीं। साथ ही साक्षात्कार में उपस्थित अभ्यर्थियों द्वारा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अलग-अलग अंकों का भी खुलासा करें। इसके अलावा लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के उनके कुल अंकों का भी खुलासा करें। यह प्रक्रिया अंतिम चयन सूची जारी करते समय सम्पन्न की जाए। अंतिम चयन सूची का खुलासा किए जाने पर आपत्ति का बिंदु पाए जाने पर याचिकाकर्ता को उसे चुनौती देने स्वतंत्र होगी। कोर्ट ने इस निर्देश के साथ याचिका का निराकरण कर दिया।

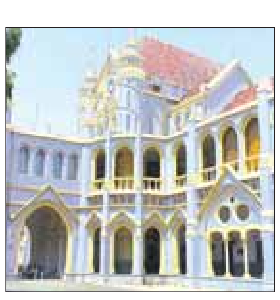

याचिकाकर्ता भोपाल निवरसी प्राची मिश्रा की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि अपैक्स बैंक द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती के संबंध में परीक्षा आयोजित की गई। लेकिन विज्ञापन की शर्तों का पालन नहीं किया। नियमानुसार अपेक्स बैंक को मौखिक परीक्षा के पूर्व लिखित परीक्षा में शामिल सभी उम्मीदवारों के अंकों का खुलासा करना अनिवार्य था और उसका रिजल्ट जारी करना था, जो नही किया गया। अपेक्स बैंक को रिजल्ट जारी करने के पश्चात ही मौखिक साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों को बुलाना था। लेकिन ऐसा न करते हुए मनमानी की गई। इसीलिए भर्ती परीक्षा में शामिल याचिकाकर्ता द्वारा हाई कोर्ट की शरण ली गई।

राज्य की प्रशासनिक भूलों की कीमत सेवानिवृत्त कर्मी से नहीं वसूल सकते

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने अपनी तल्ख टिप्पणी में कहा कि राज्य की प्रशासनिक भूलों की कीमत सेवानिवृत्त कर्मी से नहीं वसूल सकते। जब किसी पेंशनभोगी की मंशा, छल या दुराव छिपे न हो, तो प्रशासनिक त्रुटिवश प्रदत्त धनराशि की वसूली सेवानिवृत्ति के पश्चात न्यायसंगत नहीं है। इसी के साथ पेंशनभोगी से वसूली का आदेश निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी सेवानिवृत्त पुलिस उप निरीक्षक सीएम शुक्ला की ओर से अधिवक्ता असीम त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, विनीत टेहेनगुरिया व शुभम पाटकर ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता को सेवानिवृत्ति के उपरांत वसूली नोटिस थमाया गया। इसके अंतर्गत दो लाख 12 हजार 854 रुपये की वसूली निकाल दी गई। राज्य का तर्क यह था कि यह राशि द्वितीय समयबद्ध वित्तीय उन्नयन (एसीपी) के रूप में एक अप्रैल, 2006 से त्रुटिवश प्रदान की गई थी। इसके जवाब में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि यह भुगतान प्रशासनिक भूल थी, जिसमें उसकी की ओर से न कोई छल था, न ही कोई मिथ्या विवरण दिया गया था और न ही उक्त लाभ देने के पूर्व इस आशय का कोई प्रतिज्ञापत्र निष्पादित किया गया था कि गलत भुगतान पर लाभ वापिस किए जाएंगे। हाई कोर्ट ने सभी तर्क सुनने के बाद याचिकाकर्ता के हक में आदेश पारित कर दिया।

गौरघाट पुलिस ने बरामद किए 310 पाव, 8 हजार 500 नगद

अवैध शराब के साथ कुख्यात तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। गौरघाट पुलिस ने अवैध शराब कारोबार में लिप्त कुख्यात आरोपी उमेश पटेल और उसके साथी सुरेन्द्र ठाकुर को रंगे हाथ गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से 310 पाव देशी शराब कीमत 30 हजार और बिक्री की रकम आठ हजार 500 नगद जब्त की गई। टीआई सुभाष चंद्र बघेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर पुरानी बस्ती में दबिश दी गई। दोनों आरोपी शराब से भरी बोरियों के साथ सड़क पर खड़े मिले। पकड़े गए उमेश पटेल के खिलाफ पूर्व में आबकारी एक्ट के 45 मामले दर्ज हैं, जबकि सुरेन्द्र ठाकुर पर भी मारपीट व शराब से जुड़े छह अपराध हैं। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक हरक बहादुर थापा, आरक्षक गोपेश और संदीप पांडे की सक्रिय भूमिका रही।

मड़ई मस्जिद मामले में प्रशासन ने की स्थिति साफ

जबलपुर। एसडीएम रांझी आर एस मरावी ने जानकारी दी है कि कतिपय व्यक्तियों द्वारा तहसील रांझी, ग्राम मड़ई स्थित मस्जिद को हटाने के लिए 14 जुलाई को महाआंदोलन किए जाने का प्रचार-प्रसार विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किया जा रहा है। साथ ही कहा है कि जबलपुर तहसील रांझी स्थित ग्राम मड़ई में स्थित मस्जिद पर मस्जिद कमेटी द्वारा प्रथम तल किए जा रहे अतिरिक्त निर्माण कार्य कि संबंध में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद द्वारा शिकायत की गई थी कि मस्जिद का निर्माण गायत्री बाल मंदिर संस्था की भूमि पर किया गया है, अतः विधिवत सीमांकन कर मस्जिद का निर्माण हटाया जाए।

शिकायत के संदर्भ में प्रकरण में मौका एवं राजस्व अभिलेखों की जांच तथा विस्तृत सीमांकन के आधार पर वस्तुस्तिथि के संबंध में उन्होंने कहा कि उक्त मस्जिद का निर्माण वर्ष 1985 में किया गया है। इस प्रकार उक्त मस्जिद, मंदिर को मस्जिद में परिवर्तित करने संबंधी किसी ऐतिहासिक विवाद से संबंधित नहीं है। विवाद की शुरुआत मस्जिद में प्रथम तल पर अतिरिक्त निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की वजह से हुई। बंदोबस्त वर्ष 1990-91 के पूर्व मूल खसरा नंबर 326 था, जिसके कुल 8 बटांक थे। 2 बटांक 326/6 रकवा 0.008 हे. एवं 326/7 रकवा 0.014 हे. सैफुद्दीन के नाम दर्ज था। बंदोबस्त के समय वर्ष 1990 में उक्त भूमि पर मौके पर मस्जिद निर्मित थी, लेकिन तत्समय नक़्शे में बटांकन नहीं हुआ था। एक बटांक ख.नं. 326/4 रकवा 0.022 हे. भूमि गायत्री बाल मंदिर विद्यालय के नाम दर्ज था। बंदोबस्त के दौरान उक्त मूल खसरा नंबर 326 के 8 बटांकों के नवीन नंबर 163 से 170 तक बने। किंतु उक्त सर्वे नंबर मौके पर कब्जे के हिसाब से नहीं बनाए गए। उक्त नवीन सर्वे नंबरों के रकबे भी त्रुटिपूर्ण दर्ज किए गए।

उन्होंने कहा कि गायत्री बाल मंदिर संस्था का नवीन नंबर 169 बना। जो बंदोबस्त के पूर्व बटांक नंबर 326/4 था। तत्समय मौके पर स्थिति स्पष्ट नहीं थी और न ही वर्तमान में मौके पर उक्त संस्था का कोई कब्जा है। बंदोबस्त के दौरान बनाये गए नक्शे में नवीन नंबर 169 को जिस स्थान पर त्रुटिपूर्ण दर्शित किया गया, वहां पर मौके में पूर्व से ही मस्जिद बनी थी। मौके पर पुराने खसरा नंबर 326 के किसी भी बटांक में उक्त संस्था का कब्जा होना नही पाया गया है। मौके पर कभी मंदिर निर्मित होने या मंदिर की भूमि पर मस्जिद निर्मित होने जैसा कोई प्रमाण नहीं पाया गया है। जांच में यह सिद्ध पाया गया है कि मस्जिद का निर्माण बंदोबस्त के पूर्व उनके क़ब्ज़े और मालिकी हक़ की भूमि पर ही हुआ है। लेकिन बंदोबस्त में नवीन सर्वे नंबर और नक़्शा क़ब्ज़े के अनुसार निर्मित नहीं किए गए, जिसकी वजह से वर्तमान में विवाद की स्तिथि निर्मित हुई है। बंदोबस्त की उक्त नक़्शा त्रुटि सुधार के लिए न्यायालय कलेक्टर जबलपुर में प्रकरण प्रस्तुत किया गया है। नक़्शा त्रुटि सुधार के लिए कलेक्टर न्यायालय में हितबद्ध/प्रभावित पक्षकारों की सुनवाई कारवाई प्रचलित है। प्रकरण में गायत्री बाल मंदिर संस्था, जिनके नाम पर नवीन नंबर 169 रकवा 0.02 हे. (2152 वर्गफुट) दर्ज है, के लिए अभी तक कोई भी दावाकर्ता/पक्षकार उपस्थित नहीं हुए हैं।

एसडीएम श्री मरावी ने कहा कि प्रकरण में बन्दोबस्त की त्रुटि का सुधार कर वर्तमान कब्जे के अनुसार नक्शा और बटांक नंबर निर्मित करने की कार्यवाही की जाएगी। मस्जिद का निर्माण बंदोबस्त के पूर्व उनके क़ब्ज़े और मालिकी हक़ की भूमि पर ही हुआ है। अतः उसे हटाने की प्रश्न उपस्थित नहीं होता है। मस्जिद के संबद्ध में आंदोलनकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया गया है। आंदोलनकारियों को विधि-विरुद्ध कार्यवाही कर कानून व्यवस्था की स्तिथि नहीं बिगाड़ने के लिए कई बार समझाइश दी जा चुकी है।

नगर निगम जबलपुर का स्पेशल अवार्ड में चयन

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की प्रतियोगिता में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के नेतृत्व और निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव की प्रशासनिक दक्षता तथा उनकी स्वच्छता टीम की मेहनत फिर से एक बार रंग लाई है और राष्ट्रीय स्तर पर नगर निगम जबलपुर के नाम का परचम फहराने में सफलता हासिल की है। निगमायुक्त प्रीति यादव ने बताया कि भारत सरकार का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 17 जुलाई 2025 को स्वच्छ सर्वेक्षण - 2024 के अंतर्गत सुपर स्वच्छ लीग (एसएसएल) में बेहतर प्रदर्शन करने पर नगर निगम जबलपुर को मिनिसट्रियल अवार्डी स्पेशल कैटेगरी के लिए चयनित किया गया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में जबलपुर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने पर यह अवार्ड दिया जा रहा है।

आगामी 17 जुलाई को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की उपस्थिति में केंद्रीय मंत्री द्वारा स्पेशल आवार्ड प्रदान किया जाएगा. जिसे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू और निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव एवं नोडल अधिकारी संभव अयाची प्राप्त करेगें। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर जबलपुर ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बना ली है। स्वच्छ भारत मिशन ने जबलपुर नगर निगम को स्पेशल कैटेगरी में सम्मानित करने के लिए चयनित किया है।

उन्होंने स्पेशल कैटेगरी आवार्ड मिलने का श्रेय शहर के नागरिकों के साथ-साथ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, स्वास्थ्य प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य रजनी कैलाश साहू, स्वच्छता के सभी ब्रांड एम्बेस्डर, अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, प्रशांत गोटिया, मनोज श्रीवास्तव, अंजू सिंह ठाकुर, उपायुक्त संभव अयाची, तत्कालीन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, स्वच्छता सेल के सहायक नोडल अधिकारी और सहायक यंत्री अभिनव मिश्रा सहित स्वच्छता टीम के सभी सदस्यों क्रमशः सभी स्वच्छता प्रभारी अधिकारी, संभागीय अधिकारी, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड सुपरवाईजर्स एवं स्वच्छता मित्र और सफाई संरक्षकों को दिया है।

सब्जी मंडी की हर गली में अतिक्रमण

जबलपुर। शहर की सब्जी मंडियों के हाल बुरे हैं। चाहे निवाड़गंज सब्जी मंडी हो, चाहे अधारताल सब्जीमंडी हो, गोहलपुर सब्जीमंडी, गोरखपुर सब्जीमंडी हो, सब जगह बुरे हाल है। कछपुरा फाटक के पास सड़क पर ही सब्जी मंडी लग रही हैं। सबसे बुरे हाल तो निवाड़गंज सब्जी मंडी के हैं। जिस मोड़ से प्रवेश करो उस मोड़ पर ही सड़कों पर दुकान सजी है। ऐसे में न केवल सब्जी खरीददारी करने वालों को जाने में परेशानी होती हैं बल्कि मंडी पर आवार पशुओं के विचरण करने से दुर्घटना भी हो जाती है। यहां दुकानदारों को चबूतरे अलॉट है लेकिन पूरी मंडी में दोनों तरफ 5-5 फुट का कब्जा व्यापारी कर रखे है। ग्राहकों को बीच रोड में अपने वाहन खड़े करना पड़ता है। शंकर घी भंडार से मंडी के कमानिया गेट तक चना, मूंगफली, वालें आदि सड़क तक दुकान लगाए हुए है दूसरी तरफ गल्लामंडी से सामने वाली लाईन में जिस गली में प्रवेश करो उस गली में कमोबेश यही स्थिति बनी हुई है। मजे की बात यह है कि नगर निगम का जोन कार्यालय 4 कदम की दूरी पर है। जोन कार्यालय के कर्मचारी यहां खरीददारी के लिए जाते है पर उन्हें समस्या नहीं दिखती, मुफ्त की सब्जी भाजी लेकर जनता को उसके हाल पर छोड़ देते हैं। न व्यापारी सुधर रहे है न ही व्यवस्था सुधर रही है। लटकारी पड़ाव सब्जी मंडी के और बुरे हाल है। चारों तरफ अराजकता फैली हुई है। आवार पशु मल्ल युद्ध करते देखे जाते है। सड़कों पर लगी सब्जी भाजी की टोकरी के पास पहुंचते ही उन्हें लाठी से हकेला जाता है तो वे किसी न किसी वाहन सवार पर हमला कर देते है जिससे दुर्घटनाएं होती है। इसके बावजूद जिम्मेदार लोग हाथ पर हाथ धरकर बैठे है।

कर्मचारी गोदाम से चोरी कर ले गया 80 हजार रुपए का माल

जबलपुर। लार्डगंज थाना अतंर्गत हर्षित नगर यादव कालोनी स्थित स्पोटर्स का 80 हजार रुपए का रखा सामान दुकान में काम करने वाला लड़का चोरी कर ले गया। घटना के संबंध में लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्षित नगर यादव कालोनी निवासी 25 वर्षीय शांतनु तिवारी की सदर स्थित खेल सामाग्री की दुकान है, और गोदाम घर पर है। उसकी दुकान में अशोक अहिरवार काम करता था। गत 23 मई को कर्मचारी अशोक दुकान से गोदाम माल लेने पहुंचा था। चूंकि गोदाम घर में ही है, लिहाजा उस दिन घर में शांतनु की दादी और घर पर काम करने वालें कर्मचारियों की मौजूदगी में अशोक अहिरवार सामान लेने पहुंचा था। उसे जितना सामान लाने भेजा था उससे ज्यादा संख्या में सामान लेकर वो चला गया। दुकानदार की शिकायत के मुताबिक उसे बीजी 65 रेकेट की कटींग, शटल कॉक के बाक्स 350 योनेक्स के रेकेट एवं ट्रैकसूट लेने उसके घर स्थित गोदाम भेजा गया था। अशोक अहिरवार ने घर जाकर जो सामान बोला था उससे ज्यादा मात्रा में 7-8 रैकिट, बीजी 65 रैकिट की कटिंग 90 नग, यूनिक्स 350 के शटल 120 नग, ट्रेक सूट 15 नग घर से निकाल कर दुकान न लाकर अपने घर ले गया, बुलाने पर भी नहीं आया। अशोक अहिरवार उसके घर से 80 हजार रूपये कीमती सामान चोरी कर ले गया है।

कजलियां महोत्सव का आयोजन इस वर्ष पारंपरिक तर्ज पर हनुमानताल में मानने की बात की गई

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है : स्वामी अखिलेश्वरानंद

हरिभूमि जबलपुर।

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है और इसी समरसता के भाव को जागृत करने हमे पारंपरिक पर्वो को मिलकर मानना होगा, इसके लिए समरसता सेवा संगठन के द्वारा जिस तरह सभी समाजों को एक करके कार्यक्रम किए जा रहे है यह अनुकरणीय भी है और अभिनंदनीय भी है, उक्ताशय के उद्गार महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद जी महाराज ने समरसता सेवा संगठन द्वारा आयोजित सर्व समाज की बैठक के अवसर पर समन्वय सेवा केंद्र छोटी लाइन फाटक में दिए।

समरसता सेवा संगठन द्वारा आगामी वृहद पौधारोपण एवं कजलियां महोत्सव की रूपरेखा हेतु सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के स्थान और स्वरूप पर समाज के प्रतिनिधियों से सुझाव दिए। सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझाव में कजलियां महोत्सव का आयोजन इस वर्ष पारंपरिक तर्ज पर हनुमानताल में मानने की बात की गई।

पूज्य स्वामी अखिलेश्वरानंद जी ने बैठक में आशीर्वचन देते हुए कहा हम समाज में विषमता नही चाहते हमारे भारत में विभिन्न जाति समाज भाषा के लोग विभिन्न क्षेत्रों में निवास करते है, और उन्ही के अनुसार पर्वो और त्योहारों को मनाते है और मैं हमेशा कहता हूं कि भारतीय संस्कृति का मूल स्वर सामाजिक समरसता है, चाहे सतयुग हो, त्रेता युग हो, द्वापर युग हो या आज जिस युग में हम है वह कलयुग हो हर युग में सामाजिक समरसता रही है, और इसी सामाजिक समरसता को मानते हुए हम कजलियां पर्व मानने के लिए आज हम एकत्र हुए है और मेरा मानना है किसी भी कार्यक्रम को सफल, सार्थक और प्रभावी बनाने के लिए चुनौतियों को स्वीकार करते हुए एक होकर कार्य करे तो निश्चित रूप से सफलता हमे मिलेगी।

समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा समरसता सेवा संगठन आप सभी का अपना संगठन है, आपके सहयोग और मार्गदर्शन से आज संगठन ने जो गति और उंचाई तय की है उसमे आपकी उल्लखेनीय भूमिका रही है। समरसता सेवा संगठन के प्रारंभ से ही हमने एक मूल मंत्र समरस भारत से समर्थ भारत के निर्माण के लिए सब सबको जाने और सब सबको माने को चरितार्थ करने में आपका अतुलनीय योगदान है। समसरता सेवा संगठन ने अपने प्रारंभ से लेकर अभी तक 72 संगोष्ठियों के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण, समरसता के प्रमुख पर्व में होली और कजलियां महोत्सव के दो वर्षो में आयोजन किया गया।

जैन ने कहा आज की बैठक भी संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा हेतु आमंत्रित की गई है जिसमे पौधारोपण और कजलियां महोत्सव के संदर्भ में आपके सुझाव आमंत्रित किए गए थे, जिसमें अधिकतर लोगो ने कजलियां महोत्सव को हनुमानताल में मानने की बात कही है, इस पर संगठन विचार करेगा और शीघ्र ही निर्णय करेगा। साथ ही विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारे उत्तरदायित्व के लिए इस वर्ष आगामी 20 जुलाई को घुघरा लम्हेटा के समीप ही सर्व समाज की सहभागिता से वृहद पौधारोपण कार्यक्रम किया जायेगा।

बैठक में डॉ जितेंद्र जामदार, डॉ अखिलेश गुमास्ता, पं रोहित दुबे, राममूर्ति मिश्रा, शरदचंद्र पालन, पं बृजेश दीक्षित, प्रदीप गुप्ता, पंकज वात्री एनपी झारिया, कैलाशचंद्र जैन, गोकुल केसरवानी, गोविंद अग्रवाल, अशोक नामदेव, सहेंद्र वास्तव, जगदीश चोहटेल, सरदार रंजीत सिंह,ने शामिल होकर सुझाव दिए।

रंगभूमि बैडमिंटन अकादमी की खिलाड़ी ने अंडर-15 मिक्स डबल्स में किया शानदार प्रदर्शन

आराध्या ने राज्य स्तरीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीता सिल्वर मेडल

हरिभूमि, जबलपुर।

इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य मिनी एवं सब-जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में जबलपुर की प्रतिभाशाली खिलाड़ी आराध्या गुप्ता ने मिक्स डबल्स अंडर-15 वर्ग में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतकर शहर और अपनी अकादमी का नाम गौरवान्वित किया। यह टूर्नामेंट 6 जुलाई से 12 जुलाई तक खेला गया। आराध्या रंगभूमि बैडमिंटन अकादमी, जबलपुर की खिलाड़ी हैं, जो एली स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एंड डेवलपमेंट कंपनी द्वारा संचालित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि आराध्या की यह वर्ष 2025 में दूसरी राज्य स्तरीय पदक जीत है, जो उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है।

आधुनिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन

रंगभूमि अकादमी के प्रशिक्षकों द्वारा दिए जा रहे आधुनिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से खिलाड़ी लगातार सफलता की ओर अग्रसर हैं। आराध्या की सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि

अकादमी की गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रणाली की भी प्रमाणिकता है।

शुभकामनाओं का लगा तांता

आराध्या को इस उपलब्धि पर कोच, खेल प्रेमियों, साथियों एवं एली स्पोर्ट्स संस्था द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ दी गईं। यह उपलब्धि जबलपुर के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

पांचवां फाउन्डेशन डे मनाया गया

सिहोरा। रिलायंस जिओ बीपी मोबिलिटी स्टेशन सिहोरा रिटेल आउटलेट में आज पांचवां फाउंडेशन डे सेलिब्रेट किया जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका की अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे,जनपद पंचायत अध्यक्ष रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री,मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई पेट्रोल पंप की संचालक श्रीमती अंजना सराफ,श्रीमती रश्मि सराफ एवं अनुपम सराफ के द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। तदपश्चात पेट्रोल पंप परिसर में पौधरोपण किया गया इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृष्ण सरावगी,भाग्यश्री पहारिया, सृष्टि खरे, दीपाशा साहू, पूनम दिनोदिया, रोशनी रॉय, कंचन जांगिड़, रिया पाण्डे आदि उपस्थित थे।

70 मेधावी छात्र छात्रा आज होंगे विप्र रत्न से सम्मानित

सिहोरा। ब्राहमण समाज सिहोरा द्वारा वरिष्ठ नागरिक एंव मेधावी छात्र छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन आज रुक्मणी पैलेस में सुबह 10 बजे से आयोजित किया जायेगा। जिसमें विभिन्न स्कुलो के 70 बालक बालिका विप्र रत्न से सम्मानित होंगे। आयोजन परम पूज्य संत श्री श्री 1008 बनवारी दास महाराज भरभरा आश्रम भटिया के विशेष आतिथ्य तथा आशीष दुबे सांसद जबलपुर के मुख्य आतिथ्य एंव प्रणय प्रभात पांडे विधायक बहोरीबंद,श्रीमती संध्या दिलीप दुबे अध्यक्ष नगर पालिका परिषद,श्रीमती रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री अध्यक्ष जनपद पंचायत के विशिष्ट आतिथ्य तथा समाज के अध्यक्ष राकेश पाठक की अध्यक्षता में आयोजित होगा जिसमें 80 शाल की आयु पूर्ण कर चुके समाज के दो वरिष्ठ नागरिकों एंव सत्र 2023 में अपने विद्यालय में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले ब्राह्मण समाज के कक्षा दसवीं के 40 एंव बारहवीं के 30 छात्र छात्राओं को स्वर्गीय श्रीमती कमलरानी चौबे मोहतरा की पुण्य स्मृति में पुत्र संजय श्रीमती प्रीति चौबे द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया जायेगा।

अब्दुल हमीद मंडल ने पुलिस अधीक्षक का किया स्वागत

जबलपुर। अब्दुल हमीद मंडल के मंडल अध्यक्ष अकील अहमद एवं मुस्लिम समुदाय द्वारा बड़ी संख्या में एसपी ऑफिस पर एकत्रित होकर पुष्पगुच्छ एवं मिठाइयों के साथ पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया गया एवं उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दी गईं। इसी प्रकार पुलिस का सहयोग प्राप्त होता रहे यही कामना की गई। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अकील अहमद, मंडल उपाध्यक्ष किबरिया अंसारी, मुन्ना जनसंघी, पप्पू खान, सोशल मीडिया प्रभारी शमीम अंसारी, नसीर अहमद, मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद आदि उपस्थित थे।

प्राणघातक हमला करने वाले पिता पर कार्यवाही की जाए

जबलपुर। शिवधाम नगर पं. दीनदयाल चौक आईटीआई थाना माढ़ोताल निवासी आकाश पटेल उम्र 26 वर्ष ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर अपने पिता हेमचंद पटेल और सौतेली माँ पर प्राणघातक हमला करने तथा दोषियों पर पुलिस द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने की शिकायत दी है। आकाश ने बताया कि जब मैं लगभग दो साल का था, तब मेरी मां सिया पटेल और पिता हेमचंद पटेल का तलाक हो चुका था, लगभग 24 वर्षों से मैं और मेरी मां अलग किराए के मकान में रहने लगे एवं मेरा पालन पोषण मेरी मां सिया पटेल के द्वारा किया गया। वर्ष 2012 में मेरे पिता ने दूसरी शादी वंदना पटेल से कर ली थी, पिता से संपत्ति प्रकरण को लेकर मेरा मामला माननीय न्यायालय में विचाराधीन है, इसके बाद लगातार मेरे पिता एवं सौतेली मां (वंदना पटेल) के द्वारा मुझे प्रकरण वापस लेने का दबाव बनाना शुरू कर दिया गया। विगत 30 सितंबर 2024 को मेरे पिता के द्वारा मुझ पर प्रकरण वापस लेने चाकुओं से प्राणघातक हमला किया गया जिसकी शिकायत मैंने थाना विजय नगर में की थी। विगत 25 जून को मेरे पिता ने मुझे समझौते के लिए अपने घर कचनारी (रेंगवा) बुलाया था, मैं अपने पिता के घर पहुंचा तो मेरी सौतेली मां (वंदना पटेल) मुझसे गाली गलौज करने लगी, विरोध करने पर मेरे पिता मुझे धमकाते हुए केश वापस लेने के लिए कहने लगे, इसी बीच मेरी सौतेली मां वंदना पटेल अंदर से बंदूक लेकर आई और मेरे पिता को थमा दी, पिता ने फायर किया तो गोली मेरे हाथ में लगी, मैं वहां से सीधा थाना माढ़ोताल आया एवं पुलिस से शिकायत की, पुलिस के द्वारा मुझे तत्काल ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया एवं तुरंत मेरे पिता एवं सौतेली मां को पकड़ लिया गया और उन पर मामला दर्ज किया गया।

67 रक्तवीरों ने पीड़ित मानवता के लिए उत्साहपूर्वक किया रक्तदान

जबलपुर। पीड़ित मानवता की सेवार्थ, इंडियन रेडक्रास सोसायटी, प्राणदा प्रकोष्ठ, सक्षम महाकोशल प्रांत, विशुद्ध हेल्थ केयर जनसेवा समिति, सात्विक सेवा समिति एवं होटल एंड रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 12 जुलाई को विशाल रक्तदान एवं निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन होटल नर्मदा जैक्सन में किया गया। इस शिविर में 67 से अधिक रक्तवीरों ने उत्साहपूर्वक पीड़ित मानवता के लिए रक्तदान किया। इस अवसर पर सक्षम से डॉ. अंकित सेठ, बसंत घोड़ावत, संकेत मलैया, आशीष चिमनानी, विक्टोरिया बल्ड बैंक से डॉ. अमितोष भल्ला, डॉ. अमिता जैन एवं टीम, ज़िला रेडक्रास से सुनील गर्ग, होटल नर्मदा जैक्सन से अनुज जसूजा आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

रोटरी इंटरेक्ट क्लब के नव नियुक्त सदस्यों ने ली शपथ

जबलपुर। लेनार्ड एचएस स्कूल सिविल लाइन में रोटरी इंटरेक्ट क्लब के नवनियुक्त सदस्यों को एक कार्यक्रम में कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर रोटेरियन अशोक साहू (अध्यक्ष रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर), आरटीएन अभिषेक अग्रवाल (सचिव रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर) और एलजी लोबो (प्रिंसिपल) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों और शिक्षकों द्वारा गुलदस्ता भेंटकर किया गया। इंटरेक्ट क्लब प्रभारी स्वाति पांडे और मिस पूजा वी ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। पूजा रजक ने इंटरेक्ट क्लब की सामाजिक और चेरिटेबिल गतिविधियों की एक संक्षिप्त रिपोर्ट दी जो पिछले वर्ष 2024-25 के दौरान रोटरी इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों द्वारा दी गई थी। रोटरी इंटरेक्ट क्लब 2025-26 के लिए नामित पदाधिकारियों में ओसकर पुरती अध्यक्ष, दक्ष रजक उपाध्यक्ष, काव्या कोडवानी सचिव, आंचल द्विवेदी संयुक्त सचिव, ट्विंकल पारसवानी कोषाध्यक्ष और निदेशक सनिल, अरबिंदा, अनस, देविका रानी, लवली, नैना शामिल हैं।

पौधारोपण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : कर्चुली

सिहोरा। पौधारोपण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है जिसके लिए व्यक्तियों,समुदायों, सरकारों और उद्योगों को मिलकर काम करना होगा।तभी पर्यावरण संरक्षित होगा उक्ताशय के विचार स्व सेवा संयोजन समिति की सुषमा कर्चुली ने व्यक्त किए। इसी बात के मद्देनजर अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी देखभाल की वृक्ष बनाने की जिम्मेदारी शाला परिवार की छात्राओं ने शिक्षकों से प्रेरणा लेकर ली।नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति द्वारा पावन श्रावण मास के उपलक्ष्य में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में निबंध लेखन प्रतियोगिता पर्यावरण और हम विषय पर की गई जिसमें कक्षा सातवीं से 12 तक की छात्राओं ने सहभागिता की।इस अवसर पर स्कूल परिसर में नगर पालिका सिहोरा के सहयोग से पौधरोपण किया गया। स्कूल के प्राचार्य बी एस परस्ते, अशोक तिवारी, राजेश नेमा, कार्तिका गुप्ता, सुषमा नायक, रचि पटेल, पी एल महोबिया, विनोद पटेल, गुड्डा उपाध्याय, सारिका साहू, मीनू परिहार, भावना गौतम, सुषमा गौतम आदि उपस्थित थे।

श्रावण मास संकीर्तन माला का दुर्गा हनुमान मंदिर से हुआ भव्य शुभारंभ

चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल नगर के घर-घर में करेगा हरिनाम संकीर्तन

जबलपुर। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष पावन श्रावणमास पर श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालिपुरम द्वारा आयोजित हरिनाम संकीर्तन का भव्य शुभारंभ सरस्वती दुर्गा मंदिर से हुआ। संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि पूरे श्रावणमास 11 जुलाई से आगामी 08 अगस्त 2025 पर्यन्त प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे से नगर के घर-घर हरि नाम संकीर्तन किया जावेगा। प्रथम दिवस संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, आचार्य पं. वासुदेव शास्त्री, पं. वीरेंद्र दुबे के सानिध्य में गणेश पूजन, चैतन्य महाप्रभु का आव्हान, मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्जवलन कर हरिनाम संकीर्तन का भव्य आयोजन दुर्गा मंदिर में संपन्न हुआ। जहां एक से बढ़कर एक संकीर्तन में भक्तजन झूम उठे। इस अवसर पर रघुराज सिंह ठाकुर, राजेश शर्मा, नवीन नेमा, सत्यप्रकाश नामदेव, प्रशांत गुप्ता, सुरेन्द्र गिरी, सुनील

ताम्रकार, संदीप नेमा, राजेंद्र ब्यौहार, नितीन दुबे, अंकित बहरे, प्रभा शर्मा, अनिता गुप्ता, प्रीति गुप्ता, कीर्ति चौहान, संगीता ब्यौहार, रेखा खरे, श्वेता गुप्ता, प्रभाकर चतुर्वेदी, केएल दीक्षित, विशाल पंड्या, मोनी विश्वकर्मा, देवेंद्र नेमा सहितबड़ी संख्या में मातृशक्ति, धर्मानुरागी जन उपस्थित रहे। कल कमानिया गेट स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर में प्रातः 8.30 बजे हरिनाम संकीर्तन आयोजित है।

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, **BIJALI PRADHAN** is legally Wife of No **14646387A** RANK **HAV** NAME **APU PRADHAN** presently residing at **VILL-URURI, PO- URURI, TEH-CONTAI, DISTT-EAST MIDNAPUR (WEST BENGAL)-721458** I, have changed of my date of birth from **04/02/1993** (date of birth as per my Husband, Army service records) to **20/09/1992** (date of birth as per my **AADHAR CARD, PAN CARD, AND EDUCATIONAL DOCUMENTS** vide affidavit dated **11/07/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT DATE OF BIRTH
20/09/1992
INCORRECT DATE OF BIRTH
04/02/1993

निधन

श्री राजेन्द्र प्रसाद खरे- सिहोरा, वार्ड क्रमांक 2 ज्वालामुखी निवासी सलैया वाले राजेंद्र प्रसाद खरे का 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार बाबाताल मुक्तिधाम में किया। आप अशोक खरे के बड़े भाई एवं अंकित खरे,आतिश खरे के पिता थे।

श्रीमती सहोदरा देवी उपाध्याय- बिलहरी राजुल सिटी फेस 3 निवासी श्री वचन उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती सहोदरा देवी उपाध्याय (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल शर्मा- अम्बेडकर भवन राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री कौशल शर्मा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ज्ञानेश्वरी दुबे- पुरानी बस्ती ग्वारीघाट निवासी श्री श्याम दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती ज्ञानेश्वरी दुबे (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामकली चौधरी- पचपेढ़ी रोड साउथ सिविल लाइन निवासी श्री अर्जुन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली चौधरी (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

सुश्री सुनीता श्रीवास्तव- प्रेमनगर मदनमहल निवासी श्री जीपी श्रीवास्तव की पुत्री सुश्री सुनीता श्रीवास्तव (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भरत कुमार- नब्बे क्वाटर त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री राधामल के पुत्र श्री भरत कुमार (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री रामजी लाल नगाइच- बावली लाइन पोलीपाथर निवासी श्री रामजी लाल नगाइच (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजू सिंह गौंड़- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री रामदास गौंड़ के पुत्र श्री संजू सिंह गौंड़ (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मराधी बाई राय- अम्बेडकर नगर गली नं. 5, पोलीपाथर निवासी श्री कांता राय की धर्मपत्नी श्रीमती मराधी बाई राय (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्णा सोमी- सुभाष नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर निवासी श्री कृष्णा सोमी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती लीला- ग्राम हिनौता मझौली निवासी श्री रामचरण की धर्मपत्नी श्रीमती लीला (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोहर मुटाटकर- गोलबाजार राइट टाउन निवासी श्री मनोहर मुटाटकर (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रविशंकर श्रीवास्तव- मेहर कुटी स्टार सिटी करमेता रोड निवासी श्री रविशंकर श्रीवास्तव (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407382100

रिंग रोड से लगाकर इकोनामिक जोन बनाया जाए

जबलपुर। शहर के नये मास्टर प्लान के लिये डायरेक्टर नगर तथा ग्राम निवेश जबलपुर कार्यालय द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। जहां जबलपुर चेम्बर ऑफ कामर्स के पदाधिकारी उपस्थित हुये और नये मास्टर प्लान के लिये अपने सुझाव रखे। सुझाव में कहा गया की रिंग रोड से लगाकर इकोनॉमिक जोन बनाया जाये। इसी स्थान पर औद्योगिक वाणिज्यिक, कपड़ा क्लस्टर, फार्मास्युटिकल क्लस्टर, रक्षा क्लस्टर, इलेक्ट्रानिक पार्क, एग्रीकल्चर क्लस्टर, कृषि उपज मंडी, होलसेल व्यापार, आदि होगा। नये मास्टर प्लान में ट्रांसपोर्ट हब को शामिल किया जाना चाहिये इससे परिवहन और लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा। इसी स्थान पर ड्राय कन्टेनर हब बनाया जाये। इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट को प्रोत्साहन मिले जिसमें रेल्वे, बस, मेट्रो क्नेक्टिविटी शामिल हो। इस तरह के मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब, माल ढुलाई और आपूर्ति श्रंखला को बेहतर बनाने में मदद करेगा, शहर में उद्योग और व्यवसायों को आकर्षित करेगा। मास्टर प्लान में एजुकेशन जोन बनाया जाए।

Changed Of Name

I, Santosh Patel S/O Dinesh Patel R/O H. No. 1820/14, Anand Bhawan, Kanchanpur, Adhartal, P.O. Jabalpur Dist. Jabalpur - 482004 have changed the name of my minor son **Kiaan Patel** aged 5 years and he shall hereafter be known as **RUDRANSH PATEL**.

CHANGE OF NAME

I, **BONDAR SONALI INDRAJIT** (existing/Previous Name of spouse as per NOK) is legally wedded spouse of No. **15438837K** RANK **NK** NAME **BONDAR INDRAJEET NANABHAU** presently residing at **VILL-DEODHANORA, PO-DEODHANORA, TEH-KALLAMB, DISTT-OSMANABAD (MAHARASHTRA)-413507** I, have changed of my name from **BONDAR SONALI INDRAJIT** (Name as per my Husband Army service records) to **BONDAR SONALI INDRAJEET** (name as per my **AADHAR CARD AND PAN CARD** vide affidavit dated - **11/07/2025** (date of affidavit) formerly before Public Notary JABALPUR (MP)

CORRECT NAME
BONDAR SONALI INDRAJEET
INCORRECT NAME
BONDAR SONALI INDRAJIT

टीसी गुमी

मैं अरूण मिश्रा आत्मज श्री रामसुजान मिश्रा उम्र 47 वर्ष, निवासी- म.नं.1287/5, उदय नगर -2, व्हीकल फैक्टरी रोड, जबलपुर निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हू :-1. यह कि मेरा पुत्र रितिक मिश्रा ने वर्ष 2024 में गुरूगोविंद सिंह खालसा स्कूल व्हीकल मड़ई से कक्षा दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिसके उपरांत मेरे पुत्र को शाला द्वारा टी. सी. प्रदान की गई थी। 2.यह कि मेरे पुत्र रितिक मिश्रा की टी. सी. दिनांक 21.06.2025 को शोभापुर से व्हीकल के बीच रास्ते में कहीं गुम गई है जिसकी तलाश किए जाने पर मुझे प्राप्त नहीं हो सकी है । मुझे अपने पुत्र को आगे अध्ययन हेतु टी.सी. की आवश्यकता है। अत: उक्त टी. सी जिस किसी सज्जन को प्राप्त हो निम्न पते एवं नम्बर पर संपर्क करें।

निवासी- म.नं.1287/5, उदय नगर -2, व्हीकल फैक्टरी रोड, जबलपुर
मो. 7000565170, 9399452862

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक बगिया मां के नाम अभियान के लिए भूमिपूजन कर रोपा पौधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश तेजी से प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। भारत वसुधैव-कुटुम्बकम की संस्कृति पर चल रहा है, जहां पूरा विश्व एक परिवार की तरह है। जब सारा विश्व युद्ध में झुलस रहा है, तब भारत जियो और जीने दो का संदेश देकर अपनी उदार संस्कृति का परिचय दे रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को इंदौर के केसरबाग में एक बगिया मां के नाम नगर वन निर्माण का भूमिपूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

केसरबाग में 51 हजार फलदार-औषधीय पौधे लगाए जाएंगे: मंत्री विजयवर्गीय

इंदौर को हरा-भरा और सुंदर बनाने का लिया संकल्प

डॉ. यादव ने कहा कि यह संयोग है कि आज श्रावण माह का पहला दिन है और इसी दिन केसरबाग में एक

बगिया मां के नाम के तहत इंदौर को हरा-भरा और सुंदर बनाने का संकल्प लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के लोग प्रारंभ से ही प्रकृति के निकट रहे हैं और उन्होंने प्रकृति में भी परमात्मा के दर्शन किए है। कार्बन उत्सर्जन को दूर करने में पौधों की बड़ी भूमिका है। पेड़ ऋषि-मुनि के समान होते हैं, जो प्रकृति से कम और लेते देते अधिक हैं। मुख्यमंत्री ने केसरबाग में आम के पौधे का रोपण किया। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि क्लॉथ मॉर्केट एसोसिएशन ने शासन को केसरबाग में जो चार एकड़ से अधिक जमीन पौधारोपण के लिए दी है, उस पर 51 हजार से अधिक पौधे लगाकर इसे सुन्दर और प्रदेश की सबसे बड़ी बगिया बनाया जाएगा। बगिया में फलदार और औषधीय पौधे लगाए जाएंगे।

सीएम डॉ. मोहन ने कहा, विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई करें उनके उज्जवल भविष्य की सरकार करेगी चिंता

विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई करें, उनके उज्वल भविष्य की चिंता सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी स्कूल में टॉप करेगा, राज्य सरकार उसे इलेक्ट्रिक स्कूटी प्रदान करेगी। नीट पास करने वाले विद्यार्थियों के चिकित्सा शिक्षा की फीस में भी सरकार सहायता कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को किया कॉपी वितरण

मप्र में औद्योगिक गतिविधियां बढ़ेंगी

आगामी दो वर्ष में प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 50 तक पहुंचेगी। सरकार द्वारा युवाओं के स्वावलंबन के लिए प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। अब पुण्योदय प्रकल्प के माध्यम से कॉपियां भी उपलब्ध करा रहे है। डॉ. यादव शुक्रवार को इंदौर में हिंद रक्षक संगठन द्वारा पुण्योदय प्रकल्प के 21वें वर्ष के अवसर पर बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स परिसर में प्रियजनों की पुण्य स्मृति में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कॉपी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया और जरूरतमंद विद्यार्थियों को निः शुल्क कॉपी वितरित की।

खबर संक्षेप

खाद की कालाबाजारी पर निगरानी रखेगा कृषि विभाग

भोपाल। अवैध खाद बेचने और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। यह निर्देश संभागायुक्त संजीव सिंह ने कृषि कल्याण व विकास विभाग सहित अन्य अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में कृषि विभाग की उप संचालक सुमन प्रसाद ने प्राकृतिक खेती योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भोपाल संभाग में 100 क्लस्टर में पांच हजार हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना में 12 हजार 500 किसानों को शामिल किया गया है, जिनमें से अब तक 9,771 किसानों का पंजीयन एम-किसान पोर्टल पर पूर्ण हो चुका है। इस कार्य में 200 किसान सखियां सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जो किसानों को प्राकृतिक खेती के आधुनिक तकनीकों एवं लाभों के प्रति जागरूक कर रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत 45,503 हितग्राहियों का 'गृह प्रवेश'

मुख्यमंत्री ने शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए दी सौगातें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में मप्र ग्रोथ कॉन्क्लेव -2025 में प्रदेश के शहरों के सर्वांगीण विकास के लिए 12 हजार 360 करोड़ रुपए की सौगातें दी।

मुख्य रूप से इंदौर शहर के लिए अमृत 2.0 अंतर्गत जलप्रदाय एवं सीवरेज योजना के लिए 2,382.03 करोड़ रुपए की सौगात दी गई। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत उपयोगित जलप्रदाय प्रबंधन और अधोसंरचना विकास के लिए 257 परियोजनाओं के लिए 3,562.27 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई। कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के तहत 45,503 हितग्राहियों का गृह प्रवेश करवाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत 19,541 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कुल 65,044 हितग्राहियों को 2,799.26 करोड़ रुपए की राशि अंतरण की गई।

शहरी विकास को गति देने हुए एमओयू

शहरी प्रशासन के विविध घटकों को टेक्नॉलॉजी के माध्यम से इंटीग्रेट करके अधिक कार्यकुशल बनाने के लिए मध्यप्रदेश शासन और भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के बीच महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। नगरीय विकास विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी और हाउसिंग और शहरी विकास निगम लिमिटेड (हुड़को) के मध्य समझौता निष्पादन हुआ। मध्यप्रदेश शासन और आईआईएम इंदौर के बीच सिंहस्थ 2028 की कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए एमओयू किया गया है।

गतिविधियों की जानकारी दी

अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय दुबे ने मप्र ग्रोथ कॉन्क्लेव में हुई गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विचार विमर्श से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ेगी। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव -2025 में इकोनॉमिक टाइम्स अर्बन ग्रोथ 2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

विशेष सत्रों का हुआ आयोजन

कॉन्क्लेव में इंटीग्रेटिंग टेफ्रोलॉजी फॉर अर्बन इंडिया, सिटीज ऐज ग्रोथ हब्स, शहरी वानिकी, मोबिलिटी फॉर सिटीज ऑफ टुमारो जैसे विषयों पर सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रकट किए। अर्बन टेक, अर्बन ग्रीन्स, अर्बन मोबिलिटी और अर्बन इंफ्रा ड्राइव विषय पर सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें विशेषज्ञों ने विचार मंथन किया और सुझाव दिए।

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का कार्यक्रम जारी

भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल भोपाल ने प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग और यह परीक्षा स्कूल शिक्षा विभाग में 10150 पद जनजातिया कार्य विभाग 2939 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि 18 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि 1 अगस्त 2025 है। आवेदन-पत्र में संशोधन करने की प्रारंभिक तिथि भी 18 जुलाई है और संशोधन की अंतिम तिथि 6 अगस्त है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 8:30 बजे से 10 बजे तक है। दूसरी पाली के लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 1 बजे से 02:30 बजे तक रहेगी। इस चयन परीक्षा में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को आयोजित प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 अथवा 2024 में निर्धारित प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन कियोस्क के माध्यम से भरने वाले उम्मीदवारों को 60 रुपये का पोर्टल शुल्क देना होगा।

18 से शुरू होंगे आवेदन

[कांवड़ यात्रियों का पुष्प-वर्षा कर किया स्वागत]

कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ होंगी अनुकूल व्यवस्थाएं, मुख्यमंत्री उज्जैन में समर्पण कांवड़ यात्रा में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में सभी कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ अनुकूल व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जा रही है। इस संबंध में निर्देश जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को उज्जैन त्रिवेणी शनिमंदिर से कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कांवड़ यात्रियों का पुष्प-वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कांवड़ का पूजन कर कांवड़ उठाई और अग्नि अखाड़ा के महामंडलेश्वर संत उत्तम स्वामी के साथ पैदल चलकर कावड़ यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर और संतजन के आशीर्वाद से उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारियां तेजी से की जा रही है। हम इस सोच के साथ सभी तैयारियां कर रहे हैं कि वर्ष-2028 के बाद यदि प्रतिवर्ष सिंहस्थ जैसे आयोजन हों तो समस्या न आए। सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन में संतों के लिए आश्रम और अन्य व्यवस्थाओं को जुटाने के लिए सिंहस्थ धार्मिक सिटी का निर्माण भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया जल का महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांवड़ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में कई संस्कृतियां हैं। दुनिया में तो 194 देश है, लेकिन कोई देश अपने कोई भी शुभ काम प्रारंभ करने के लिए जल के माध्यम से कोई संकल्प नहीं लेता है। भारतीय संस्कृति जल ही जीवन की संस्कृति और जीवन जीने की पद्धति रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ईश्वर की कृपा से हम हजारों सालों से जल के गुणों से परिचित हैं।

अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से दिया तैयारियों का ब्यौरा

सिंहस्थ महाकुंभ-2028 की तैयारी तेज डीजीपी ने की सुरक्षा, ट्रैफिक की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक की गई। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में पुलिस मुख्यालय में विशेष पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक सहित भोपाल के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। वीसी से उज्जैन जोन, पुलिस आयुक्त इंदौर, इंदौर ग्रामीण, खण्डवा, खरगौन, देवास, शाजापुर, धार, रतलाम, सीहोर, आगर-मालवा के एसपी बैठक से जुड़े।

रूट प्लानिंग, भीड़ नियंत्रण के लिए व्यवस्था

अफसरों ने डीजीपी को प्रेजेटेशन दिया, जिसमें करोड़ों श्रद्धालुओं की संभावित उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए रूट प्लानिंग, पार्किंग जोन, घाट क्षेत्रों पर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सहायता और भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त बल की व्यवस्था शामिल रही।

संवेदनशील क्षेत्रों पर ड्रोन कैमरों की तैनाती

हाई रिजॉल्यूशन वाले कैमरे सभी प्रमुख मार्गों, स्नान घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में लगाए जाने की रणनीति तैयार हुई। अफसरों ने प्रेजेंटेशन में बताया कि रीयल टाइम निगरानी के लिए फील्ड कम्युनिकेशन यूनिट एवं इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। पुलिस नेटवर्क को मजबूत करने के लिए वायरलेस और मोबाइल कंट्रोल यूनिट्स सक्रिय रहेंगी।

पीड़ित को अस्पताल में कराया भर्ती, हमलावर छात्र फरार

कक्षा सातवीं के सहपाठी ने छात्र पर किया ब्लेड से घातक हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के दादर माध्यमिक शाला में एक छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। हमलावर छात्र और पीड़ित छात्र दोनों कक्षा सातवीं में पढ़ते हैं। घटना के समय स्कूल में खेल की छुट्टी थी और बच्चे स्कूल के बाहर बांसबाड़ी नर्सरी में मारपीट कर रहे थे।

एक छात्र ने दूसरे छात्र पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। हमलावर ने पीड़ित छात्र के गले और चेहरे पर ब्लेड से वार किया। माध्यमिक शाला स्कूल के शिक्षक सुशील कुमार ने बताया कि शनिवार को सुबह 7:30 में स्कूल लगी उसके बाद 9:35 में खेलने की छुट्टी हुई, जहां सभी बच्चे स्कूल परिसर पर खेल रहे थे। इस दौरान कक्षा सातवीं में पढ़ने वाले

एक बालक पर उसके ही कक्षा में पढ़ने वाले दूसरे छात्र ने ब्लेड से हमला कर लहूलुहान कर दिया। तब मौके पर जाकर देखा जहां खून से लतपथ छात्र को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज के लिए लेकर रवाना हुए। वहीं हमला करने वाला छात्र स्कूल से लगे बांसबाड़ी जंगल में फरार हो गया। शिक्षक ने बताया कि हमला करने वाला छात्र स्कूल नहीं आया था। वहीं सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचे जहां, बच्चे का हाल-चाल जाना।

तमनार पुलिस कर रही मामले की जांच, ड्राइवर पर केस दर्ज

बस पलटने से 25 यात्री घायल, 9 भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शनिवार की सुबह यात्री बस खेत में पलट गई। इस घटना में बस में सवार 25 यात्री घायल हो गए। जिसमें 09 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उक्त घटना तमनार थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह तकरीबन 9 बजे के आसपास तोलमा से रायगढ़ के बीच चलने वाली यात्री बस पलट गई। इस घटना में सवार में 25 यात्री घायल हो गए है, जिसमें 9 यात्रियों को तेजराम, सुकांति सिदार, ललिता भगत, सुंदरमति चौहान, हरिराम खडिया, मंगलराम निषाद, नत्थुराम यादव के अलावा अन्य लोगों को तमनार अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि रोजाना की भांति सितारा बस यात्रियों को लेकर अपने गंतव्य के लिये रवाना हुई थी। यात्री बस जब मिलुपारा-कोडकेल गांव के पास स्थित ढलान में पहुंची ही थी कि बस चालक अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा जिससे यात्री बस खेत में पलट गई। अचानक

इस घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल यात्री बस पलटने की जानकारी तमनार पुलिस को दी जिसके बाद दो एंबुलेंस की सहायता से घायलों को अस्पताल ले जाया गया। तमनार पुलिस इस मामले में बस चालक के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

विभाग को खराब सामग्री वितरित करने वाली एजेंसियां की गईं ब्लेकलिस्ट

महिला एवं बाल विकास मंत्री का छह सप्लायर्स पर कड़ा रुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों और महिलाओं के लिए भेजी गई सामग्रियों की गुणवत्ता पर उठे सवालों पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने त्वरित और सख्त रुख अपनाया। मंत्री राजवाड़े के निर्देश पर राज्य स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया, जिसमें संयुक्त संचालक (वित्त), सीएसआईडीसी और जीईसी रायपुर के तकनीकी प्रतिनिधि, संबंधित जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक संचालक (आईसीडीएस) और दो तकनीकी निरीक्षण एजेंसियों एसजीएस इंडिया और आईआरसीएलएएसएस सिस्टम्स के विशेषज्ञ शामिल थे।

समिति ने सभी जिलों में सामग्री की गुणवत्ता का भौतिक परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट संचालनालय को सौंप दिया। रिपोर्ट के आधार पर दोषी प्रदायकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए छह सप्लायरों मेसर्स नमो इंटरप्राईजेस, मेसर्स आयुष मेटल, मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मेसर्स मनीधारी सेल्स, मेसर्स ओरिएंटल सेल्स, मेसर्स और सोनचिरिया कॉर्पोरेशन एजेंसियों को जेम पोर्टल से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। भविष्य में ये एजेंसिया किसी भी प्रकार की सामग्रियों की शासकीय सप्लाई भी नहीं कर पाएंगी। विभाग द्वारा इन सभी से घटिया सामग्रियों को वापस मंगाकर मानकों के अनुरूप सामग्री की आपूर्ति कराई गई है।

खराब सामग्रियों के लिए नहीं किया जाएगा भुगतान

महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी खराब सामग्री के लिए ऐजेंसियों को कोई भुगतान नहीं किया गया है। विभाग की नीति के तहत भुगतान केवल गुणवत्ता परीक्षण के बाद ही होता है, जिससे प्रदायकर्ताओं की मनमानी की कोई गुंजाइश नहीं रहती। सभी दोषपूर्ण सामग्रियों को वापस लेकर मानक सामग्री दी जा चुकी है। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस पूरे मामले पर कहा कि बच्चों और महिलाओं से जुड़ी सेवाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमने तत्परता और पारदर्शिता के साथ जांच पूरी कर दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों तक केवल सुरक्षित, मजबूत और गुणवत्तापूर्ण सामग्री ही पहुंचे।

जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी थी सामग्री

महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2024-25 में कुल 23.44 करोड़ रुपये की सामग्री जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी गई थी। कुछ मीडिया रिपोर्टों में इसे 40 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जिसे विभाग ने एक सिरे से खारिज कर दिया है। विभाग ने बताया कि पूरी क्रय प्रक्रिया पारदर्शी रही और सभी सामग्रियों की सप्लाई से पहले और सप्लाई के बाद गुणवत्ता जांच कराई गई। राज्य स्तरीय जांच समिति द्वारा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जशपुर, सरगुजा और जांजगीर-चांपा जिलों में जाकर प्रदाय की गई सामग्रियों का गहन निरीक्षण किया गया। समिति की रिपोर्ट में सामने आया कि कुछ टेबल स्थानों पर असेंबल नहीं हुए थे, जिन्हें बाद में सही कराया गया। अनाज कोठी भारतीय मानक के अनुरूप नहीं मिलने पर मेसर्स नमो इंटरप्राइजेस और आयुष मेटल से सामग्री बदली गई और दोनों को जेम से प्रतिबंधित किया गया। स्टील ट्रे की साइज और वजन में भिन्नता पर मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मनीधारी सेल्स व ओरिएंटल सेल्स से रिप्लेसमेंट कराया गया। तवा की गुणवत्ता कम मिलने पर मेसर्स सोनचिरैया कॉर्पोरेशन को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। कढ़ाई हल्की वजन भिन्नता को छोड़कर अधिकांश मापदंडों पर ठीक पाई गई। अन्य सामग्रियां जैसे अलमारी, कुकर, चम्मच व गिलास अधिकतर स्थानों पर मानकों के अनुरूप पाई गईं।

23 हार्डकोर इनामी नक्सलियों ने किया सरेंडर, 1 करोड़ 18 लाख का था इनाम

पुलिस और सुरक्षा बलों को फिर मिली बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों की रणनीति रंग ला रही है। कलेक्टर एलेक्सपाल मेनन के अपहरण में शामिल नक्सली समेत कुल 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

सरेंडर करने वाले माओवादियों में आठ हार्डकोर इनामी नक्सली शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर कुल एक करोड़ 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वालों में नौ महिलाएं और 14 पुरुष नक्सली हैं। ये सभी डीकेएसजेडसी, पीएलजीए और मिलिशिया जैसे सक्रिय संगठनों से जुड़े थे। पुनर्वास नीति और नियाद नैलानार जैसी योजनाओं से प्रभावित होकर सरेंडर किया है।

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम डब्ल्यू.-जे.बी.पी-107-2025 दिनांक 09.07.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** इटारसी-जबलपुरः-मंडल इंजीनियर (दक्षिण) जबलपुर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ट्रैक संरचना का सुधार और रखरखाव का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹ 2,24,00,625/-, **बयाना राशि रूपयेः** ₹ 2,62,000/-, **समापन अवधिः** 10 माह, **निविदा, प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 01.08.2025, **निविदा खुलने का समय 15.15 बजे तिथिः** 01.08.2025 । **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **"https://ireps.gov.in"** उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी। (हस्ता.)

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी ठेकेदार से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है। निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन प्रस्ताव ही स्वीकार किए जाएंगे इस ठेका के विरुद्ध मैनुअल ऑफर की अनुमति नही है और ऐसा प्राप्त मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किया जाएगा। **निविदा सूचना क्रमांकः** जबल/एल/टी.न./11/2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** "अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 28 लिफ्ट (BEHR-2, BRGW-2, SRID-2, NU-3, KY-4, GAR-3, PPI-4, SGO-5 एवं DMO-3) की आपूर्ति, स्थापना सहित सभी संबंधित विद्युत एवं सिविल कार्य (विद्युत एवं सिविल कार्य हेतु समेकित निविदा) तथा 02 वर्षों की वारंटी अवधि के उपरांत 05 वर्षों की सीएएमसी ।", **निविदा का अनुमानित मूल्यः** ₹ 17,95,43,081.08, **निविदा फार्म की कीमत रूपयेः** NIL, **कार्यालय का पताः** वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर द्वितीय फ्लोर, डीआरएम बिल्डिंग, जबलपुर-482001, **बयाना राशि रूपयेः** ₹ 10,47,700.00, **समापन अवधि (वर्ष):** 09 महीना, **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक):** 31.07.2025, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे तक):** 31.07.2025 । निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट http://ireps.gov.in उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) कार्यालय जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। (हस्ता.)

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

बिहार में इस वर्ष नवंबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। अभी चुनाव आयोग ने डेट का ऐलान नहीं किया है, लेकिन बिहार में रैलियों, जनसभाओं और बयानों से चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण चल रहा है, जो अभी हॉट मुद्दा है। इस मुद्दे पर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडि गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। एनडीए केवल संगठन ही नहीं, सरकारी योजनाओं के जरिए भी जनता तक पहुंच बढ़ा रहा है। नीतीश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 से बढ़ा कर 1100 रुपये प्रतिमाह किया है, राजद ने 1500 करने का वादा किया है। नीतीश सरकार ने राज्य के 16 नगर निकायों में 100 पिंक टॉयलेट बनाने का ऐलान किया है, रोजगार पर ध्यान देने के लिए बिहार राज्य युवा आयोग का गठन किया है, बिहार निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लागू किया है। इस बार का चुनाव एनडीए की स्थिरता, महागठबंधन के लोकलुभावन वादे और जन सुराज के सुधारवादी दृष्टिकोण के बीच त्रिकोणीय है। आजकल के ताजा अंक में पेश है एक विश्लेषण...

बिहार के रण में त्रिकोणीय बिसात

विश्लेषण
विनोद पाठक
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में इसी वर्ष नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडी गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। यह स्पष्ट है कि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। अभी एनडीए में शामिल जद (यू), भाजपा, लोजपा (रामविलास), हम (सेकुलर) और राष्ट्रीय लोकमत पार्टी ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। साफ है कि जातीय समीकरणों में उलझे बिहार में इस बार त्रिकोणीय और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलने वाला है।

बिहार की सियासी सरगर्मी धीरे-धीरे तेज होने लगी है। इसी वर्ष नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडि गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। यह स्पष्ट है कि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। अभी एनडीए में शामिल जद (यू), भाजपा, लोजपा (रामविलास), हम (सेकुलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। हालांकि, जब तक चिराग पासवान अपना रुख स्पष्ट नहीं करते, तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। दूसरी ओर, महागठबंधन में सीटों को लेकर चर्चा होनी बाकी है। कुल मिलाकर बिहार में इस बार बेहद रोचक मुकाबला दिखने की उम्मीद है। बात की शुरुआत एनडीए से करते हैं। एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे का जो प्रारूप सामने आया है, उसके अनुसार जद (यू) को 102–103, भाजपा को 101–102, लोजपा (रामविलास) को 25–28, हम (से.) को 6–7 और आरएलएम को 4–5 सीटें मिल सकती हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि एनडीए 220 से ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाएगा। जद (यू) और भाजपा, दोनों ने बूथ से लेकर जिला स्तर तक समन्वय समितियां बनाने का निर्देश जारी किया है। सत्ताधारी एनडीए पर अधिक दबाव है।

महिला वोटरों को लुभाने में जुटे नीतीश

एनडीए केवल संगठन नहीं, सरकारी योजनाओं के जरिए भी जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। नीतीश सरकार ने बीते कुछ सप्ताहों में एक के बाद एक कई घोषणाएं कर वोटरों को सीधे साधने का प्रयास किया है। उनकी नजर विशेष रूप से महिला वोटरों पर है। योजनाओं में सबसे प्रमुख 1.11 करोड़ बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग लाभार्थियों को 1100 रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन सीधे बैंक खाते में भेजना है। यह पहले मात्र 400 रुपये थी। महिला वोटरों को लुभाने के लिए राज्य के 16 नगर निकायों में 100 पिंक टॉयलेट बनाने की योजना को हरी झंडी मिल चुकी है। युवाओं के लिए सरकार ने 'बिहार राज्य युवा आयोग' का गठन किया है, जो 18–45 वर्ष के आयु वर्ग के लिए नीतिगत सलाह, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोई अवसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

यही कारण है कि उन्होंने बिहार निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लागू कर दिया है। नीतीश सरकार ने स्पष्ट किया है कि गैर-बिहारी महिलाएं सामान्य श्रेणी में आवेदन करेंगी। इस निर्णय से 53 हजार से अधिक महिलाओं को स्थायी सरकारी नौकरी मिलेगी। एनडीए पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुका है। सरकार की कल्याण योजनाओं को प्रचारित करने के लिए हर पंचायत स्तर पर बूथ प्रभारी नियुक्त किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं योजनाओं की निगरानी कर रहे हैं और हर कार्यक्रम में विकास कार्यों को सामने रख रहे हैं। बिहार में लड़ाई अब घोषणाओं बनाम भरोसे की लड़ाई बनने जा रही है।

महागठबंधन ने भी कसी कमर

जहां तक महागठबंधन की बात है, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विपक्ष ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सहित सात दलों के इस महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को अपना समन्वयक घोषित कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री पद का चेहरा अभी औपचारिक रूप से तय नहीं किया गया, लेकिन अधिकांश घटक दलों की सहमति तेजस्वी यादव के नाम पर दिख रही है। चर्चा यही है कि चुनाव में महागठबंधन, एनडीए के खिलाफ 'तेजस्वी क्रांति 2025–30' नारे के साथ मैदान में उतरेगा। महागठबंधन की रणनीति सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय स्वाभिमान और जनकल्याणकारी वादों के सहारे सत्ता में वापसी की है। हालांकि, महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अब भी मनमुटाव की स्थिति है।

जहां कांग्रेस 40–45 सीटें मांग रही है, वहीं वीआईपी के मुकेश सहनी ने 60 सीटों की जोरदार दावेदारी कर दी है। इससे सीटों के संतुलन को साधने में राजद की भूमिका चुनौतीपूर्ण बन गई है। वैसे, राजद नेताओं का कहना है कि महागठबंधन में कोई दरार नहीं है। जल्द ही सभी मुद्दों पर सहमति बना ली जाएगी। महागठबंधन ने भी जनता को लुभाने के लिए कई बड़े वादे किए हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले दिनों घोषणा की कि महागठबंधन सरकार बनने पर हर परिवार को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। कांग्रेस ने घोषणा की कि महागठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य की महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने की घोषणा

महागठबंधन ने वृद्धावस्था पेंशन को 400 से बढ़ाकर 1,500 करने की बात कही है। हालांकि, नीतीश कुमार ने पहले ही इसमें वृद्धि कर दी है। मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए तेजस्वी यादव वक्फ कानून को बिहार में समाप्त करने की घोषणा कर चुके हैं। महागठबंधन नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी पर एकसाथ निशाना साध रहा है। तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने अपने चुनावी अभियान को 'बिहारी स्वाभिमान बनाम दिल्ली का दबाव' बनाने की कोशिश की है। दोनों नेताओं ने हाल में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए पटना में 'चक्का जाम' व सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया था। राजद की यह रणनीति केंद्र के खिलाफ राज्यीय अधिकारों की बहस को पुनर्जीवित करने का प्रयास भी है।

चिराग पासवान की असमंजस वाली स्थिति

केंद्र की मोदी सरकार में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान को लेकर एनडीए में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक ओर चिराग स्वयं को मोदी का हनुमान कहते हैं तो दूसरी ओर बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने की घोषणा कर देते हैं। इससे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने एनडीए के भीतर नया सियासी दबाव खड़ा कर दिया है। हालांकि, चिराग पासवान सफाई देते हैं कि यह निर्णय 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' अभियान के तहत लिया गया है, जो उनकी पार्टी का वैचारिक और विकासोन्मुख एजेंडा है। वो यह कहकर एनडीए में दबाव बना रहे हैं कि यदि उन्हें एनडीए में सम्मानजनक हिस्सेदारी नहीं मिली तो अकेले चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटेंगे। पिछले चुनाव की बात की जाए तो चिराग पासवान ने ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। तब भी वो एनडीए का हिस्सा थे, लेकिन जद (यू) के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। परिणामस्वरूप नीतीश कुमार की जद (यू) को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और उसकी सीटें घटकर 43 रह गई थीं। संभवतः चिराग पासवान उसी 'दबाव नीति' को दोहरा रहे हैं। चिराग पासवान की रणनीति को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तंज कसते हुए कह चुके हैं कि जो लोग केंद्र में मंत्री हैं, उन्हें अब विधानसभा की राजनीति में कूदने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, भाजपा डैमेज कंट्रोल में लगी है। पार्टी मुद्दे को यह कहकर साध रही है कि सभी सहयोगी दलों से बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा। अब आने वाले समय में पता चलेगा कि नीतीश व चिराग के बीच धुरी बनी भाजपा एनडीए में सीटों का तालमेल कैसे बिठाती है, जिससे सभी घटक संतुष्ट हों।

प्रशांत किशोर की सियासी एंट्री

एनडीए और महागठबंधन से हटकर बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज तीसरी ताकत बनती दिख रही है। प्रशांत किशोर पहले ही सभी 243 सीटों पर लड़ने की घोषणा कर चुके हैं, यानी बिहार की राजनीति में अब दो ध्रुव नहीं रहे हैं। नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार से लेकर ममता बनर्जी और कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकार रह चुके प्रशांत किशोर लंबे समय से बिहार में सक्रियता बनाए हुए हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के संगठन को गांव-गांव तक फैलाया है। 'बिहार बदलाव यात्रा' के जरिए जनता से सीधे जुड़ाव कायम किया है। उनकी पार्टी न केवल चर्चा में है, बल्कि युवाओं, मध्यवर्ग और शिक्षित मतदाताओं के बीच एक संभावित विकल्प के रूप में उभर रही है। प्रशांत किशोर की रणनीति स्पष्ट है, जातिवाद और वंशवाद के खिलाफ खड़ा होना, बिहार को एक नई राजनीतिक दिशा देना। जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता से महागठबंधन और एनडीए, दोनों में हलचल दिखाई देती है। प्रशांत किशोर नरेंद्र मोदी से लेकर लालू प्रसाद यादव व नीतीश कुमार तक निशाना साध रहे हैं। कांग्रेस को तो उन्होंने लालू यादव की पिछलग्गू तक करार दिया है। बिहार की राजनीति पर नजर रख रहे राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जन सुराज चुनाव को त्रिकोणीय बना सकता है, जिससे कई सीटों पर समीकरण बदलेंगे। यदि जन सुराज 5 से 10 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त कर लेती है तो वह 60–80 सीटों के परिणामों को प्रभावित कर सकता है। वैसे, जन सुराज के लिए यह पहला विधानसभा चुनाव है, लेकिन पिछले दिनों हुए उप चुनावों में उसने अपनी झलक दिखलाई थी। जन सुराज को उप चुनाव में इमामगंज सीट पर 37 हजार और बेलागंज सीट पर 17 हजार से अधिक वोट मिले थे। स्पष्ट है कि पार्टी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पार्टी सोशल मीडिया और ग्राउंड वर्क के जरिए तेजी से युवाओं को जोड़ रही है। यह स्पष्ट है कि जन सुराज का मुख्यमंत्री चेहरा प्रशांत किशोर ही होंगे।

जनाधार के समीकरण भी महत्वपूर्ण

एनडीए मोदी-नीतीश की जोड़ी को विकास से जोड़ती है और डबल इंजन सरकार में राज्य के बहुमुखी विकास का दावा करती है। नीतीश कुमार विगत 20 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं। मतदाताओं पर इस जोड़ी का असर दिखता भी है। जहां भाजपा की अच्छी पकड़ सवर्ण मतदाताओं के साथ मध्यवर्ग पर है, वहीं नीतीश कुमार पिछड़ों और अति पिछड़ों का साधते हैं। यदि चिराग एनडीए का हिस्सा बने रहते हैं तो दलित वोटों का बड़ा हिस्सा उनके पक्ष में आ जाएगा। हालांकि, तेजस्वी यादव के यादव-मुस्लिम समीकरण को नकारा नहीं जा सकता है। वैसे, राजद को असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम से असुरक्षा भी महसूस हो रही है। यदि ओवैसी बिहार के रण में उतरते हैं तो वो महागठबंधन को कई सीटों पर नुकसान पहुंचा सकते हैं। जातीय समीकरणों में उलझे बिहार में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलने वाला है।

मुद्दों के साथ समीकरण को धार दे रहा राजग

विस चुनाव
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव के लिए तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सूबे में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव है। सियासी दांव और जनता की उम्मीदें टकराने वाली हैं। 13.07 करोड़ की आबादी और जातिगत समीकरणों की गहरी जड़ों के साथ, बिहार राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के लिए एक अहम रणक्षेत्र बना हुआ है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) शामिल हैं, उसे तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन और प्रशांत किशोर की नई जन सुराज पार्टी से कड़ा मुकाबला मिल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला बड़ा चुनाव होने के नाते, यह मतदान बिहार की सियासत और इसके लोगों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। बहरहाल,चुनावी मौसम को देखते हुए सभी दल और गठबंधन तैयारी में जुट गए हैं। इसी कड़ी में महागठबंधन में सीटों के बंटवारे और गठबंधन के चेहरे को लेकर बैठक हुई। बैठक के बाद कहा जा रहा है कि कुछ फॉर्मूले तय भी हो गए हैं। वहीं सूबे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की अगुवाई कर रहा जनता दल भी एक्टिव मोड में है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के साथ गठबंधन में बीजेपी बिहार में सत्ता बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बीजेपी ने एक बार फिर से स्पष्ट किया है कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सीट बंटवारे को लेकर चर्चा गर्म

बीजेपी पहले ही कह चुकी है कि एनडीए के पांच दल (बीजेपी, जेडीयू, लोजपा (रामविलास), हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा) एकजुट होकर 'चुनाव लड़ेंगे। इन सबके बीच बात सीट बंटवारे को लेकर भी हो रही है। एनडीए में शामिल करीब-करीब सभी पार्टियों ने अपनी डिमांड बीजेपी और जेडीयू जैसे बड़े दलों को बता दी है। हालांकि, सीट शेयरिंग को लेकर आधिकारिक बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। लेकिन एनडीए में इस बार सीट शेयरिंग की गुत्थी कुछ ज्यादा पेचीदा है क्योंकि चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी भी इस बार एनडीए का हिस्सा है, जबकि पिछले विधानसभा में उसने अलग चुनाव लड़ा था। हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव से इस बार में एनडीए का स्वरूप बदला है। वीआईपी अब एनडीए की जगह महागठबंधन का हिस्सा है और चिराग पासवान की पार्टी एनडीए में है। जाहिर तौर पर सीट शेयरिंग में बीजेपी और जेडीयू दोनों की सीटें कम होंगी। इसे लेकर खींचतान है कि किस पार्टी की कितनी सीटें कम होंगी।

चिराग पासवान बड़ा पेंच

जीतन मांझी 35 सीटों की मांग कर रहे हैं, हालांकि उन्हें भी मालूम है कि इतनी सीटें उन्हें नहीं मिलनी। लेकिन यह अपनी पहले की सीटें बचाने की कवायद है ताकि उनके कोटे की सीटें कम ना हों। वहीं दूसरी तरफ एनडीए में चिराग पासवान की वजह से बहुत बड़ा पेंच फंसा हुआ है। क्योंकि उन्होंने सभी 243 सीटों पर तैयारी करने की बात कही है। चिराग पासवान को जो सीटें दी जाएंगी तो वो किसके कोटे से जाएंगी। इस पर भी कोई

कुछ नहीं कह रहा है। बहरहाल, चिराग पासवान एक तरफ चुनाव लड़ने का ऐलान कर रहे हैं। दूसरी तरफ, वे उन जगहों पर जा रहे हैं जहां बीजेपी मजबूत है। लेकिन उनकी अपनी पार्टी का कोई खास जनाधार नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि चिराग पासवान आखिर चाहते क्या हैं? बिहार की राजनीति में जाति एक महत्वपूर्ण कारक है और बीजेपी ने इसे ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति तैयार की है। यदि देखा जाए तो जातीय जनगणना को लेकर भी बीजेपी ने बड़ा दांव खेला है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना के फैसले को बीजेपी अपनी रणनीति का हिस्सा मान रही है। यह कदम विपक्ष के 'संविधान विरोधी' नैरेटिव को कमजोर करने और नए जातीय समूहों को अपने पक्ष में लाने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा बीजेपी अपनी परंपरागत हिंदुत्व की विचारधारा को भी मजबूत कर रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर'जैसे अभियानों के जरिए पार्टी ने हिंदू मतदाताओं में सकारात्मक माहौल बनाया है। इसके साथ ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक मशीनरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ उठाने की रणनीति बनाई गई है। संघ प्रमुख लगातार बिहार में कई बार प्रवास कर चुके हैं। साफ है कि बिहार का चुनाव बीजेपी हर हाल में जितना चाहती है क्योंकि बिहार के चुनाव का असर उसके बाद होने वाले बंगाल और उत्तर प्रदेश पर भी पड़ेगा। खैर,अब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बीजेपी के सामने एक सवाल यह भी है कि वह नीतीश के साथ कैसे आगे बढ़ेगी। नीतीश की उम्र और सेहत को लेकर अटकलें लग रही हैं, लेकिन उनकी सियासी चालबाजी अभी भी उन्हें बिहार का किंगमेकर बनाए हुए है। बीजेपी ने हाल ही में नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, मगर पार्टी के भीतर कुछ नेता बिहार में अपनी सरकार चाहते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयानों से भी संकेत मिले हैं कि बीजेपी नीतीश पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहती। लेकिन नीतीश की सियासी चालें अभी खत्म नहीं हुई हैं। अगर बीजेपी उन पर दबाव बनाती है तो वे फिर से महागठबंधन की ओर जा सकते हैं। लालू यादव ने हाल ही में कहा था कि नीतीश के लिए दरवाजे खुले हैं। दूसरी ओर, बीजेपी नीतीश को साथ रखकर 2025 में जीत की राह आसान करना चाहती है, लेकिन बाद में अपनी शर्तों पर सत्ता चलाने की कोशिश कर सकती है। बिहार की जनता भी नीतीश के इस 'पलटीमार' रवैये से परिचित है, मगर उनकी लोकप्रियता अभी बरकरार है। ऐसे में बीजेपी को नीतीश के साथ संतुलन बनाना होगा वरना 2020 का 'धोखा' इस बार भारी पड़ सकता है।

दोधारी तलवार बने नीतीश

यूं कहें कि नीतीश कुमार बीजेपी के लिए एक दोधारी तलवार बन गए हैं। उनके पास 14-15 फीसदी वोट बैंक है, जो बिहार में किसी भी गठबंधन के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। बीजेपी भले ही अकेले 160-170 सीटों पर चुनाव लड़ने का सपना देखे, लेकिन नीतीश का साथ छोड़ना आसान नहीं। केंद्र में नीतीश की पार्टी के 12 सांसद मोदी सरकार के लिए बैसाखी का काम कर रहे हैं। ऐसे में बीजेपी न तो नीतीश को नाराज करना चाहती है और न ही उनकी बीमारी को नजरअंदाज कर सकती है।

बहरहाल, 2025 का चुनाव बिहार के भविष्य की परीक्षा है। एनडीए की स्थिरता, महागठबंधन के लोकलुभावन वादे और जन सुराज का सुधारवादी दृष्टिकोण टकराएंगे। एनडीए की जीत बीजेपी और नीतीश की प्रासंगिकता को मजबूत करेगी,जबकि महागठबंधन की जीत इंडिया गठबंधन को बल देगी। जन सुराज,भले ही सीमित सफलता पाए,भविष्य की राजनीति को प्रभावित कर सकती है। बिहार के 13.07 करोड़ लोग इस मतपत्र से तय करेंगे कि वे स्थिरता चाहते हैं, या रेवड़ियां चाहते हैं या नई दिशा।

'दम' दिखाने को तैयार महागठबंधन

बिहार का रण
सुशील देव
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर दो प्रमुख घटक में इस बार कड़ी टक्कर होने वाली है। यह घटक दल हैं- महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन। महागठबंधन 2.0 एक विपक्षी गठबंधन है जो भारतीय जनता पार्टी और राजग के खिलाफ खड़ा है। दोनों गठबंधन में कई प्रमुख क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दल शामिल हैं, इसलिए अबकी बार मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। दिलचस्प इसलिए भी कि भाजपा समर्थित नीतीश कुमार सरकार की पुनर्वापसी पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं की रणनीति अपना रंग दिखाने लगी है। परंतु यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार के नेतृत्व के सवाल पर राजग गठबंधन में भी बहुत बखेड़ा खड़ा होने वाला है। राजनीतिक पंडित उनके दावेदारों की वजह से यह गुना-गणित समझा रहे हैं।

मगर महागठबंधन की बात करें तो उनके सभी दल ताल ठोक कर मैदान में दो-दो हाथ करने को तैयार हैं। रही बात महागठबंधन की ताकत की तो उसके पास अभी प्रमुख दलों में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, सीपीआई-एमएल, सीपीआई, सीपीएम और वीआईपी प्रमुख दल हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी बिहार के लिए अभी नई है। यह संभावित सहयोगी हो सकती है, मगर अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है।

एम-वाई समीकरण मजबूत

अगर हम ताकत की बात करें तो राजद का एम-वाई समीकरण काफी मजबूत नजर आ रहा है यानी मुस्लिम और यादवों का वोट बैंक फिलहाल किसी अन्य समीकरणों के झांसे में नहीं आने वाला है। वीआईपी और वाम दलों के समर्थनों से पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित वर्गों को जोड़ने की लगातार कोशिशें भी जारी हैं, जबकि कांग्रेस के कारण सवर्ण और अल्पसंख्यक वर्गों में भी खासा प्रभाव देखा जा रहा है। महागठबंधन की ताकत और कमजोरी को समझने के लिए राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक, तीनों स्तरों पर विश्लेषण जरूरी है।

इस गठबंधन का नेतृत्व निश्चित तौर पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम, युवा एवं आक्रामक नेता तेजस्वी यादव की तरफ आ जाता है, जो न केवल युवाओं के रोजगार बल्कि जनता के मुद्दों, महंगाई और भ्रष्टाचार पर लगातार चोट करके मतदाताओं के दिलों में अपनी जगह बना रहे हैं। वहीं, अपने पिता लालू यादव के सामाजिक न्याय वाली विचारधाराओं से भी ओतप्रोत दिखाई देते हैं। तेजस्वी की ज़मीनी पकड़ और सोशल मीडिया में उपस्थिति भी अच्छी है।

तेजस्वी की लोकप्रियता बढ़ी

इन तमाम वजहों से तेजस्वी की लोकप्रियता भावी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में भी बढ़ी है। हालिया सर्वे में तेजस्वी नीतीश कुमार से भी आगे बताए जा रहे हैं। जहां तक बात सहयोगी दलों की एकजुटता और उनकी अपनी ताकत का सवाल है, महागठबंधन हाल ही में बिहार बंद प्रदर्शन और वोटर लिस्ट के मुद्दे पर जनता को यह मैसेज देने

में सफल रहा है कि सरकार या सरकार से जुड़े सहयोगी दलों ने मिलकर कुछ असामान्य करने की कोशिश की है। बड़ी बात तो यह है कि राजद ने प्रमुख दल होने और बिहार विधानसभा में विपक्ष में होने के कारण नीतीश सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष को हवा देने का सफल प्रयास किया है। उनके साथ स्थानीय स्तर पर वामदलों की स्थिति भी काफी मजबूत दिखाई दे रही है। खासकर, ग्रामीण क्षेत्रों में किसान और मजदूरों के बीच वामपंथी दल खासा पकड़ रखते हैं। साथ ही, इनके कैडर कार्यकर्ता चुनाव में अपनी मजबूत भूमिकाएं निभाते हैं। जहां तक महागठबंधन की चुनावी तैयारियों का सवाल है, वह अभी तक बिल्कुल सही दिशा में जा रही है। बीते 9 जुलाई को महागठबंधन ने बिहार बंद और चक्काजाम का आयोजन किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव ने मिलकर व्यापक रूप से वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया, विरोध जताया। इस बंद को महागठबंधन की एकता और जन जागरण की ताकत के संकेत के तौर पर देखा गया। मगर, वहीं महागठबंधन के अंदर सीटों के बंटवारे को लेकर नाराजगी अभी थमी नहीं है। सीटों के अंतिम बंटवारे को लेकर गठबंधन के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। ज्ञात हो कि राजद को पूर्वी चंपारण से लगभग 200 मुस्लिम कार्यकर्ता जदयू में चले जाने से गहरा धक्का लगा है, जिससे महागठबंधन की एकता पर भी सवाल खड़ा हो गया है। राजग के कार्यकर्ता की जदयू में पलायन से संगठन की आंतरिक मजबूती प्रभावित हो सकती है। यहां यह भी बता दें कि सीटों के बंटवारे को लेकर पहले भी विवाद रहा है।

2020 में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन को लेकर यह विवाद रहा था। आज भी कांग्रेस का ज़मीनी ढांचा कमजोर है। कांग्रेस की अंतर्कलह की वजह से महागठबंधन की रणनीति प्रभावित हो सकती है। यह भी डर है कि राजद के पुराने कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं या निष्क्रिय हो रहे हैं। मुकेश सहनी का दल वीआईपी का इधर-उधर जाना, भरोसे को कमजोर करता है। कुछ अन्य पार्टियां यदि अकेले चुनाव लड़ती हैं तो महागठबंधन के लिए यह वोटकटवा फैक्टर साबित होगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाजपा या राजग गठबंधन की तुलना में राजद गठबंधन आर्थिक रूप से कमजोर है। मीडिया में भी महागठबंधन की पकड़ ज्यादा मजबूत नहीं है। ऐसे में महागठबंधन के प्रमुख घटक दल कितना कुछ कर पाएंगे, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। मगर महागठबंधन चुनावी तैयारी में सक्रिय है। लगातार बैठकें, आंदोलन और प्रचार दर प्रचार के दौर चल रहे हैं। असली स्थिति महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

घटक दल रणनीति बनाने में जुटे

कुल मिलाकर बिहार की राजनीति में महागठबंधन एक बार फिर पूरे तेवर में नजर आ रहा है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनावी समर में कमर कसकर उतर चुका है। घटक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं। महंगाई, बेरोजगारी, और शिक्षा जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर महागठबंधन सरकार पर हमलावर है। हाल ही में हुए बिहार बंद और प्रदर्शन से गठबंधन ने सड़क से सदन तक अपनी मौजूदगी का एहसास कराया है। मुस्लिम, यादव, दलित और अति पिछड़ा वर्ग में गठबंधन की पकड़ मजबूत मानी जा रही है। इसी समीकरण से सबको साधने में लगा है। वहीं सीपीआई-एमएल जैसे वामदल ग्रामीण क्षेत्रों में कैडर आधारित समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं, फिर भी जनता से जुड़े मुद्दों और तेजस्वी की लोकप्रियता के बल पर महागठबंधन ताल ठोक कर मैदान में उतरने को तैयार है और सत्ता की कुंजी पाने के लिए बेताब है। हालांकि सत्ता का फैसला बिहार की जनता के हाथ में है।

धनुष की 'कुबेर' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता धनुष की फिल्म 'कुबेर' को 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। नागार्जुन अक्किनेनी और रश्मिका मंदाना ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। इस फिल्म से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब 'धनुष' अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। 'कुबेर' का प्रीमियर 18 जुलाई, से ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

लाइफ Style

रोशनी

'सन ऑफ सरदार 2' में आएंगी नजर

अभिनेता अजय देवगन जल्द ही फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान विजय कुमार अरोड़ा ने संभाली है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'सन ऑफ सरदार 2' में मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अभिनेत्री रोशनी वालिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, जिनकी इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। रोशनी वालिया बॉलीवुड की एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 20 सितंबर, 2001 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। 24 वर्षीय रोशनी वर्तमान में मुंबई में रहती हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई प्रयागराज से ही पूरी की है। हालांकि, उन्हें बचपन से ही अभिनय में रुचि थी, जिसके चलते उन्होंने मुंबई का रुख किया और विज्ञापनों में काम किया। रोशनी ने टीवी शो 'मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की' के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

रोशनी ने 'बालिका वधूः कच्ची उमर के पक्के रिश्ते', 'देवों के देव... महादेव', 'ये वादा रहा' और 'भारत का वीर पुत्रः महाराणा प्रताप' जैसे धारावाहिकों में भी काम किया है। वह वेब सीरीज 'नाम नमक निशान' में नजर आ चुकी हैं। रोशनी ने कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा की फिल्म 'फिरंगी' में भी अभिनय किया है। अब वह 'सन ऑफ सरदार 2' के जरिए बड़े पर्दे पर धमाल मचाती नजर आएंगी।

हॉलीवुड मसाला

सेंसर बोर्ड पर भड़के भारतीय दर्शक

नई दिल्ली। भारत में 'सुपरमैन' देखने गए दर्शक निराश हुए क्योंकि फिल्म से किसिंग सीन हटा दिए गए थे। सोशल मीडिया पर लोगों ने सेंसरशिप की आलोचना की। सीबीएफसी ने कथित तौर पर कई सारी एडिटिंग की है, जिसमें डेविड और रेचल के बीच 33 सेकंड के किसिंग सीन को छोटा कर दिया गया है। उनका कहना है कि सीबीएफसी एक साधारण किस दिखाने की इजाजत नहीं दे रहा है। सोशल मीडिया पर लोगों के शिकायतों की बाढ़ आ गई, कई फैंस ने सेंसरशिप की आलोचना की और उन रोमांटिक सीन्स को काटने के पीछे के कारण पर सवाल उठाए जिन्हें वे मानक मानते थे।

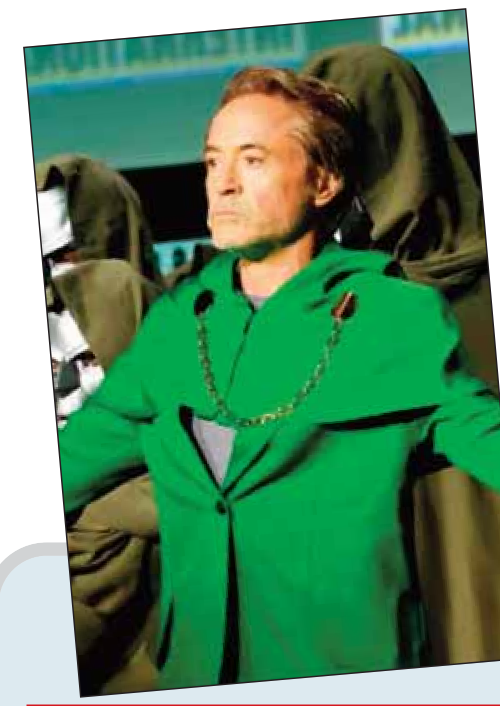

'एवेंजर्सः डूम्सडे' का सीन हुआ लीक...

लॉस एंजिल्स। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के फैंस को 'एवेंजर्स' फ्रेंचाइज की अगली फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' का बेसब्री से इंतजार है। मार्वल स्टूडियो के लिए भी यह फिल्म बहुत मायने रखती है, क्योंकि 2019 में 'एवेंजर्सः एंडगेम' के बाद से एमसीयू की किसी भी फिल्म ने वो सफलता नहीं पाई है, जिसकी इससे उम्मीद रहती है। 'डूम्सडे' जहां 2026 में रिलीज होगी, वहीं उससे पहले 25 जुलाई को 'फैंटास्टिक फोरः फर्स्ट स्टेप्स' भी आ रही है। बहरहाल, इस बीच 'एवेंजर्सः डूम्सडे' के सेट से कुछ नई तस्वीर सामने आई हैं, जिसके बाद यह कहा जा रहा है कि फिल्म का प्लॉट लीक हो गया है! 'एवेंजर्सः डूम्सडे' के सेट से जो नई तस्वीरें आई हैं। दरअसल, तस्वीर में फैंटास्टिक फोर के द थिंग, थंडरबोल्ट्स के यूएस एजेंट और द फाल्कन को एक ही फ्रेम में देखा जा रहा है।

बैटल ऑफ गलवान में आएंगी नजर

मुंबई। अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ दिनों से फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अपूर्व लाखिया को सौंपी गई है। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब चित्रांगदा ने पहली बार सलमान के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की है। चित्रांगदा ने बताया कि वह फिल्म में शामिल होने पर बेहद खास महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे आज भी याद है कि मिस्टर खान कहते थे कि हमें साथ काम करने का मौका जरूर मिलेगा और आखिरकार अब ऐसा हो रहा है। जैसे कि सलमान कहते हैं, 'एक बार मैंने कमिटमेंट कर दी तो मैं अपने आप की भी नहीं सुनता।'

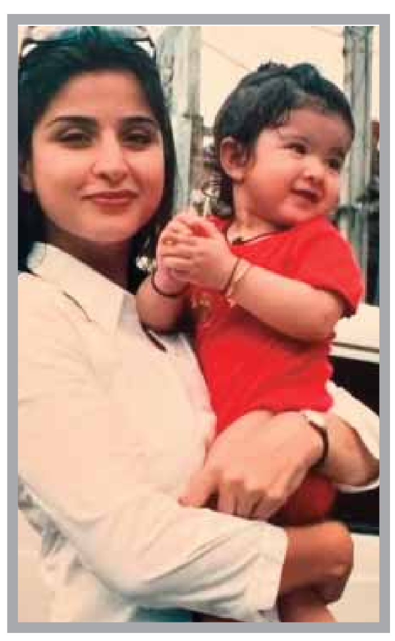

शनाया की पहली फिल्म देख भावुक हुईं मां

मुंबई। अभिनेता विक्रांत मैसी की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' आखिरकार 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए अभिनेता संजय कपूर और उद्यमी महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। अब शनाया की पहली फिल्म देख उनकी मां महीप भावुक हो गई हैं। उन्होंने अपनी खुशी साझा की है। महीप ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पर शनाया की बचपन की तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरी बच्ची की पहली फिल्म सिनेमाघरों में आ गई है। भगवान का आभार। आंखों की गुस्ताखियां आपके नजदीकी सिनेमाघरों में।' बता दें कि इससे पहले फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शनाया के लिए एक खास संदेश लिखा। उन्होंने अभिनेत्री की तारीफ में लंबा-चौड़ा नोट लिखा था।

टीवी मसाला

एकता कपूर ने बताया क्यों लौट रहा 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी'

मुंबई। इन दिनों अगर छोटे पर्दे का कोई धारावाहिक सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है तो वो है 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2'। इसकी पहली झलक से लेकर कहानी और किरदार तक सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। दर्शक टीवी पर इस शो की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उत्सुकता होना भी जायज है, क्योंकि 25 साल बाद यह लोकप्रिय शो लौट रहा है। हाल ही में निर्माता एकता कपूर ने इस पर बात की।

दूसरा सीजन लाने में झिझक रही थीं एकता : एकता ने सोशल मीडिया पर बताया कि आखिर क्यों इतने लंबे समय बाद अब वह ये शो लेकर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, 'जब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के 25 साल पूरे होने वाले थे और इसे फिर लॉन्च करने का विचार सामने आया तो मेरी पहली प्रतिक्रिया थी, नहीं! मैं क्यों उन पुरानी यादों को छेड़ना चाहूंगी? मैं अपने बचपन को जैसे याद करती हूं और वो वास्तव में वैसा ही था। वो हमेशा अलग रहेगा।'

एकता के मन में आए ये सवालः एकता आगे लिखती हैं, 'टीवी की दुनिया अब बदल चुकी है। जो कभी सिर्फ 9 शहरों पर निर्भर थी, अब दर्शक अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर बिखरे हुए कंटेंट को टुकड़ों में देखते हैं। क्या यह बदलाव 'क्योंकि' की उस ऐतिहासिक टीआरपी को हिला पाएगा, जिसे पहले और बाद में कोई नहीं छू सका? लेकिन क्या यही इस शो की असली विरासत थी? क्या ये सिर्फ एक सबसे ज्यादा टीआरपी वाला शो था?

ये सिर्फ एक डेली सोप नहीं था- एकता : एकता ने लिखा, 'इस शो ने भारतीय घरों की महिलाओं को आवाज दी। साल 2000 से 2005 के बीच पहली बार ऐसा हुआ कि महिलाएं परिवार की बातचीत का हिस्सा बनने लगीं। इसने भारत की कहानी कहने की परंपरा को पूरी दुनिया तक पहुंचाया। ये सिर्फ एक डेली सोप नहीं था, बल्कि इसने घरेलू शोषण, उम्र को लेकर ताने, और इच्छा मृत्यु जैसे मुद्दों को घर-घर में चर्चा का विषय बना दिया। यही थी उस कहानी की असली विरासत।'

इतनी फीस ले रहीं स्मृति ईरानी

एकता कपूर के लोकप्रिय शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में एक बार फिर स्मृति ईरानी 25 साल बाद एक बार फिर तुलसी बनकर लौट रही हैं। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' का पहला प्रोमो रिलीज हो चुका है, जिसमें स्मृति तुलसी की पूजा करती दिख रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अमुसार, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में एक बार फिर तुलसी की भूमिका निभाने के लिए स्मृति को निर्माताओं को ओर से प्रतिदिन 14 लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इसी के साथ वह भारतीय टेलीविजन की सबसे अधिक कमाई करने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि स्मृति को पहले सीजन के लिए प्रतिदिन 1,800 रुपये मिलते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुद इसका खुलासा किया था।

'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज 'जस्सी' बने अजय

मुंबई। आने वाले दिनों में कई हिट फिल्मों के सीक्वल दर्शकों के बीच होंगे। इन्हीं में एक है 'सन ऑफ सरदार 2', जिसकी राह दर्शक बड़ी बेसब्री से देख रहे हैं। फिल्म के हीरो अजय देवगन हैं, जो पिछली बार अपनी हिट फिल्म 'रेड' का सीक्वल 'रेड 2' लेकर आए थे और एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर गए थे। अब उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

कैसा है फिल्म का ट्रेलर?

अजय जब साल 2012 में फिल्म 'सन ऑफ सरदार' लेकर आए थे तो दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो गए थे। उनकी कॉमिक टाइमिंग जबरदस्त थी। जस्सी रंधावा बनकर उन्होंने इस फ्रेंचाइजी में वापसी की है। ट्रेलर में कॉमेडी के साथ-साथ अजय ने एक्शन का भी तड़का लगाया है। हालांकि, इस बार सरदार बने जस्सी और उनकी टोली खास जम नहीं रही है। इसमें मृणाल ठाकुर, नीरू बाजवा, साहिल मेहता, संजय दत्त और रवि किशन जैसे सितारे भी नजर आ रहे हैं।

ट्रेलर देख क्या बोले लोग?

ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, 'जस्सी अपने जबरदस्त डायलॉग्स संग लौट आया है।' एक ने लिखा, 'ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर है पाजी।' एक कमेंट है, 'ट्रेलर इतना झक्कास है तो फिर फिल्म तो पक्का ब्लॉकबस्टर होगी।' उधर कुछ लोगों ने इसे बकवास बताया है। उनका कहना है कि इससे बढ़िया तो पहले वाली फिल्म दोबारा देख लेते। एक ने लिखा, 'कबाड़ा कर दिया सीक्वल का।' उधर कुछ लोगों को ट्रेलर देख दिवंगत अभिनेता मुकुल देव की याद आ गई है।

'मालिक' ही नहीं, देखिए मार-धाड़ से लबरेज बॉलीवुड की ये गैंगस्टर फिल्में

मुंबई। अभिनेता राजकुमार राव फिल्म 'मालिक' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मानुषी छिल्लर नजर आ रही हैं। राजकुमार पहली बार पर्दे पर गैंगस्टर बन मार-पिटाई करते दिखे हैं और उनका यह एक्शन अवतार प्रशंसकों को खूब भा रहा है। वैसे 'मालिक' से पहले भी बॉलीवुड में कई ऐसी शानदार गैंगस्टर फिल्में बन चुकी हैं, जिनमें एक्शन के साथ-साथ हीरो की डॉनगिरी आकर्षण का केंद्र रही।

'वास्तव' : *महेश मांजरेकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त ने 'रघु भाई' बनकर धमाल मचा दिया था। फिल्म में बहुत ही शानदार तरीके से मुंबई अंडरवर्ल्ड और नेताओं के रिश्ते को दिखाया गया है। आईएमडीबी ने इसे 8 की रेटिंग से नवाजा है। 7 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ रुपये कमाए थे। अमेजन प्राइम वीडियो और यूट्यूब पर यह फिल्म देखी जा सकती है।*

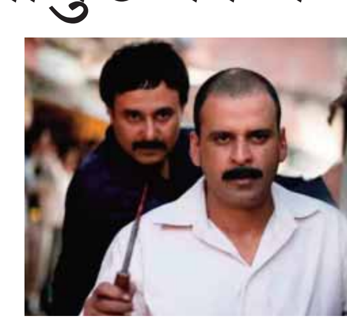

'सत्या' : *राम गोपाल वर्मा के निर्देशन वाली गैंगस्टर फिल्म सत्या से ही मनोज बाजपेयी को बॉलीवुड में पहचान मिली थी या कहें यही वो फिल्म थी, जो उनके करियर में मील का पत्थर साबित हुई। भीखू महात्रे की भूमिका में मनोज ने अपनी तगड़ी एक्टिंग से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। दो करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 15 करोड़ रुपये कमाए थे। आईएमडीबी पर 8.2 रेटिंग वाली ये फिल्म सोनी लिव और यूट्यूब पर मौजूद है।*

'गैंग्स ऑफ वासेपुर': *इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था। जब भी बॉलीवुड की बेहतरीन गैंगस्टर फिल्मों की बात होती है तो 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' का जिक्र जरूर होता है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फैजल खान का किरदार निभाकर पर्दे पर तबाही मचा दी थी। 8.2 रेटिंग लेने वाली 3 परिवारों के बीच की दुश्मनी और राजनीति पर आधारित इस फिल्म का लुत्फ आप नेटफ्लिक्स और जियो हॉटस्टार पर ले सकते हैं।*

'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई'और 'मकबूल': *आईएमडीबी पर 7.4 रेटिंग पा चुकी अजय देवगन, इमरान हाशमी और कंगना रनौत की वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई बेहतरीन गैंगस्टर फिल्मों में से एक है। इसके हरेक सीन पर तालियां बजी थी। आईएमडीबी पर इसे 7.4 रेटिंग मिली है। उधर बॉलीवुड में अलग धाक जमाने वाले दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने फिल्म 'मकबूल' में 'मकबूल' बनकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसकी रेटिंग 8.0 है। दोनों फिल्में अमेजन प्राइम वीडियो, एमएक्स प्लेयर और यूट्यूब पर हैं।*

फिल्म 2 जिद्दी लोगों के बीच अहंकार की लड़ाई देखने को मिलेगी

'लव एंड वॉर' में रणबीर-विक्की के बीच भयानक भिड़ंत, बनेगा भव्य सेट

मुंबई। निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी भव्य फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी पिछली वेब सीरीज 'हीरामंडी' उदाहरण के लिए काफी है। अब भंसाली की अगली फिल्म का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले काफी समय से वह फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग कर रहे हैं, जिसे लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। फिल्म से जुड़ीं अब कुछ ऐसी जानकारियां सामने आई हैं, जिनके बाद इसकी राह देख रहे दर्शकों की बेताबी और बढ़ जाएगी।

जबरदस्त टक्कर देख रोंगटे खड़े हो जाएंगे

रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के बीच एक जबरदस्त सीक्वेंस की शूटिंग होने वाली है, जिसे देख दर्शकों रोंगटे खड़े हो जाएंगे। भंसाली की टीम इस वक्त एक काफी बड़ा सेट तैयार करने में लगी है, जहां नई पीढ़ी के ये 2 सबसे दमदार सितारे एक-दूसरे से भिड़ते दिखेंगे। भंसाली ने रणबीर और विक्की के बीच डायलॉग से भरे इस झन्नाटेदार सीन को प्लान और डिजाइन करने में काफी वक्त लगाया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

बता दें कि रणबीर और विक्की ने इस फिल्म के लिए शारीरिक तौर पर काफी बदलाव किए हैं। रणबीर ने जहां 12 किलो वजन घटाया है तो वहीं विक्की ने भी 15 किलो वजन कम किया है। अगर सब योजना के मुताबिक चलता रहा, तो मार्च 2026 तक इस फिल्म को रिलीज किया जा सकता है। ये फिल्म वॉर के बैकग्राउंड पर सेट एक लव स्टोरी है, जिसमें 2 जिद्दी लोगों के बीच अहंकार की लड़ाई देखने को मिलेगी।

कब पूरी होगी 'लव एंड वॉर' की शूटिंग?

सूत्र ने बताया कि 'लव एंड वॉर' की 100 दिनों की शूटिंग पूरी हो चुकी है। 90 दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। भंसाली 2025 के अंत तक 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। हालांकि, शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा मुंबई के अलग-अलग स्टूडियो में शूट होगा, लेकिन टीम ने अक्टूबर के बाद यूरोप में एक आउटडोर शूटिंग की भी योजना बनाई है। अपनी बाकी फिल्मों की तरह ही भंसाली इसे भी काफी नाप-तौलकर बना रहे हैं।

पहली बार दिखेगी रणबीर, विक्की और आलिया

ये एक ऐसी फिल्म है, जो रणबीर और विक्की द्वारा निभाए गए 2 मजबूत किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों का कनेक्शन आलिया भट्ट के किरदार के साथ दिखाया जाएगा, क्योंकि ये एक लव ट्रायएंगल फिल्म है। रणबीर और विक्की दोनों इस फिल्म में आर्मी अफसर की भूमिका में होंगे। आलिया और रणबीर पहले 'ब्रह्मास्त्र' में साथ काम कर चुके हैं. वहीं 'संजू' में रणबीर ने विक्की के साथ काम किया है। अब तीनों को एक साथ देखना दिलचस्प होगा।

नई दिल्ली। इस दुनिया में केवल एक ही देश ऐसा है जो अपना सारा भोजन पैदा कर सकता है। एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि गुयाना खाद्य आत्मनिर्भरता में अकेला खड़ा है। यह सभी 7 प्रमुख खाद्य समूहों का उत्पादन करता है। यह वैश्विक खाद्य प्रणाली की कमजोरियों के बिल्कुल विपरीत है। कुछ जानकारों का मानना है कि व्यापार युद्ध और जलवायु परिवर्तन से खाद्य सुरक्षा को खतरा है। कई देश बुनियादी खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं। ये देश उत्तम खेती के लिए एकदम लचीली नीतियों पर फोकस करता है।

सब कुछ अपने यहां उगा लेता है यह देश, बाहर से कुछ भी नहीं मंगवाता

एक छोटे से देश ने बड़े-बड़े विकसित देशों खासकर अमेरिका और पश्चिमी देशों समेत दुनियाभर को नसीहत देते हुए कामयाबी की नई लकीर खींच दी है। गुयाना ने ऐसा कारनामा किया है कि यूएन से लेकर हर सरकारी और गैर सरकारी संगठन इस उपलब्धि पर यहां के नेतृत्व और आम लोगों की तारीफ करते हुए उनकी पीठ थपथपा रहे हैं।

इकलौता देश सुंदर भी फूड सिक्योर भी...

जब दुनिया सामाजिक अन्याय, गरीबी, जलवायु परिवर्तन और बढ़ती खाद्य असुरक्षा के मुद्दे से जूझ रही है, उसी समय एक नई स्टडी में चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई है। पूरी धरती पर केवल एक ही देश ऐसा है जो आयात पर निर्भर हुए बिना अपने लोगों को खिलाने के लिए आवश्यक सभी भोजन का उत्पादन कर सकता है।

यहां लोग 'केमिकल' वाला अनाज, फल और सब्जी नहीं खाते!

इस देश में ऑर्गेनिक खेती पर जोर दिया गया है. गुयाना आज खाद्ध उत्पादन सुरक्षा के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो चुका है। जबकि दूसरी ओर अरब प्रायद्वीप जैसे छोटे द्वीप राज्य और अन्य कम आय वाले देश आयातित भोजन पर निर्भर हैं। स्टडी में पता चला कि यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात (दुबई), इराक, कतर, यमन और अफगानिस्तान इस अध्ययन के बेंचमार्क को पूरा करने में सक्षम होने के लिए किसी भी खाद्य समूह का पर्याप्त उत्पादन करने में नाकाम रहे, यानी फेल हो गए।

दालें, फल और सब्जी सब फ्रेश

इस अध्ययन के मुख्य लेखक जोनास स्टेहल ने बीबीसी साइंस फोकस को बताया, 'कम पर्याप्तता स्वाभाविक रूप से खराब नहीं है। वे वैध और अक्सर लाभकारी कारण हैं कि क्यों कोई देश अपने अधिकांश भोजन का उत्पादन करने में सक्षम नहीं हो सकता है। स्टेहल ने कहा, आत्मनिर्भरता का निम्न स्तर किसी देश की अचानक वैश्विक खाद्य आपूर्ति के झटके जैसे सूखे, युद्ध या निर्यात प्रतिबंध का जवाब देने की क्षमता को कम कर सकता है। गुयाना आज फूड सिक्योरिटी में आत्मनिर्भर होने के बाद पूरी दुनिया के लिए नई पॉजिटिव संसेशन बन गया है।

किसी पर निर्भर नहीं

खाद्य आत्मनिर्भरता पर गुयाना का यह नया फोकस एक बड़ी समस्या को भी प्रतिबिंबित कर सकता है, जिसे हम अक्सर इसे नज़रअंदाज कर सकते हैं, क्योंकि दुनिया संपूर्ण विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है, गुयाना का खाद्ध सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर होना पूरी दुनिया के हर छोटे-बड़े देश को एक प्रेरणा देने के साथ वैश्विक खाद्य प्रणाली की नाजुकता की याद दिलाता है। अब बड़ा सवाल यह है कि दुनिया पर मंडराने वाले अगले खाद्ध संकट से पहले अन्य देश कितनी जल्दी कार्य पूरा करते हुए कृषि यानी खाद्ध मामलों में आत्मनिर्भर होंगे।

रोचक खबरें

इंसानों की तरह बंदरों को भी होता है अपने दोस्तों के वीडियो देखने का शौक-अध्ययन

बंदरों के व्यक्तित्व ने किया वीडियो देखने की प्रक्रिया को प्रभावित

बंदरों के व्यक्तित्व ने भी वीडियो देखने की प्रक्रिया को प्रभावित किया था। निचली रैंकिंग वाले बंदरों ने उच्च रैंकिंग वाले बंदरों की तुलना में अपने समूह के सदस्यों के वीडियो देखने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। बंदरों ने साफ-सफाई या बैठने जैसी शांत गतिविधियों की तुलना में संघर्ष या सक्रिय गतिविधियों वाले वीडियो पर ज्यादा ध्यान दिया। जब वीडियो में बैठने या सजने-संवरने जैसी सामान्य गतिविधियां दिखाई गईं, तब भी बंदर अजनबियों की फुटेज की तुलना में परिचित चेहरे देखना पसंद कर रहे थे।

नई दिल्ली। बंदर सबसे समझदार जानवरों में गिने जाते हैं, जिनका व्यवहार काफी हद तक इंसानों जैसा होता है। वे इंसानों की तरह अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम होते हैं और उनकी सीखने की क्षमता भी अच्छी होती है। हालांकि, अब एक अध्ययन के जरिए इंसानों और बंदरों के बीच एक विचित्र समानता का पता लगाया गया है।

अपने समुदाय के वीडियो देखना है पसंद : यह अध्ययन नीदरलैंड के यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय और ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने पूरा किया है। शोध लंबी पूंछ वाले मकाक बंदरों पर किया गया था, जो एशिया में पाई जाने वाली प्रजाति है। इस अनोखे अध्ययन के मुताबिक, इस प्रजाति के कैद में रहने वाले बंदर अजनबियों के बजाय अपने समूह के सदस्यों के वीडियो देखना पसंद करते हैं। इससे पता चलता है कि ये बुद्धिमान जानवर अपने समुदाय के बारे में जानने के लिए ज्यादा उत्सुक रहते हैं। अध्ययन को पूरा करने के लिए नीदरलैंड के एक शोध केंद्र में 30 बंदरों की जांच की गई, जिन्हें 2 समूहों में बांटा गया था। हर बंदर को व्यक्तिगत रूप से 2 मिनट के 16 वीडियो क्लिप दिखाए गए थे, जो या तो उनके समूह के सदस्यों के थे या फिर अनजान बंदरों के थे।

जापानी होटल खिलौनों के लिए दे रहे हैं छोटे बिस्तर, गुड्डे-गुड़िया भी कर सकेंगे आराम

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों से लोगों के बीच लबुबु जैसे गुड्डे-गुड़िया का चलन बढ़ गया है। महिलाएं इन्हें अपने पर्स में टांगना पसंद करती हैं या यात्रा करते समय साथ ले जाती हैं। अगर आपको भी गुड्डे-गुड़िया साथ रखने का शौक है तो आपके लिए एक खुश खबरी है। दरअसल, जापान का एक आलीशान होटल अपने सभी कमरों में बेहद प्यारे छोटे बिस्तरों की सुविधा देता है। इन बिस्तरों पर यात्री अपने गुड्डे-गुड़िया को सुला सकते हैं।

यह खास पेशकश करने वाले होटल का नाम टोक्यो इन है। यह होटल यह सेवा उन यात्रियों के लिए लेकर आया है, जो अपने नन्हें गुड्डे-गुड़िया को अपने साथ लेकर ही हर जगह जाते हैं। अगर मेहमान इस होटल में 175 रुपये ज्यादा देते हैं तो उन्हें एक छोटा-सा बिस्तर और गुड्डे-गुड़िया को पहनाने के लिए छोटा-सा पायजामा दिया जाता है। यात्रियों को यह सेवा इतनी पसंद आ रही है कि इस होटल की लोकप्रियता अचानक बढ़ गई है। होटल के कर्मचारियों को उम्मीद थी कि यह अनोखी सुविधा लोगों को पसंद आएगी। यह बात पूरी तरह सच साबित हुई, क्योंकि लोगों की प्रतिक्रिया उम्मीद से बेहतर रहीं।

क्रिस्टीज में गहनों की नीलामी से हुई 759 करोड़ रुपये की कमाई, तोड़े सभी रिकार्ड

नई दिल्ली। आपने वह कहावत तो सुनी होगी की 'हीरे महिलाओं के सबसे अच्छे दोस्त होते हैं।' अगर वे खूबसूरत गहनों में जड़े हों तो उनकी अहमियत और बढ़ जाती है। यह बात हाल ही में हुई एक नीलामी से साबित हो गई है, जिसने जेवरों की नीलामी के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दरअसल, क्रिस्टीज नीलामीघर ने जेवरों की सबसे बड़ी नीलामी आयोजित की थी, जिसके जरिए रिकॉर्ड तोड़ कमाई की गई है। चलिए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

प्रसिद्ध नीलामीघर क्रिस्टीज ने आभूषण जगत में नए मानक स्थापित करते हुए इतिहास रच डाला है। यह नीलामी न्यूयॉर्क में आयोजित करवाई गई थी और इसे 'मैग्निफिसेंट ज्वेल्स ऑक्शन' नाम दिया गया था। हैरानी की बात यह है कि गहनों की इस नीलामी के जरिए क्रिस्टीज ने 759 करोड़ रुपये की भारी कमाई कर डाली है। इसके दौरान कई प्राकृतिक हीरों और रत्नों से सजे आभूषण बेचे गए थे। इस नीलामी में केवल अमेरिका से ही नहीं, बल्कि दुनिया के कोने-कोने से लोग शामिल हुए थे। नीलामी शुरू होने से पहले ही लोगों के उत्साह से कमरा गूंज उठा था। जैसे ही नीलामी शुरू हुई, सभी ने बढ़-चढ़कर बोली लगाना शुरू कर दिया। कई लोग तो मोबाइल पर कॉल करके या ऑनलाइन भी बोली लगा रहे थे। इस नीलामी में जितने भी आभूषण उपलब्ध थे वे सभी आसानी से बिक गए थे। इस नीलामी में मुगल साम्राज्य के कई आभूषण बेचे गए, जिनकी कीमत करोड़ों में लगी। हालांकि, इसका मुख्य आकर्षण गुलाबी रंग का एक हीरा रहा, जिसका नाम 'मैरी-थेरेसे पिंक डायमंड' है। इसे प्रसिद्ध जौहरी जेएआर द्वारा अंगूठी में जड़ा गया था और यह 10.38 कैरेट का पतंग के आकार का बैंगनी-गुलाबी हीरा है।

नजारे

समुद्री जीवन के खूबसूरत दृश्यों का आनंद

दुनिया के खूबसूरत अंडरवाटर रेस्टोरेंट समुद्री नजारे कर देंगे मंत्रमुग्ध

नई दिल्ली। समुद्री जीवन के खूबसूरत नजारे को देखते हुए तरह-तरह के व्यंजनों का आनंद लेना यकीनन कई लोगों को महज एक ख्वाब लगता होगा, लेकिन दुनियाभर में ऐसे कुछ रेस्टोरेंट हैं, जो इस ख्वाब को सच्चाई में बदल सकते हैं। मालदीव से लेकर दुबई तक में कई खूबसूरत अंडरवाटर रेस्टोरेंट हैं, जहां के नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे।

इथा अंडरसी रेस्टोरेंट, मालदीव : मालदीव का इथा अंडरसी रेस्टोरेंट समुद्र की सतह से पांच मीटर नीचे स्थित है, जो पूरी तरह से मजबूत कांच से बना हुआ है। अगर आप कभी भी मालदीव जाने का प्लान बनाते हैं तो यहां जाकर यूरोपीय और एशियाई व्यंजनों के साथ-साथ समुद्री जीवन के खूबसूरत दृश्यों का आनंद का लुत्फ उठाएं। यही नहीं, इस रेस्टोरेंट में दुनिया की कुछ बेहतरीन वाइन के साथ सात-कोर्स फ्यूजन व्यंजन भी उपलब्ध हैं।

पोसीडॉन अंडरसी रिजॉर्ट और रेस्टोरेंट, फिजी

फिजी में एक निजी द्वीप पर स्थित पोसीडॉन अंडरसी रिजॉर्ट और रेस्टोरेंट 225 एकड़ में फैला हुआ है। यह रेस्टोरेंट समुद्री जीवन का लगभग 360 डिग्री दृश्य प्रस्तुत करता है। इस रेस्टोरेंट में शादी समारोहों और हनीमून के आयोजन के लिए भी कई सुविधाएं मौजूद हैं। यह 5,000 एकड़ लैगून से घिरा हुआ है, जो 27 मीटर की गहराई तक पानी से भरा हुआ है।

ल'ओशनोग्राफिक सबमैरिनो रेस्टोरेंट, स्पेन

स्पेन का ल'ओशनोग्राफिक सबमैरिनो रेस्टोरेंट शानदार सर्कुलर एक्वेरियम के ठीक बीचो बीच स्थित है। इस रेस्टोरेंट में जाकर आप तरह-तरह के व्यंजनों का आनंद लेते हुए विभिन्न प्रकार की मछलियों, समुद्री पौधों और शार्क तक को करीब से देख सकते हैं।

कार्गो होल्ड रेस्टोरेंट दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका के डरबन में फैंटम नामक जहाज के केंद्र में स्थित यह रेस्टोरेंट समुद्र और शार्क टैंक के शानदार दृश्य प्रस्तुत करता है। इस रेस्टोरेंट का आकर्षक केंद्र एक शार्क हैं, जिसे करीब से देखते हुए आप तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह रेस्टोरेंट कॉर्पोरेट पार्टियों के आयोजन के लिए एक शानदार माहौल प्रदान करता है।

ओसियानो मिशेलिन-स्टार रेस्टोरेंट,

दुबई में अटलांटिस द पाम में स्थित ओसियानो मिशेलिन-स्टार रेस्टोरेंट में जाकर आप स्टिंग्रेज, शार्क और अन्य मछलियों को नजदीक से देखते हुए विभिन्न व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं। यह रेस्टोरेंट अपने ग्राहकों को एक अलग अनुभव प्रदान करने के लिए लाइव म्यूजिक के साथ तरह-तरह के सीफूड व्यंजनों की पेशकश करता है। अगर आपको सीफूड पसंद है तो आप इस रेस्टोरेंट का रुख कर सकते हैं।

ये हैं दुनिया की सबसे महंगी कॉफी, जानिए क्यों हैं इतने अधिक दाम

नई दिल्ली। चाहे सुस्ती महसूस हो या थकान हो गई हो, एक कप गर्मा-गर्म कॉफी पीना ऊर्जा बढ़ाने का सबसे बढ़िया तरीका होता है।

यह पेय सदियों से दुनियाभर के लोगों की पहली पसंद बना हुआ है, जिसे न जाने कितने तरीकों से बनाया जा सकता है। वैसे तो कॉफी बेहद किफायती होती है, लेकिन उसके प्रकार के अनुसार उसके दाम बदलते हैं। आज हम आपको दुनिया की 5 सबसे महंगी कॉफी के बारे में बताएंगे, जिनका स्वाद भी लाजवाब होता है।

फिंका एल इंजेर्तो : फिंका एल इंजेर्टो ग्वाटेमाला में स्थित कॉफी का खेत है, जो अपनी असाधारण गुणवत्ता वाली कॉफी के लिए प्रसिद्ध है। 1874 से एगुइरे परिवार इस खेत की देख-रेख करता आया है। इस परिवार के सदस्य बोरबॉन जैसी अन्य अनूठी किस्मों का उपयोग करके प्रीमियम कॉफी का उत्पादन करते हैं। यह कॉफी 94,000 रुपये प्रति किलो में बिक सकती है।

कोपी लुवाक : कोपी लुवाक इंडोनेशिया की पहचान है, जिसे सिविट कॉफी भी कहा जाता है। यह कॉफी एक प्रजाति की बिल्ली की पॉटी से तैयार होती है, जिसे सिविट या लुवाक बिल्ली कहते हैं। ये बिल्लियां कॉफी चेरी को खाकर पचा लेती हैं, लेकिन उनके बीज उनके पेट में रह जाते हैं। यह 21,000 से 51,000 रुपये किलो में बिकती है।

ब्लैक आइवरी : ब्लैक आइवरी दुनिया की सबसे दुर्लभ कॉफी है, जो थाईलैंड में ही मिलती है। यह अपनी अनोखी उत्पादन प्रक्रिया के लिए जानी जाती है, जिसमें हाथियों का उपयोग किया जाता है। हाथियों को पहले पकी हुईं अरेबिका चेरी खिलाई जाती हैं, जिसके बाद उनके मल से बीजों को एकत्रित करके कॉफी बनाई जाती है। इसकी कीमत 42,000 रुपये प्रति किलो है।

हैसिंडा ला एस्मेराल्डा : पनामा के ठंडे पहाड़ी इलाकों से एक ऐसी कॉफी आती है, जिसका स्वाद फूलों के रस जैसा होता है। हैसिंडा ला एस्मेराल्डा खेत की गीशा किस्म वाली कॉफी अपनी चमेली की खुशबू और खट्टेपन के लिए मशहूर है। इसकी कीमत लगभग 29,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

राजस्थान में निकले 4,500 साल पुरानी सभ्यता के सबूत

नई दिल्ली। राजस्थान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को लगभग 4500 साल पुरानी एक प्रचीन सभ्यता के सबूत मिले हैं। एएसआई ने डीग जिले के बहज गांव में 10 जनवरी 2024 से खुदाई शुरू की थी। अब जो सबूत हाथ लगे हैं, वे इतिहास प्रेमियों और पुरातत्वविदों को जरूर रोमांच से भर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस खुदाई में 23 मीटर गहराई तक जाकर एक प्राचीन नदी का चैनल मिला है। इसे सरस्वती नदी से जोड़ा जा रहा है, जिसका ऋग्वेद में जिक्र किया गया है। एएसआई साइट सुपरवाइजर सारस्वत ने बातचीत में बताया कि यह जल प्रणाली मुमकिन है कि प्रारंभिक मानव बस्तियों के लिए सहायक थी, और सरस्वती घाटी को मथुरा और ब्रज क्षेत्रों से जोड़ती थी।

खुदाई में मिले मौर्य काल के अवशेष

गुप्त काल की वास्तुकला, धातु विज्ञान से जुड़ी भट्टियां, तांबे और लोहे के कच्चे माल के सबूत और हड्डियों से बने औजार, जैसे- सुई, कंघा और सांचे भारत में पहली बार इस रूप में सामने आए हैं। खुदाई में मिले अन्य सबूतों में शिव-पार्वती की टेराकोटा मूर्तियां शामिल हैं, जो शक्ति और भक्ति परंपराओं से जुड़ी हैं। शंख की चूड़ियां और अर्ध-कीमती पत्थर के मनके भी मिले, जो उस समय के व्यापार और सौंदर्य परंपराओं को दिखाते हैं। 15 से ज्यादा यज्ञ कुंड वैदिक और उत्तरवैदिक काल के धार्मिक अनुष्ठानों की पुष्टि करते हैं।

कुषाण काल के सिक्के और मुहरें

खास बात यह कि खुदाई में एक मानव कंकाल भी मिला है, जिसे जांच के लिए इजरायल भेजा गया है. राजस्थान एएसआई प्रमुख विनय गुप्ता ने कहा यह खुदाई ना केवल राजस्थान बल्कि पूरे उत्तर भारत के प्राचीन इतिहास को समझने के लिए एक नई दिशा देती है। एक रिपोर्ट संस्कृति मंत्रालय को भेजी जाएगी। जल्द ही इस क्षेत्र को राष्ट्रीय पुरातात्विक संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा सकता है।

पेरिस में एक हैंडबैग हुआ 85 करोड़ रुपये में नीलाम

पेरिस। हर्मेस बिर्किन बैग एक प्रतिष्ठित और लोकप्रिय लक्जरी हैंडबैग है, जो अपने शिल्प कौशल और अधिक कीमत के लिए प्रसिद्ध है। इसका नाम अंग्रेजी-फ्रांसीसी अभिनेत्री और गायिका जेन बिर्किन के नाम पर रखा गया था और इसे पहली बार फ्रांसीसी लक्जरी सामान निर्माता कंपनी हर्मेस ने 1984 में पेश किया था।

अब जेन के लिए खास तौर से बनाए गए मूल हर्मेस हैंडबैग ने नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह 85 करोड़ रुपये की कीमत पर नीलाम हुआ है। इस बैग की नीलामी का आयोजन पेरिस में करवाया गया था और यह यूरोप में नीलाम होने वाली अब तक की सबसे महंगी फैशन एक्सेसरी बन गया है। इसे सोथबी नामक नीलामीघर ने बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया था।

किसने बेचा यह बेशकीमती बैग?

इस बैग की खासियत यह है कि यह हर्मेस द्वारा तैयार किया गया पहला बिर्किन था। सोथबी के अनुसार, 1994 में नीलामी में बिर्किन द्वारा बिक्री के लिए रखे जाने के बाद से यह 2 बार बेचा गया। अब तक यह कैथरीन बेनियर नाम की महिला के पास था। उन्होंने कहा, मेरी पुरानी यादें ताजा हो रही हैं कि अब यह बैग मेरा नहीं रहा, लेकिन मुझे खुशी है कि इसे एक नया प्यारा घर मिल गया है। पेरिस से लंदन की उड़ान करते समय जेन ने हर्मीस के प्रमुख जीन-लुई डुमास से शिकायत की कि एक मां होने के नाते उन्हें अपनी जरूरतों के मुताबिक बैग नहीं मिल पा रहा। इससे प्रेरित हो कर ही 1984 में उनके लिए एक बड़ा टोट बैग तैयार किया गया, जिसमें दूध की बोतल भी रखी जा सकें। इसे जेन हमेशा अपने साथ रखती थीं और स्टीकर से सजाती थीं।

जेन ने सालों तक इस्तेमाल किया था यह बिर्किन बैग

इसमें धातु के छल्ले, एक न अलग होने वाला कंधे का पट्टा और एक अंतर्निर्मित नाखून काटने वाला उपकरण जैसी विशेषताएं शामिल हैं। सोथबी ने पहले कहा था कि इस बैग की स्थिति अभिनेत्री और गायिका द्वारा कई वर्षों तक उपयोग किए जाने को दर्शाती है। सोथबी की हैंडबैग और फैशन की वैश्विक प्रमुख मोर्गन हालिमी ने कहा, यह बिक्री असाधारण वस्तुओं की तलाश करने वाले संग्राहकों के जुनून और इच्छा को जगाने की क्षमता का एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन है।

खोज वैज्ञानिक का दावा - नई खोज में मिले हैं सबूत

पता चल गया गीजा का पिरामिड किसने बनाया था

नई दिल्ली। गीजा का विशाल पिरामिड दुनिया के आश्चर्यों में एक हैं। अक्सर इसके निर्माण को लेकर बातें होती रहती हैं कि आखिर इतने विशाल स्ट्रक्चर को इतने सटीक तरीके से किसने बनाया होगा? पुरात्वविद हमेशा इस सवाल का जवाब ढूंढते आए हैं। अब तक यही माना जाता रहा है कि पिरामिड को बनाने में कई साल लगे। मिस्र के फराहो ने इसे बनवाने में गुलामों का इस्तेमाल किया होगा।

अब एक नई खोज ने इस बात को खारिज कर दिया है कि इसका निर्माण गुलामों ने किया था। गीजा के महान पिरामिड के अंदर कुछ असाधारण खोज से पता चलता है कि इन्हें वास्तव में किसने बनाया था। पुरातत्वविदों ने मिस्र के महान पिरामिड के अंदर एक महत्वपूर्ण खोज की है, जिससे यह पुष्टि हो गई है कि 4,500 वर्ष पहले इस स्मारक का निर्माण वास्तव में किसने किया था?

कुशल श्रमिकों ने दिया पिरामिड को आकार

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, प्रसिद्ध इजिप्टोलॉजिस्ट डॉ. जाही हवास और उनकी टीम के हाथ कुछ ऐसा लगा, जिससे पता चलता है कि दुनिया के इस प्राचीन आश्चर्य का निर्माण एक लाख गुलामों द्वारा नहीं, बल्कि वहां कठोर शासन के तहत काम करने वाले अत्यंत कुशल, पेशेवर और वेतनभोगी श्रमिकों द्वारा किया गया था। नई खोज से पता चलता है कि इसका निर्माण वेतनभोगी कुशल मजदूरों द्वारा किया गया था, जो लगातार काम करते थे और हर 10 दिन में एक दिन की छुट्टी लेते थे। पिरामिड के दक्षिण में स्थित कब्रों का भी पता लगाया, जो कुशल श्रमिकों के अंतिम स्थल हैं। इनमें पत्थरों को काटते हुए श्रमिकों की मूर्तियां और 'पिरामिड के किनारे के पर्यवेक्षक' और 'शिल्पकार' की 21 चित्रलिपि उपाधियां भी हैं। यदि पिरामिड को बनाने वाले गुलाम होते, तो उन्हें कभी भी पिरामिडों के अंदर जगह नहीं मिलती, यानी कि उनकी कब्र पिरामिड के अंदर नहीं बनाई गई होती।

पत्थरों को काटती उनकी मूर्तियां

रिपोर्ट के अनुसार, एक क्रांतिकारी खोज में पुरातत्वविदों ने महान पिरामिड के ठीक दक्षिण में कब्रों का पता लगाया है। इन प्राचीन कब्रों में न केवल चकमक पत्थर के औजार और पत्थर तोड़ने जैसे औजार थे, बल्कि ऐसी मूर्तियां भी थीं जो बड़े-बड़े पत्थर के ब्लॉकों को हिलाते हुए मजदूरों को स्पष्ट रूप से दर्शाती हैं। हालांकि, सिर्फ ये कब्रें ही चर्चा का विषय नहीं हैं। डॉ. हवास ने पिरामिड के वास्तविक निर्माण के तरीकों पर भी प्रकाश डाला है। निर्माण में उपयोग किया गया चूना पत्थर मात्र 1,000 फ़ीट दूर से लाया गया था। साक्ष्य बताते हैं कि इसे मलबे और मिट्टी से निर्मित रैंप सिस्टम का उपयोग करके ले जाया गया था।

सावन में दाढ़ी क्यों नहीं बनानी चाहिए, क्या इसका कोई साइंटिफिक पक्ष भी है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो गया है। ये 9 अगस्त तक चलेगा। सावन का महीना भारतीय संस्कृति में भगवान शिव का पवित्र महीना माना जाता है। ये समय बरसात का भी होता है, लिहाजा कृषि और समृद्धि का भी सीधा रिश्ता इससे है। धार्मिक तौर पर लोग इस महीने में कई बातों का निषेध करते हैं, जिसमें एक ये भी है कि वो दाढ़ी नहीं बनाते क्या साइंस भी इसे सही ठहराती है। बेशक हम मानते हों कि सावन के महीने में खान-पान से लेकर रोजाना के जीवन से संबंधित कुछ स्वैच्छिक पाबंदियां हिंदू धर्म की पुरानी मान्यताओं और धार्मिकता से जुड़ होंगी। बहुत से लोग इस पूरे 30 दिन दाढ़ी नहीं बनाते। इसे बढ़ने देते है। क्या इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक या व्यावहारिक कारण भी हो सकते है। हां इसके कुछ वैज्ञानिक पहलू तो है। साइंस भी इसे जस्टिफाई करता है।

आयुर्वेदिक क्या कहता है

आयुर्वेद के अनुसार, सावन (वर्षा ऋतु) में शरीर की पाचन अग्नि (मेटाबॉलिज्म) कमजोर होती है और शरीर संवेदनशील रहता है। इस दौरान अनावश्यक शारीरिक परिवर्तन जैसे बाल कटवाना से बचने की सलाह दी जाती है।

और मनोवैज्ञानिक कारण भी

सावन को शिवजी की भक्ति और तपस्या का महीना माना जाता है। दाढ़ी न काटने से व्यक्ति का ध्यान बाहरी सजावट की बजाय आध्यात्मिक चिंतन में लग सकता है। दाढ़ी या बाल न कटवाना तप और संयम का प्रतीक माना जाता है। यह एक तरह से आत्म-नियंत्रण और सादगी का पालन करने का तरीका है। कई समुदायों में यह मान्यता है कि सावन में दाढ़ी या बाल काटने से नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित हो सकती है या यह भगवान शिव के प्रति अनादर माना जा सकता है।

इससे स्वास्थ्य और त्वचा की सुरक्षा होती है

सावन में बारिश के कारण नमी और फंगस का खतरा बढ़ जाता है। दाढ़ी बनाने से त्वचा पर छोटे कट या घाव हो सकते हैं, जिससे संक्रमण (जैसे रिंगवर्म, फोड़े) का जोखिम बढ़ सकता है। गीली हवा के कारण रेजर से शेविंग करने पर त्वचा में जलन या रैशेज होने की आशंका रहती है। शायद इसी वजह से प्राचीन काल में लोग इस मौसम में शेविंग से बचते थे, ताकि त्वचा संबंधी समस्याओं से बचा जा सके। पुराने समय में जब आधुनिक सैनिटाइजेशन और शेविंग उपकरण उपलब्ध नहीं थे, बारिश के मौसम में शेविंग से इंफेक्शन का खतरा हो सकता था।

साइंस की ही बात करें तो सावन में और क्या नहीं करना चाहिए

खुले पानी में नहाने से बचें

इसकी वैज्ञानिक वजह ये है कि बारिश के पानी में लेप्टोस्पायरोसिस, हैजा, या स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए नदियों, तालाबों या जलभराव वाली जगहों पर नहीं नहाएं. साफ गर्म पानी से नहाएं और पैरों को सूखा रखें।

भारी या बासी भोजन न खाएं

उसकी वैज्ञानिक वजह ये है कि मानसून में नमी के कारण पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और पाचक एंजाइमों की गतिविधि धीमी होती है। तला-भुना, अधिक मसालेदार या बासी खाना भी बैक्टीरिया और फंगस के खतरे के कारण नहीं खाना चाहिए। कच्चे सलाद या बाजार की कटी हुई सब्जियों को संक्रमण के ज्यादा जोखिम की वजह से अनदेखा करना चाहिए।

गीले या नम कपड़े न पहनें

इसकी वैज्ञानिक वजह ये है कि नमी के कारण फंगल इंफेक्शन (दाद, खुजली) हो सकता है। लिहाजा गीले कपड़ों या जूतों को लंबे समय तक पहनकर नहीं रखें।

वैज्ञानिकों की नई खोज ने दी बिग बैंग थ्योरी को चुनौती

ब्रह्मांड की खाली जगह में तैर रही है धरती

वॉशिंगटन। सोचिए, अगर पूरी पृथ्वी, हमारा सौरमंडल और यहां कि हमारी आकाशगंगा एक बड़ी खाली जगह में तैर रही है। यह कोई बनाई गई कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है। ये वैज्ञानिकों की नई थ्योरी है, जिसकी मदद से ब्रह्मांड के सबसे उलझे हुए रहस्य हबल टेंशन को सुलझाने में मदद मिल सकती है।

ब्रह्मांड का विस्तार

इस नई थ्योरी से पता चलता है कि ब्रह्मांड में घनत्व हर जगह एक जैसी नहीं है। अभी तक जो लैम्ब्डा कोल्ड डार्क मैटर मॉडल था उसे मानक मॉडल माना जाता था। यह मानकर चलता था कि ब्रह्मांड हर दिशा में एक बराबर है। लेकिन, ब्रह्मांड में दिखी असामनता वैज्ञानिकों को मजबूर कर रही है कि वह अपने पुराने मॉडल्स को फिर से जांचे।

हबल टेंशन क्या है?

बहल टेंशन उसे कहते हैं, जहां ब्रह्मांड के फैलने की गति को दो अलग-अलग तरीकों से मापा जाता है और दोनों बार नतीजे अलग-अलग आते हैं। पहले तरीके में बिग बैंग के बाद बचे कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड रेडिएशन के आधार पर मापते हैं, यह पूरे ब्रह्मांड में एक बराबर फैला हुआ है। दूसरे तरीके में, आसपास के ब्रह्मांड में दूर की आकाशगंगाओं की रेडशिफ्ट और सुपरनोवा की रोशनी को मापकर फैसले की गति निकालते हैं। इन दोनों तरीकों में आए बड़े अंतर को ही हबल टेंशन कहते हैं।

सरकारी गेहूं की बिक्री के लिए रिजर्व मूल्य की घोषणा

मांग एवं आपूर्ति दोनों संतुलित, गेहूं के दाम में बना रहेगा उतार-चढ़ाव

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मंडियों में गेहूं का भाव एक निश्चित दायरे में स्थिर बना हुआ है और बाजार विश्लेषकों का कहना है कि निकट भविष्य में इसमें भारी उतार-चढ़ाव आना मुश्किल है। दरअसल गेहूं की मांग एवं आपूर्ति के बीच काफी हद तक संतुलन बना हुआ है और सरकार ने बाजार भाव पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने के लिए खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) को शुरू करने का संकेत भी दे दिया है।

इसके तहत सरकारी गेहूं की बिक्री के लिए रिजर्व मूल्य की घोषणा हो चुकी है। गेहूं कारोबारी संजीव जैन के अनुसार निकट भविष्य में गेहूं का भाव सीमित दायरे में थोड़ा-बहुत ऊपर नीचे हो सकता है। वर्तमान मूल्य स्तर एवं माहौल को देखते हुए सरकार भी संतुष्ट है इसलिए ओएमएसएस के तहत गेहूं की साप्ताहिक ई-नीलामी प्रक्रिया को जुलाई-अगस्त में आरंभ नहीं करना चाहेगी। केंद्रीय पूल से बिक्री आरंभ होने से पूर्व सरकार व्यापारिक फर्मों के लिए स्टॉक सीमा के नियमों को कुछ और कठोर या जटिल बना सकती है। जैन के मुताबिक सरकार को पता है कि बाजार में गेहूं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और जब तक इसकी बिक्री नहीं हो जाती तब तक ओएमएसएस को आरंभ करना ठीक नहीं रहेगा। खुले बाजार बिक्री योजना को आरंभ तो किया जाएगा मगर उससे पहले भंडारण सीमा को सख्त बनाने पर विचार किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि खुले बाजार बिक्री योजना के तहत केन्द्रीय पूल से बेचे जाने वाले गेहूं का न्यूनतम आरक्षित मूल्य (रिजर्व प्राइस) 2550 रुपए प्रति क्विंटल नियत किया गया है जो पिछले साल के रिजर्व मूल्य 2300-2325 रुपए प्रति क्विंटल और 2024-25 सीजन के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति किवंटल से काफी ऊंचा है। सरकार के पास करीब 60-65 लाख टन गेहूं का अतिरिक्त स्टॉक मौजूद है जिसे ओएमएसएस के तहत बिक्री के लिए उतारा जा सकता है, लेकिन बिक्री में देर हो सकती है।

एफसीआई के स्टॉक से मिलर्स प्रोसेसर्स को गेहूं बेचने का निर्णय

केंद्र सरकार में खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत भारतीय खाद्य निगम के स्टॉक से मिलर्स-प्रोसेसर्स को गेहूं बेचने का निर्णय लिया है और इसके न्यूनतम (आधार भूत) आरक्षित मूल्य की घोषणा भी कर दी है। हालांकि अभी न तो गेहूं के स्टॉक का आवंटन हुआ है, प्रत्येक खरीदार के लिए गेहूं की अधिकतम खरीद मात्रा का निर्धारण हुआ है और न ही साप्ताहिक ई-नीलामी शुरू करने की कोई तिथि निश्चित की गई है लेकिन कीमतों का निर्धारण कर दिया गया है। इसके तहत गेहूं का रिजर्व मूल्य 2550 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल से 125 रुपए ज्यादा है। इसके अलावा खरीदारों को परिवहन खर्च का भी भुगतान करना पड़ेगा केन्द्र सरकार की अधीनस्थ एजेंसियां नैफेड, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) तथा केंद्रीय भंडार को भी 2550 रुपए प्रति क्विंटल के मूल्य पर ही गेहूं उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। ये एजेंसियां भारत ब्रांड के तहत आटा की बिक्री करती है। इतना ही नहीं बल्कि सामुदायिक रसोई स्कीम के लिए भी गेहूं का दाम 2550 रुपए प्रति क्विंटल नियत हुआ है ।

बचपन में आता था स्कूल जाने में आलस, बना डाला कार बेड

बीजिंग। आविष्कार केवल बड़े उपयोग वाले ही नहीं होते. कई बार कोई शख्स किसी कठिन काम को आसान बनाने के लिए भी कुछ नया कर जाता है। ऐसे आविष्कार रोजमर्रा के काम को सरल बना देते है। पर कुछ आविष्कार तो वाकई में चौंका ही जाते है। होते वे अलग और अनूठे ही है। पर समझ में नहीं आता है कि आखिर ये कितने काम के होंगे या फिर इनकी जरूरत ही क्या है? चीन के एक गु यूपेंग ने ऐसा ही कुछ किया है। उन्होंने एक ऐसा अनोखा बेड बनाया है, जो कई जगह कार की तरह जा सकता है और यहां तक कि वह सीढ़िया भी चढ़ उतर सकता है।

300 से ज्यादा आविष्कार

यूपेंग ने पिछले सात साल पहाड़ों में दूर-दराज़ रहकर बिताए है। इसी दौरान उन्होंने करीब 300 अनोखे, लेकिन कारगर वाहन बनाए। 42 वर्षीय इस शख्स ने इंटरनेट पर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उनके लगभग तीन मिलियन फ़ॉलोअर्स है। उनकी बनाई एक खास बेड कार की खूब चर्चा है, जिसके बारे में उनका दावा है कि वह किसी भी तरह के भूभाग पर चल सकती है। **बिस्तर पर ही हर जगह का सफर :** वीडियो में यूपेंग एक बिस्तर पर लेटे हैं और वे बिस्तर पर लेटे लेटे ही बाजार तक चले गए है। वह बिस्तर वाकई हर तरह के भूभाग पर गाड़ी की तरह चलता हुआ दिख रहा है।

बहुत उपयोगी हो सकता है ये

यूपेंग का कहना है कि इस तरहका बेड आपातकालन सेवाओं क अलावा कई लोगों के लिए उपयोगी हो सकते है। इसके लिए उन्होंने खारिज किए हुए धातु, सेंकड हेंड वाहनों के कल पुर्जे और अन्य हिस्से, और कुछ कबाड़ का इस्तेमाल किया जिससे कि इस पर कम से कम खर्च हो सके।

चांदी के दाम 1 लाख दस हजार के पार ऑल टाइम हाई पर

भोपाल। चांदी की कीमत ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 2,356 रुपए बढ़कर 1,10,290 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। चांदी की कीमत शुक्रवार ऑल टाइम हाई पर बंद हुआ। एक किलो चांदी की कीमत 2,356 रुपए बढ़कर 1,10,290 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। वहीं 24 कैरेट सोने के दाम में भी आज तेजी है। ये 465 रुपए महंगा होकर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

प्रमाणन के बिना हेलमेट के निर्माण और बिक्री पर सख्त कार्रवाई

भारतीय मानक ब्यूरो ने सिर्फ प्रमाणित हेलमेट के इस्तेमाल का किया आग्रह

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने प्रमाणन के बिना हेलमेट के निर्माण और बिक्री पर सख्त कार्रवाई करते हुए उपभोक्ताओं से सिर्फ बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट का इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग तथा बीआईएस ने कहा है कि उसके लिए लोगों की सुरक्षा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस समय सड़कों पर 21 करोड़ से ज़्यादा दोपहिया वाहन हैं और मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत दोपहिया वाहन चालक को हेलमेट पहनना अनिवार्य है लेकिन हेलमेट की महत्ता उसकी गुणवत्ता पर निर्भर करती है।

सड़कों पर 21 करोड़ से ज़्यादा दोपहिया वाहन

सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता

उपभोक्ता मामलों के विभाग का कहना है कि उपभोक्ता संरक्षण और सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्ध है और इसके तहत बाजार से घटिया गुणवत्ता वाले हेलमेट हटाकर लोगों को सुरक्षा पहुंचाकर उच्च गुणवत्ता युक्त उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित करना है।

आईएसआई चिन्हित हेलमेट पहनना अनिवार्य

बीआईएस के अनुसार लोगों की सुरक्षा के लिए उसने घटिया हेलमेट के खिलाफ अभियान भी चलाया है और इसके तहत उसने वित्त वर्ष 2024-25 में 500 से अधिक हेलमेटों का परीक्षण करते हुए 30 से अधिक तलाशी और जब्ती अभियान चलाए हैं। उसक यह भी कहना है कि घटिया या निम्न गुणवत्ता के हेलमेट सुरक्षा से समझौता करते हैं इसलिए उपभोक्ता को सुरक्षा देने में विफल रहते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, 2021 से एक गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू किया गया जिसके तहत सभी दोपहिया सवारों के लिए बीआईएस मानकों के तहत प्रमाणित आईएसआई-चिन्हित हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

भारतीय आंत्रप्रेन्योर्स ऑनलाइन बिक्री बढ़ाने के लिए चाहते है बेहतर टूल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोडैडी 2025 ग्लोबल आंत्रप्रेन्योरशिप सर्वे के अनुसार भारत में लगभग आधे छोटे कारोबारी अब प्रमुख तौर पर ऑनलाइन काम करते हैं। वे आज बिक्री बढ़ाने के लिए वेबसाइट, मार्केटप्लेस या सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। यह एक स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है क्योंकि आंत्रप्रेन्योर्स ग्राहकों तक पहुंचने, बिक्री बढ़ाने और आज के बाजार में अन्य के मुकाबले प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए डिजिटल चैनलों को काफी तेजी से अपना रहे हैं। अपूर्व पलनीटकर, सीनियर डायरेक्टर, मार्केटिंग, गोडैडी इंडिया ने कहा कि भारतीय आंत्रप्रेन्योर्स डिजिटल-फर्स्ट और तेज़ी से तकनीक-प्रेमी होते जा रहे हैं। हालांकि वे ग्राहकों से जुड़ने के लिए पहले से ही सोशल मीडिया का लाभ उठा रहे हैं, लेकिन ग्रोथ में अगली छलांग स्मार्ट एआई टूल्स को अपनाने से आएगी जो मार्केटिंग को सरल बनाते हैं और दायरा एवं एक्सेस बढ़ाते हैं। उन्होंने आगे कहाकि गोडैडी में हम शो इन बायो जैसे आसान, एआई-पॉवर्ड सॉल्यूशंस प्रदान करने पर केंद्रित हैं जो छोटे कारोबारों को कम संसाधनों में अधिक करने, समय बचाने और सार्थक परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। आज भारत में व्यवसाय चलाने का मतलब एक फिजिकल स्टोर से आगे बढ़ना है। जहां 36 प्रतिशत छोटे कारोबार अभी भी मुख्य रूप से एक फिजिकल लोकेशन से काम करते हैं, वहीं 17 प्रतिशत छोटे कारोबार अब अपना कारोबार मुख्य रूप से अपनी वेबसाइट के माध्यम से चलाते हैं।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
नैतिक साहू कन्या M.S. (E.N.T.) जन्म 1995/5'-3" गौर वर्ण, इन्दौर/ इटारसी (म.प्र.) निवासी हेतु डॉक्टर या उच्च/ समकक्ष योग्य वर चाहिये
बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें- 9425136008

वधू चाहिए

वधू चाहिए
सरयूपारीय ब्राह्मण 31 वर्ष, 5'-11" भारद्वाज गोत्र, मध्य नाड़ी, अधिकारी इफको, बरेली (उ.प्र.) हेतु सुन्दर, सुशील, टेक्नीकली क्वालीफाईड सरयूपारीय/ कन्यकुब्ज ब्राह्मण वधु चाहिए
कृपया फोटो, बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें- 9479271820, 6265112290

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5926

1	2		3		4	■	5		6	7
8		■		■	9			■	10	
	■	11				■	12	13	■	
14				■	15	16	■	17	18	
	■		■	19			20	■		■
21	22		23		■	24		25		26
■		■	27		28		■		■	
29		30	■	31		■	32			
	■	33	34	■	35				■	
36	37	■	38			■		■	39	
40				■	41					

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली- 5925 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र	■
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	वा	त
■	मि	त	वा	■	ही	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	रा	■	फि
त	न	य	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	च	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

सूडोकु बवाल - 5936

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 5935 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

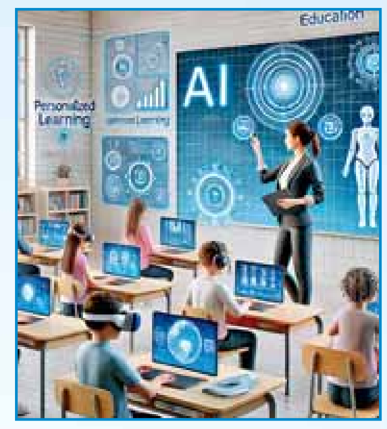

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांच: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएस: अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएस: अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीय स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशन: इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग हिचकिचाते बहुत हैं
ठहाकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

लघुकथा / गीता सिंह

बांझिन का घर

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

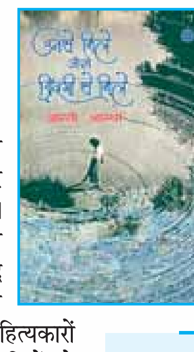

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तक: उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिका:** आरती 'आस्था', **मूल्य:** 180 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

Advt...

NBC©

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

विंबलडन : हैट्रिक बनाने कोर्ट में उतरेंगे अल्काराज, सिनर की निगाह पहले खिताब पर

एजेंसी ▶▶| लंदन

पिछले दो बार के विजेता कार्लोस अल्काराज रविवार को होने वाले विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे जबकि उनके कट्टर प्रतिद्वंदी और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ऑल इंग्लैंड क्लब में पहली बार चैंपियन बनने की कोशिश करेंगे। इस मैच में फ्रेंच ओपन के फाइनल की पुनरावृति होगी, जिसमें अल्काराज ने पहले दो सेट गंवाने और तीन मैच प्वाइंट बचाकर जीत हासिल की थी।

पुरुष एकल का फाइनल मुकाबला आज

अल्काराज ने सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को दी मात

अल्काराज ने विंबलडन के शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर लगातार तीसरी विंबलडन चैंपियनशिप जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। इसके बाद सिनर की बारी आई और उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं दिख रहे नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार ऑल इंग्लैंड क्लब में फाइनल में प्रवेश किया।

अल्काराज विंबलडन में लगातार 24 मैच जीते

अल्काराज का ग्रैंड स्लैम फाइनल में रिकॉर्ड 5-0 है। सिनर के नाम पर तीन ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। अल्काराज विंबलडन में लगातार 24 मैच जीत चुके हैं और वह इस संख्या में इजाफा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो 12 मैच खेले गए हैं उनमें से अल्काराज ने आठ और सिनर ने चार मैच जीते हैं। अल्काराज ने हालांकि इटली के खिलाड़ी के खिलाफ पिछले पांचों मुकाबले जीते हैं।

फ्रेंच ओपन के 5 सप्ताह बाद दोनों खिलाड़ी फिर होंगे आमने-सामने

फ्रेंच ओपन के फाइनल के ठीक 5 सप्ताह बाद यह दोनों खिलाड़ी फिर से एक दूसरे के आमने सामने होंगे। फर्क सिर्फ इतना है कि फ्रेंच ओपन का फाइनल लाल बजरी पर खेला गया था जबकि विंबलडन का फाइनल ग्रास कोर्ट पर होगा। अल्काराज ने फ्रेंच ओपन का फाइनल 5 घंटे 29 मिनट में जीता था और रविवार को यहां इन दोनों के बीच फिर से कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। स्पेन के इस खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि वह उनके करियर का सबसे कड़ा मैच था। उन्होंने कहा, ' यह अब तक का मेरा सबसे अच्छा मैच था। मुझे इस बात से कोई हैरानी नहीं है कि उसने मुझे मेरी आखिरी सीमा तक धकेल दिया। उम्मीद है कि रविवार को मैं अपनी सीमा में रहूंगा। यह एक शानदार फाइनल होगा और मैं इसमें खेलने के लिए उत्साहित हूं।' अल्काराज ने कहा, 'मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि मुझे फिर से कोर्ट पर साढ़े पांच घंटे न बिताने पड़ें, लेकिन अगर इसकी जरूरत पड़ी तो मैं इसके लिए तैयार हूं।' इटली के खिलाड़ी सिनर को भी उम्मीद है कि यह रोमांचक फाइनल होगा। सिनर ने कहा, 'उम्मीद है कि यह मैच भी पिछले मैच की तरह रोमांचक होगा। मुझे नहीं पता कि यह और बेहतर होगा या नहीं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह संभव है।

खबर संक्षेप

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप: अदिति संयुक्त 7वें स्थान पर

एवियन ले बेंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां द अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में दो अंडर 69 का कार्ड बनाया, जिससे वह संयुक्त सातवें स्थान से शीर्ष 10 में बनी हुई हैं। पिछले 34 मेजर में वह शुरू में कभी भी शीर्ष 10 में नहीं रह पाई थीं। लेकिन उन्होंने यहां 67 और 69 के कार्ड खेले, जिससे वह शीर्ष पर चल रही दक्षिण कोरिया की सोमी ली (67, 65) से चार शॉट पीछे हैं। अदिति ने बैक नाइन से शुरूआत की और दोनों तरफ दो बर्डी लगाईं और एक बोगी की।

3 अगस्त से एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप

UTSAL CLUB HAMPIONSHIP

नई दिल्ली। एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप 3 से 18 अगस्त तक उत्तराखंड के रुद्रपुर में मनोज सरकार स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट के चौथे चरण में 17 क्लब ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। उत्तराखंड की टीम कॉर्बेट एफसी गत विजेता है, जिसने वडोदरा में 2023-24 के फाइनल में गोलाजो एफसी को 3-2 से हराया था। दिल्ली एफसी ने 2021-22 में उद्घाटन चरण जीता था। इसके बाद मिनर्वा अकादमी एफसी ने 2022-23 में खिताब हासिल किया था।

जोटा के जर्सी नंबर का कोई खिलाड़ी नहीं करेगा उपयोग

लिवरपूल। लिवरपूल ने पिछले सप्ताह कार दुर्घटना में डिओगो जोटा की मौत के बाद उनके जर्सी नंबर 20 को रिटायर कर दिया है और क्लब में किसी भी स्तर पर कोई खिलाड़ी इस नंबर का उपयोग नहीं करेगा। पुर्तगाल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 28 वर्षीय जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा (जो स्वयं फुटबॉल खिलाड़ी थे) की स्पेन के उत्तर-पश्चिमी शहर जमोरा के निकट हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। लिवरपूल ने कहा कि महिला टीम और अकादमी सहित क्लब के सभी स्तरों पर उनके नंबर को हटा दिया जाएगा। प्रीमियर लीग क्लब ने एक बयान में कहा, 'यह वह नंबर था, जिसे उन्होंने गर्व के साथ पहना था और हमें कई जीत दिलाई थी। डिओगो जोटा हमेशा लिवरपूल फुटबॉल क्लब का नंबर 20 खिलाड़ी रहेगा।' जोटा ने लिवरपूल के लिए 182 मैच खेले और 65 गोल किए। लिवरपूल ने उनके रहते हुए प्रीमियर लीग के साथ-साथ एफए कप और इंग्लिश लीग कप भी जीता।

टेस्ट : टीम इंडिया ने तीसरे दिन 300 रनों का आंकड़ा किया पार

लॉर्ड्स में राहुल ने जड़ा शतक, पंत के अर्धशतक से भारत की पकड़ मजबूत

एजेंसी ▶▶| लंदन

ऋषभ पंत ने अपनी बाईं तर्जनी उंगली में दर्द के बावजूद रोमांचक अर्धशतक बनाया, लेकिन लंच के ठीक पहले रन आउट हो गए, जिससे भारत ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के पहले सत्र के खेल के बाद 5 विकेट पर 312 रन बना लिए। लोकेश राहुल लॉर्ड्स में अपने दूसरे और टेस्ट करियर 10वें शतक बनाया। राहुल और पंत ने चौथे विकेट के लिए 198 गेंदों में 141 रनों की साझेदारी कर मैच पर भारत की पकड़ मजबूत की।

दिन के शुरुआती ओवरों में जहां भारतीय बल्लेबाज सतर्कता से खेल रहे थे वहीं इंग्लैंड की गेंदबाजी में भी पैनापन की कमी दिखी। इस दौरान इंग्लैंड के गेंदबाजों ने लगातार 31 डॉट गेंद डाली। पंत ने भारतीय पारी के 51वें ओवर में एक रन लेकर डॉट गेंदों पर विराम लगाया तो वहीं राहुल ने अगली गेंद पर चौका जड़ने के बाद कार्स के खिलाफ शानदार ऑन ड्राइव कर गेंद को चार रन के लिए भेजा। उन्होंने इस गेंदबाज के अगले ओवर में हैट्रिक चौके के साथ इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। इंग्लैंड ने इसके बाद गेंद बदलने की मांग की, जिसे अंपायरों ने मान लिया लेकिन उसके गेंदबाजों को इसका कोई फायदा नहीं हुआ।

वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में दो टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने राहुल

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शनिवार को मध्यक्रम के दिग्गज खिलाड़ी दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में एक से ज्यादा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन लंच ब्रेक के तुरंत बाद जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर्स में एक रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि राहुल तिहरे अंक तक पहुंचने के तुरंत बाद ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की गेंद पर आउट हो गए। यह खेल के पारंपरिक प्रारूप में कुल मिलाकर उनका 10वां और विदेशी धरती पर नौवां शतक था। कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने 177 गेंद में 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। लीड्स में श्रृंखला के पहले मैच में शतक लगाने के बाद मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला में यह उनका दूसरा शतक है। राहुल ने क्रीज पर कुछ शानदार ड्राइव और फ्लिक खेले। वेंगसरकर ने 1979, 1982 और 1986 में लॉर्ड्स में तीन शतक लगाए हैं। राहुल और वेंगसरकर सहित 10 भारतीय लॉर्ड्स में 'ऑनर्स बोर्ड' पर जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। वेंगसरकर क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले इस प्रतिष्ठित स्थल पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने इस स्थल पर पहला शतक 2021 में लगाया था जब उन्होंने भारत की 151 रन की जीत में 129 रन बनाए थे। श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

मोनाको डायमंड

200 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे अनिमेष, दौड़ पूरी नहीं कर पाए साबले

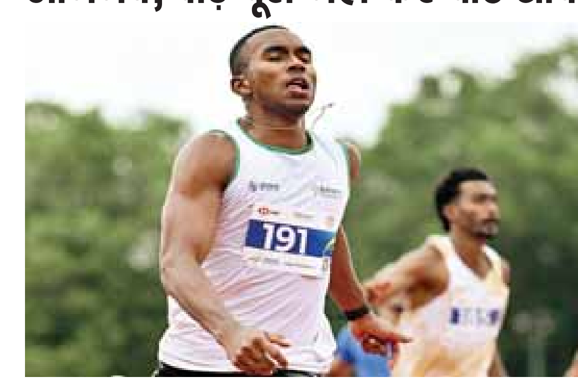

एजेंसी ▶▶| मोनाको

तेजी से उभरते धावक छत्तीसगढ़ के अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए मोनाको डायमंड लीग में अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। वहीं अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर सके।

ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले को अपनी पसंदीदा 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शीर्ष 5 में जगह बनाने की उम्मीद थी लेकिन वह दौड़ के शुरू में ही गिर गए। इसके बाद वह असहज महसूस करने लगे। मौजूदा एशियाई चैंपियन साबले लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए और उनकी चोट की गंभीरता अभी तक ज्ञात नहीं है। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन इस वर्ष वह अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

वह पिछले दो डायमंड लीग मुकाबलों में 13वें और आठवें स्थान पर रहे हैं। मोरक्को के सौफियान एल. बक्काली ने 8:01.18 सेकंड के समय के साथ दौड़ जीती, जबकि जापान के रयुजी मिउरा 8:03.43 सेकंड के समय के साथ 19 धावकों में दूसरे और कीनिया के एडमंड सेरिम 8:04.00 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

डायमंड लीग : चोपड़ा और नदीम होंगे आमने-सामने

सिलेसिया (पोलैंड)। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग (डीएल) में गत चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ एक बहुप्रतीक्षित मुकाबले में आमने-सामने होंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद दोनों खिलाड़ियों की यह पहली टक्कर होगी। चोपड़ा और नदीम 8 अगस्त, 2024 को पेरिस में हुए पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के एक साल बाद एक-दूसरे का सामना करेंगे।

तीरंदाजी विश्व कप

महिला टीम ने रजत पदक के साथ खोला खाता

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

भारत ने शनिवार को महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा में रजत पदक के साथ तीरंदाजी विश्व कप के चौथे चरण में अपना खाता खोला लेकिन इस नतीजे ने एक बार फिर टीम की दबाव भरी परिस्थितियों से निपटने में अक्षमता को उजागर किया। क्वालीफिकेशन दौर में कुल 2116 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी और तीसरे दौर के बाद 170-169 की बढ़त बनाए थी। लेकिन यह तिकड़ी निर्णायक क्षण में आए दबाव में लड़खड़ा गई और चीनी ताइपे से 225-227 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई। चीनी ताइपे की हुआंग आई-जौ, चेन यी-ह्सुआन और चिउ यू-एर्ह की तिकड़ी ने संयम बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हालांकि भारत कंपाउंड वर्ग में और पदक जीतने की दौड़ में बना हुआ है। ज्योति मिश्रित टीम कांस्य प्लेऑफ के लिए ऋषभ यादव के साथ मिलकर हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेंगी। वह परनीत कौर के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा में भी प्रतिस्पर्धा में हैं और दोनों तीरंदाजों को दिन में अपने-अपने सेमीफाइनल में भाग लेना है।

भारत ने फ्रांस को 3-2 से हराकर दर्ज की तीसरी जीत

इंधोवेन (नीदरलैंड)। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को फ्रांस को 3-2 से हराकर मौजूदा यूरोपीय दौरे पर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए फॉरवर्ड आदित्य अर्जुन लालगे ने दो गोल किए जबकि बॉबी सिंह धामी ने भी गोल किया। लालगे ने पहले मैदानी गोल किया और फिर पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि बॉबी ने बाद में गोल किया। फ्रांस के लिए दोनों गोल क्लेमेंट ने किए। लगातार तीसरी जीत पर भारत ए के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, 'भारत ए पुरुष हॉकी टीम इस दौरे की तैयारी में कड़ी मेहनत कर रही है और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मैदान पर भी चीजें अच्छी चल रही हैं।' उन्होंने कहा, 'इस दौरे पर हमें कुछ और मैच खेलने हैं और मुझे विश्वास है कि टीम अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेगी और अपनी लय बनाए रखेगी।' भारत ए रविवार को फिर से फ्रांस से भिड़ेगा और यूरोप दौरे में अभी उनके पांच मैच बाकी हैं। टीम ने पहले आयरलैंड को दो बार और फ्रांस को एक बार हराया था।

धीमी ओवर गति के लिए टीमों पर जुर्माना लगाना पर्याप्त नहीं, क्योंकि खिलाड़ी काफी अमीर : वॉन

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन केवल 75 ओवर फेंके गए, जिसके बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने यह सुनिश्चित करने के लिए कहा, जिससे कि टीम टेस्ट मैच के पांचों दिन 90 ओवर का कोटा अनिवार्य रूप से पूरा करें। भारत ने टेस्ट के पहले दिन 83 ओवर फेंके, जबकि दूसरे दिन 75 से भी कम ओवर फेंके जा सके, जिससे दोनों दिनों में कुल मिलाकर लगभग 23 ओवर कम हो गए। वॉन ने कहा कि धीमी ओवर गति के लिए टीमों को दंडित करना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि खिलाड़ी काफी अमीर हैं और उन पर लगाए गए जुर्माने से वे प्रभावित नहीं होंगे।

दूसरे, तीसरे और चौथे दिन खेल इतनी धीमी गति से क्यों

वॉन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि जुर्माना काम करेगा। मुझे लगता है कि ये लड़के (क्रिकेटर) काफी अमीर हैं। मुझे नहीं लगता कि जुर्माना लगाने से उन पर किसी तरह का प्रभाव पड़ेगा।' वह यह समझ नहीं पा रहे हैं कि टीमें पहले चार दिनों में ओवरों का कोटा पूरा क्यों नहीं कर पाई जबकि पांचवें और अंतिम दिन उन्होंने पूरे 90 ओवर किए।

25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से चूके जोकोविच, कहा- यह मेरा आखिरी विंबलडन नहीं, एक बार और खेलूंगा

एजेंसी ▶▶| लंदन

नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के बाद स्पष्ट किया कि यह उनका विंबलडन में आखिरी मैच नहीं था और वह कम से कम एक बार और इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में खेलने का इरादा रखते हैं। मैच के बाद 38 वर्षीय जोकोविच ने कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।' सेंटर कोर्ट पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर से 6-3, 6-3, 6-4 से मिली हार ने जोकोविच के विंबलडन में रोजर फेडरर के आठ चैंपियनशिप के पुरुष रिकॉर्ड की बराबरी करने और 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के प्रयास पर पानी फेर दिया।

सेमीफाइनल में नहीं दिखे अपने पूरे रंग में

जोकोविच क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान आखिरी सेट में चोटिल हो गए थे और सेमीफाइनल में वह अपने पूरे रंग में नहीं दिखे। जोकोविच ने कहा, 'मैं अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहता। मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन को लेकर बात करना चाहता हूं। मुझे इस बात की निराशा जरूर है कि मैं उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया जितना मैंने सोचा था या उम्मीद की थी।' इस स्टार खिलाड़ी ने सिनर के खिलाफ मैच में तीसरे सेट से पहले बाएं पैर के ऊपरी हिस्से के उपचार के लिए ट्रेनर की मदद ली और इसके बाद पहले तीन गेम जीते। वह हालांकि असहज महसूस कर रहे थे और उन्हें आखिरी सात गेम में से छह में हार का सामना करना पड़ा।

दोनों टीमों ने की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, 14.18 की औसत से बने रन

टी20 इंटरनेशनल का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, मैच में लगे 41 छक्के

एजेंसी ▶▶| बुल्गारिया

एसीएन बुल्गारिया टी20 ट्राई सीरीज के एक मैच में रिकॉर्ड तोड़ रन बने हैं। यह मैच बुल्गारिया और जिब्राल्टर के बीच खेला गया। इस मैच को बुल्गारिया ने अपने नाम किया हो लेकिन दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने इस मैच में गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इस मैच में 14.18 के रन रेट से रन बनाए गए हैं, जो कि टी20 क्रिकेट में पहली बार हुआ है। इससे पहले न्यूजीलैंड और स्कॉटलैंड के बीच 2009 में 13.76 के रन रेट से रन बने थे। इस टी20 मैच में कुल 41 छक्के लगाए गए हैं। यही नहीं दोनों पारियों को मिलाकर 35 ओवर से भी कम में यहां 450 से ज्यादा रन बने।

जिब्राल्टर ने 20 ओवर में बनाए 243 रन

इस मैच में जिब्राल्टर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 243 रन बनाए। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज फिल रैक्स ने 33 गेंद पर 73 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान चार चौके और आठ छक्के जड़े। यही नहीं कप्तान इयान लैटिन ने 51 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके और दो छक्के जड़े। लुईस बूस ने 24 रन की पारी खेली जबकि क्रिस पाईल ने 22 रन बनाए। बुल्गारिया की ओर से जैकब गुल ने चार ओवर में 37 रन देकर चार विकेट झटके।

बुल्गारिया ने 15 ओवर में जीता मैच

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुल्गारिया ने इस मैच को 15 ओवर के भीतर ही जीत लिया। टीम की ओर से मनन बशीर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंद पर 3 चौके और 9 छक्कों की मदद से 70 रन की विस्फोटक पारी खेली। यही नहीं सलामी बल्लेबाज इसा जरू ने 24 गेंद पर 9 चौके और 5 छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। मिलन गोगेव ने 69 रन का योगदान दिया। यही नहीं कप्तान क्रिस लाकोव ने 19 रन बनाए। बुल्गारिया की ओर से लुईस बूस ने चार ओवर में 48 रन देकर दो विकेट झटके।

टॉप पर बुल्गारिया

इस मैच में बल्लेबाजों ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। इस जीत के साथ बुल्गारिया के चार अंक हो गए हैं और वो पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। जिब्राल्टर भले ही मैच हार गए हो लेकिन उनके भी चार अंक हैं। टीम का नेट रन रेट बुल्गारिया से कम है और इसी वजह से वो दूसरे स्थान पर हैं। इस ट्राईसीरीज में तुर्की में भाग ले रही है जिसने दो मैच खेले हैं और दोनों में उन्होंने हार का सामना किया है। टीम का खाता नहीं खुला है और वो पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है।

2 दिन में 4 मंदिरों में चोरी, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

शहर के मंदिरों को निशाना बनाने वाली चोर गैंग सक्रिय

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में मंदिरों में चोरी करने वाली गैंग सक्रिय हो गई हैं। अभी एक दिन पहले ही बल्देवबाग पांडे चौक स्थित दुर्गा मंदिर और पूर्वी निवाड़गंज दीक्षितपुरा स्थित हनुमान मंदिर में चोरी की घटना प्रकाश में आई थी। इन चोरियों को सुराग भी नहीं लग पाया कि दूसरे दिन लार्डगंज थाना अतंर्गत पड़ाव स्थित मंदिर और लार्डगंज थाने के पीछे क्वाटरों से लगा प्राचीन शिव कल्याण मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। दरअसल बारिश में पुलिस की रात्रिकालीन गश्त कमजोर पड़ गई हैं जिसका फायदा चोर उठा रहे है। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे है लोग कह रहे है कि अब भगवान के घर भी सुरक्षित नहीं रहे है।

चौथी बार शिव कल्याण मंदिर में चोरी

लार्डगंज थाना क्षेत्र के पीछे स्थित प्राचीन शिव कल्याण मंदिर एक बार फिर चोरी का शिकार बना है। शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने मंदिर के तीन प्रवेश द्वारों के ताले तोड़कर वहां रखी तीन दान पेटियों को साफ कर दिया। अनुमान है कि इनमें हजारों रुपये की नकदी थी। मंदिर के व्यवस्थापक पवन जायसवाल ने बताया कि पूजा-अर्चना के बाद मंदिर बंद कर दिया गया था, लेकिन सुबह जब दरवाजा खोला गया, तो ताले टूटे हुए मिले और दान पेटियां गायब थीं। यह वही मंदिर है जहां 6 महीने पहले भी चोरी हुई थी, जिसमें पीतल की भगवान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, दुर्गा, गौरी-गणेश और लड्डू गोपाल की मूर्तियां चोर ले गए थे। इसके बाद भी न तो पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाई और न ही मंदिर समिति ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए।

दीक्षितपुरा मंदिर से दानपेटी गायब

गत दिवस कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत दीक्षितपुरा निवाड़गंज में स्थित मंदिर में भी चोरों ने दानपेटी पर हाथ साफ किया। मंदिर व्यवस्थापक रामेश्वर सोनी ने बताया कि जब वे रात को भगवान को शयन कराने पहुंचे, तो देखा कि दानपेटी गायब है। यह दूसरी घटना है — 15 दिन पहले ही यहां से भगवान की मूर्ति में जड़ा चांदी का लॉकेट चोरी हुआ था। मंदिर के पास सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनकी फुटेज खंगाली जा रही है।

पड़ाव के शिव मंदिर में भी चोरों ने लगाई सेंध

पड़ाव क्षेत्र स्थित शिव मंदिर में भी चोरी की वारदात हुई है। चोरों ने यहां दानपेटी का ताला तोड़कर 30 से 40 हजार रुपये की नकदी ले उड़े। श्रद्धालु मौके पर बड़ी संख्या में एकत्र हुए और पुलिस की लचर गश्त व्यवस्था को लेकर आक्रोश जताया। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पांडे चौक मंदिर से छत्र व चांदी की थाली गायब

पांडे चौक स्थित मंदिर में चोरों ने खिड़की के रास्ते घुसकर दानपेटी, चांदी का छत्र और पूजा की थालियां चुरा लीं। पुजारी बालेश्वर पांडे ने बताया कि सुबह जब मंदिर खोला गया, तो सामान बिखरा हुआ था और ऊपर की खिड़की खुली मिली। पुलिस को सूचना दी गई है और इलाके के संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस गश्त पर सवाल

इन तमाम वारदातों के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि पुलिस इन धार्मिक स्थलों को लेकर इतनी उदासीन क्यों है? प्राचीन शिव कल्याण मंदिर में तो ये चौथी बार चोरी हो चुकी है, फिर भी आज तक कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगाया गया, न ही रात्रिकालीन गश्त को सघन किया गया। यह स्थिति तब है जब सावन का पवित्र महीना चल रहा है और मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

सावन में झूमकर बरस रहे बादल, अब तक 21 इंच वर्षा दर्ज

कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश ने किया शहर को तरबतर

हरिभूमि जबलपुर।

बंगाल की खाड़ी से आ रहे मानसून के छोटे-छोटे सिस्टमों ने जबलपुर संभाग में जमकर दरियादिली दिखाई। जबलपुर में शुक्रवार की रात झमाझम बारिश के बाद शनिवार को सुबह से दोपहर तक रिमझिम बारिश होती रही। देर रात तक यह समाचार लिखे जाने तक कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश का दौर जारी रहा। शुक्रवार से ही श्रावण महीनें की शुरुआत हुई और लगा कि ''आया सावन झूम के'' पिछले 24 घंटों के दौरान हुई लगभग डेढ़ इंच वर्षा ने शहर को तरबतर कर दिया। मौसम विभाग की मानें तो अभी दो-तीन दिनों तक कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश का दौर जारी रहेगा। अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर संभाग के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की चेतावनी दी गई है। शहर में पिछले 24 घंटों से जारी अनवरत वर्षा के कारण शहरों के हाल बदहाल हो गये हैं। निचली बस्तियां जलमग्न हो गई हैं।

हिमालय की तराई से ऊपर आई मानसूनी रेखा राजस्थान से होते हुये उत्तरी मध्यप्रदेश से गुजर रही है। उत्तरी मध्यप्रदेश के ऊपर हवाओं के ऊपरी चक्रवात का घेरा बना हुआ है, जिससे बारिश हो रही है। इस बारिश ने शहर में व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। केसरवानी कॉलेज के पास लोहिया पुल का नाला उफनाने लगा। कई क्षेत्रों में जल प्लावन हो गया। कमोबेश यही स्थिति चेरीताल, जानकी नगर, गुजराती कालोनी में रही। अधिकांश इलाकों में सड़कों पर कीचड़ जमने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गड्ढे कीचड़ और गंदगी के कारण भंवरताल, गोलबाजार, लार्डगंज, कछियाना, एमआरफोर रोड, रानीताल से गुलौआ मार्ग और गुलौआ से संजीवनी नगर, मेडिकल मार्ग की दुर्दशा हो गई है। यहां से आदमी सुरक्षित निकल जाये तो यह उसका भाग्य।

बहरहाल, मौसम कार्यालय के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान आसमान पर बादल छाये रहेंगे और संभाग के कुछ हिस्सों में तेज वर्षा भी हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 97 प्रतिशत, सायंकाल 80 प्रतिशत आंकी गईं 24 घंटों में कुल वर्षा 34.2 मिमी दर्ज की गई। 1 जून से अब तक हुई कुल वर्षा का आंकड़ा 537.06 मिमि लगभग 21.4 इंच पर पहुंच गया है। गत वर्ष आज के दिन 6.6 मिलीमीटर वर्षा हुई थी जबकि कुल वर्षा 245.5 मिमि दर्ज की गई थी। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 33.6 और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक झारखंड में कम दबाव का क्षेत्र है, जबकि उत्तर पश्चिमी मध्यप्रदेश में हवा का कम दबाव बना हुआ है। लिहाजा अगले 24 घंटों के दौरान जबलपुर, ग्वालियर और रीवा संभाग में जोरदार वर्षा हो सकती है।

चालबाज दंपत्ति के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज

मकान बेचने का सौदा कर 7 लाख रूपये हड़पे

हरिभूमि जबलपुर।

एक मकान को बेचने का सौदा कर 7 लाख हड़पने के आरोपी दंपत्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया हैं। दरअसल इस दंपत्ति ने 560 वर्गफुट का एक मकान बेचने का सौदा हुस्ना बानो से 13 लाख 50 हजार रुपए में किया था। 7 लाख रुपए बयाने के तौर पर ले लिए। शेष रकम रजिस्ट्री के समय देने की बात की थी। जब रजिस्ट्री का वक्त आया तो टालमटोली की जाने लगी, और पैसा वापस करने की बात आई तो ओवरराइटिंग वाला चैक पकड़ा दिया जो बाउंस हो गया।

हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मोतीनाला बरिया तले निवासी हुस्ना बानो ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि उसने उर्दू लाला स्कूल के पास मौलाना अबुल कलाम वार्ड निवासी तनवीर उद्दीन अंसारी एवं श्रीमति शगुप्ता अंसारी से गत 18 अक्टूबर 2022 को नगर निगम मकान नं. 275/298 पुराना, नया 1168 दक्षिण मोती नाला नजूल ब्लाक नं. 30 प्लाट नं. 86/3, 86/4 रकवा 1138 वर्गफुट मे से 560 वर्गफुट मकान को विक्रय करने का अनुबंध 13 लाख 50 हजार रुपये मे किया था उक्त अनुबंध के चलते उसके द्वारा तनवीर उद्दीन अंसारी एवं श्रीमति शगुप्ता अंसारी को नगद व चैक के माध्यम से कुल 7 लाख रुपये दिये जा चुके है। चार माह मे सम्पूर्ण रकम अदा करना था, 4 माह बाद उसने शेष राशि देकर रजिस्ट्री करने हेतु कहा जो रजिस्ट्री करने में हीला हवाली करने लगे, काफी समय बीत जाने पर रूपये वापस मांगने पर कभी कोई, कभी कोई बहाना बनाते रहे।

शंका होने पर अपने स्तर पर पता करने पर यह जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त सम्पत्ति पर तनवीर उद्दीन अंसारी एवं श्रीमति शगुप्ता अंसारी के द्वारा अन्य व्यक्तियो से भी धोखाधडी कर अनुबंध पत्र निष्पादित किया है। उक्त सम्बंध में दोनों से बात करने पर उसे 5 लाख रूपये का चैक देते हुये शेष राशि शीघ्र देने हेतु कहा गया। उसके द्वारा बैंक में चैक लगाने पर ओवर राईटिंग की वजह से चैक अनादरित हो गया। जिसके सम्बंध में दोनों से कई बार कहने पर उसे साढे तीन लाख रूपये का चैक दिया गया जो बैंक में लगाने पर राशि अंकन की जगह दो लाईन खींच देने की वजह से चैक अनादरित हो गया। इस शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी दंपत्ति तनवीर उद्दीन अंसारी एवं श्रीमति शगुप्ता अंसारी के विरूद्ध धारा 420,120-बी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जबलपुर रेलवे स्टेशन में हादसा

एस्क्लेटर में फंसा मासूम बच्चे का पैर, 1 घंटे तड़पता रहा बालक

जबलपुर। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 में स्थित एस्क्लेटर में शुक्रवार की रात एक 4 साल के एक मासूम बच्चे का पैर फंस गया। इस दौरान बच्चा दर्द से चीख उठा। करीब 45 मिनिट तक उसका पैर एस्क्लेटर में फंसा रहा। बच्चे की चीख पुकार सुनकर कई यात्री उसका पैर निकालने की कोशिश करते रहे। इस बीच रेल पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल भी मौके पर पहुंचा और एस्क्लेटर बंद कराया गया। इसके बाद तकनीकी विशेषज्ञों की मदद से पैर को एस्क्लेटर से निकाया गया, बच्चा अस्पताल में भर्ती है जिसकी शल्य क्रिया किया जाना है। घटना के संबंध में जीआरपी थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल निवासी

माला बंसल अपने चार साल के मासूम बेटे के साथ शहडोल जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इस दौरान उनका बच्चा एस्क्लेटर के पास खेल रहा था. उसी समय खेलते-खेलते बच्चे का पैर एस्क्लेटर में फंस गया था। बच्चा दर्द से कराह उठा। उसके रोने चीखने की आवाज सुनकर अन्य यात्रियों ने अपने स्तर से सभी प्रयास किए लेकिन वे पैर नहीं निकाल सके। जब रेल पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे तब एस्क्लेटर बंद कराने के बाद बच्चे का पैर बहार निकाला जा सका। बच्चे को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। बच्चा अब ठीक है।

ओवरहॉलिंग के निर्धारित समय से पूर्व ही यूनिट क्रियाशील

जल विद्युत गृह बरगी की दोनों यूनिट से उत्पादन शुरु

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की रानी अवंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी की 45-45 मेगावाट यूनिट से विद्युत उत्पादन पूर्ण क्षमता के साथ शुरु हो गया। दोनों यूनिट 9 जुलाई की शाम को क्रियाशील हो गईं। दोनों यूनिट को वार्षकि रखरखाव (ओवरहॉलिंग) के लिए क्रमशः 20 जून व 1 जुलाई को विद्युत उत्पादन से पृथक कर दिया गया था। सामान्यतः एक यूनिट की ओवरहॉलिंग में 30 दिन का समय लगता है लेकिन बरगी की यूनिट नंबर 1 को 20 दिन और यूनिट नंबर 2 को सिर्फ 8 दिन में ओवरहॉलिंग करके विद्युत उत्पादन के लिए तैयार कर दिया गया। बरगी में किसी बाहरी एजेंसी की सहायता के बिना ओवरहॉलिंग का कार्य विद्युत गृह के अभियंताओं व तकनीकी कार्मिकों द्वारा करके दोनों यूनिट को निर्धारित समय से पूर्व क्रियाशील कर दिया गया। इस कार्य को करने के लिए अंडर वाटर में जाकर उपकरण जांचे गए और दोनों यूनिट के पेनल बदले गए। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत गृहों का जून व जुलाई माह में वार्षिक रखरखाव (ओवरऑलिंग) होता है। उसी प्रकार रानी अबंती बाई सागर जल विद्युत गृह बरगी की दोनों यूनिट को बारी-बारी से ओवरहॉलिंग के लिए योजनानुसार बंद किया गया। जल विद्युत गृह की दोनों यूनिट से उत्पादन प्रभावित न हो इसके लिए जल संसाधन विभाग से बातचीत कर समन्वय किया गया। जल संसाधन विभाग ने जानकारी दी कि मानसून आने के बाद सामान्य तौर पर बरगी बांध के गेट 15 से 31 जुलाई तक खोले जाते हैं। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने इस जानकारी के आधार पर बरगी का वार्षिक रखरखाव कार्यक्रम तैयार किया।

इस वर्ष मानसून के जल्द आने और लगातार बरसात होने पर बरगी जल विद्युत गृह में निर्धारित समय से पूर्व ओवरहॉलिंग कार्य पूर्ण कर जल विद्युत का समुचित उपयोग करने की दृष्टि से दोनों यूनिट से विद्युत उत्पादन शुरु दिया गया। वर्तमान में दोनों यूनिट से 41-41 मेगावाट उत्पादन हो रहा है।

हाई कोर्ट ने टिप्पणी सहित निरस्त की जीएनएम कोर्स के नए नियमों को चुनौती संबंधी याचिका

प्रदेश मातृ मृत्यु दर में आगे, कड़े नियम बनाना उचित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी में कहा कि मध्य प्रदेश मातृ मृत्यु दर के सिलसिले में आगे है। इसलिए जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी, जीएनएम पद पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए राज्य शासन ने कड़े नियम बनाकर सही किया। जस्टिस अतुल श्रीधरन व जस्टिस दिनेश पालीवाल की खंडपीठ ने कहा कि सरकार को परामर्श दिया जाता है कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य केंद्रों और एंबुलेंस की संख्या के साथ बेहतर सड़कें भी उपलब्ध कराएं, ताकि मरीजों को समय पर इलाज मिल सके। याचिकाकर्ता हरदा के लाल बहादुर शास्त्री व्यावसायिक अध्ययन महाविद्यालय सहित 39 अन्य की ओर से पक्ष रखा गया। याचिकाओं में आरोप था कि मप्र शासन ने जीएनएम पदों पर भर्ती के लिए वर्ष 2024 में नियमों में बदलाव कर बायोलाजी विषय के साथ 12 वीं कक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया है। इस कारण जीएनएम कोर्स के सिर्फ 169 पद ही भरे गए और शेष 8388 पद खाली हैं। ऐसे में सरकार को उचित निर्देश दिए जाएं, ताकि खाली पदों पर उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जा सके। हाई कोर्ट सरकार के कदम को उचित निरूपित करते हुए याचिका निरस्त कर दी। राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी और इंडियन नर्सिंग काउंसिल की ओर से अधिवक्ता मोहन सौंसरकर ने पक्ष रखा।

मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) को दिए गए प्रशासकीय अधिकारों को सीमित करने को चुनौती

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर मप्र भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) को दिए गए प्रशासकीय अधिकारों को सीमित करने को चुनौती दी गई है। प्रारंभिक सुनवाई के बाद एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस

जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा । रेरा के सचिव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता समदर्शी तिवारी एवं पलाश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि रेरा संसद द्वारा रियल एस्टेट (नियमन और विकास) अधिनियम, 2016 के तहत गठित एक वैधानिक निगम है। इसे प्रशासकीय स्वायत्तता प्रदान की गई है। उक्त नियम में 2017 में सरकार द्वारा किए गए संशोधन की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। संशोधित नियम में कर्मचारियों की संख्या, नियुक्ति, पदोन्नति, वेतन संरचनाओं और व्यक्तिगत नीतियों से संबंधित सभी मामलों में राज्य सरकार की 'पूर्व स्वीकृति' को अनिवार्य कर दिया गया। दरअसल, 25 फरवरी 2022 को अधिसूचना जारी कर नियामक प्राधिकरण की प्रशासनिक कार्यों को नियंत्रित और सीमित कर दिया गया है। ऐसा करना मूल अधिनियम द्वारा प्रदान की गई स्वायत्तता में दखल है। प्राधिकरण के अध्यक्ष को कानून द्वारा प्रदत्त प्रशासनिक कार्यों में अनुचित हस्तक्षेप है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240